सुविचार

वर्तमान ही सब कुछ है। भविष्य की चिंता हमें कायर बना देती है और भूत का भार हमारी कमर तोड़ देता है।
–प्रेमचंद

Daily
THE PHOTON NEWS
सच के हक में...
द फोटोन न्यूज Published from Ranchi

12
Shahid Kapoor Reacts To...

Ranchi ● Tuesday, 11 March 2025 ● Year : 03 ● Issue : 57 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : ₹3 ● www.thephotonnews.com
E-Paper : epaper.thephotonnews.com

इफ्तार (मंगलवार) : 05:58
सेहरी (बुधवार) : 04:43

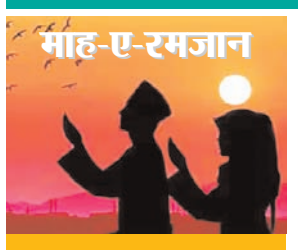

SHARE

सेंसेक्स	:	74,115.17
निफ्टी	:	22,460.30

SARAFA

सोना	:	8,230
चांदी	:	108.00

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

राहुल ने की वोटर लिस्ट पर चर्चा कराने की मांग

NEW DELHI : सोमवार को लोकसभा में नेता विपक्ष नराहुल गांधी ने सदन में मतदाता सूची में अनियमितता का मुद्दा उठाया और कहा कि देशभर से इसकी शिकायतें मिल रही हैं। गैर एनडीए शासित राज्यों से यह मुद्दा उठ रहा है। राहुल ने विशेष रूप से महाराष्ट्र का उदाहरण दिया। साथ ही उन्होंने मांग की कि पूरा विपक्ष चाहता है कि सदन में वोटर लिस्ट पर चर्चा होनी चाहिए। लोकसभा में शून्य काल की चर्चा के दौरान राहुल गांधी ने यह मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि यह बात सही है कि सरकार मतदाता सूची नहीं बनाती, लेकिन पूरा विपक्ष चाहता है कि इस मुद्दे पर सदन में चर्चा हो। विपक्षी राज्यों और पूरे देश से मतदाता सूची पर सवाल उठ रहे हैं। पूरा विपक्ष संसद में वोटर लिस्ट पर विस्तृत चर्चा की मांग कर रहा है।

मप्र में सड़क हादसे में 9 लोगों की गई जान

SEEDHI : मध्य प्रदेश के सीधी जिले में सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत रविवार–सोमवार की दरमियानी रात हुए भीषण सड़क हादसे में नौ लोगों की जान चली गई। यहां पनी पेट्रोल पंप के पास एक तेज रफ्तार टैंकर और जीप के बीच सीधी भिड़ंत हो गई। आठ लोगों की मौके पर ही मौत। एक गंभीर रूप से घायल व्यक्ति ने उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। हादसे में 13 लोग घायल हैं, जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती किया गया है। घायलों में सात को गंभीर हालत में रीवा मेडिकल अस्पताल में रेफर किया गया है। मृतकों में पांच महिलाएं और चार पुरुष शामिल हैं।

एयर इंडिया की फ्लाइट को बम से उड़ाने की धमकी

NEW DELHI : मुंबई से न्यूयॉर्क जा रही एयर इंडिया की फ्लाइट एआई–119 को सोमवार सुबह बम से उड़ाने की धमकी मिली। 8 घंटे 37 मिनट की उड़ान के बाद फ्लाइट को मुंबई डायवर्ट कर दिया गया। फ्लाइट में 19 क्रू मेंबर्स समेत 322 यात्री सवार थे। एअर इंडिया ने बताया कि फ्लाइट के वॉशरूम में एक नोट मिला, जिसमें बम की धमकी दी गई थी। सुरक्षा प्रोटोकॉल को ध्यान में रखते हुए रास्ते से ही विमान को वापस मुंबई लाने का फैसला किया गया। विमान 10:25 बजे मुंबई पहुंचा। एअर इंडिया की फ्लाइट एआई–119 मुंबई एयरपोर्ट के टर्मिनल–2 से रात 1:43 बजे न्यूयॉर्क के लिए उड़ान भरी थी। फिलहाल सुरक्षा एजेंसियां जांच में जुटी हुई हैं।

विधानसभा में गरमाया लॉ एंड ऑर्डर का मुद्दा, बीजेपी का हंगामा

PHOTON NEWS RANCHI : सोमवार को विधानसभा में बजट सत्र सत्र के 10वें दिन लॉ एंड ऑर्डर का मुद्दा गरमा गया। सदन में नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने राज्य की वर्तमान कानून व्यवस्था पर सवाल खड़े किए। सभी भाजपा विधायक इस मुद्दे को लेकर नारेबाजी करते हुए वेल में चले गए। विपक्ष के हंगामे के कारण स्पीकर रबींनाथ महतो ने सदन की कार्यवाही दोपहर 12 बजे तक के लिए स्थगित कर दी। नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने सदन में कहा कि राज्य में कुछ दिनों से हत्या के मामले काफी अधिक बढ़ गए हैं। उन्होंने झामुमो के स्लोगन पर तंज कसते हुए कहा कि उनकी पार्टी के लोग हेमंत है तो हिम्मत है का नारा देते हैं। लेकिन, उन्हें तो लगता है हेमंत है तो अपराधियों को हिम्मत है। उन्होंने रांची के कोयला कारोबारी विपिन मिश्रा पर हुई फायरिंग, चान्हो में हुए साधुओं की हत्या और हजारीबाग के डीजीएम कुमार गौरव की हत्या का मुद्दा उठाया। बाबूलाल मरांडी ने कानून व्यवस्था को राज्य का सबसे ज्वलंत मुद्दा बताते हुए इस पर चर्चा की मांग की।

नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने सरकार पर खड़े किए कई गंभीर सवाल

झामुमो के स्लोगन पर कसा तंज, कहा- हेमंत है तो अपराधियों को हिम्मत है

डीजीपी की कार्यशैली पर बिफरे सीपी सिंह

सदन की कार्यवाही दोबारा शुरू होने के बाद भाजपा विधायक सीपी सिंह ने भी कानून व्यवस्था के मुद्दे को उठाया। राज्य के डीजीपी की कार्यशैली पर सवाल खड़े किए। उन्होंने बताया डीजीपी कहते हैं कि राज्य में हो रही बड़ी–बड़ी घटनाओं की योजनाएं जेल से बनती है। उन्होंने सवाल पूछा कि क्या जेल झारखंड से बाहर है। जेल इसी राजधानी में है तो फिर क्यों इसका उद्भेदन नहीं किया जाता। सीपी सिंह ने सरकार से इस मुद्दे पर जवाब की मांग की है।

जनजातीय सलाहकार परिषद के गठन की तैयारी

झारखंड विधानसभा के बजट सत्र में विधायक प्रदीप यादव ने राज्य में आदिवासी हित में जनजातीय सलाहकार परिषद के कार्यरत होने, अनुसूचित जातीय सलाहकार परिषद का गठन नहीं किए जाने और इसके लिए सरकार के स्तर से किए जाने वाले प्रयासों को लेकर सवाल पूछा। राज्य में 12 प्रतिशत अनुसूचित जाति की आबादी के लिए टीएसी की तर्ज पर अनुसूचित जातीय सलाहकार परिषद के गठन पर कहा कि झारखंड अनुसूचित जाति परामर्शदातृ परिषद नियमावली 2008 अधिसूचित किया गया है।

डबल इंजन की सरकार के समय बंद हो रहे थे स्कूल : कल्पना सोरेन

विधानसभा के बजट सत्र के दसवें दिन कल्पना सोरेन ने भाजपा के डबल इंजन की सरकार को घेरा। व्यंग्य के लहजे में कहा कि भूत भगाने के लिए सरसों फेंका जाता है, लेकिन सरसों में ही भूत होगा तो क्या होगा। डबल इंजन की सरकार के समय स्कूल बंद हो रहे थे। शिक्षकों की नियुक्ति नहीं हो रही थी। किसी भी राज्य में 20 फीसदी से अधिक स्कूलों को बंद करवाया गया तो वह झारखंड ही है। पूर्ववर्ती सरकार ने हमारा अंगूठा

काटने का प्रयास किया। भाजपा 17–18 साल तक सरकार में थी। इन्होंने ने ही समस्या खड़ी की। इसका समाधान अबुआ सरकार कर रही है। कहा कि भाजपा सरकार के समय पारा शिक्षकों पर लाठी चार्ज हुआ। डबल इंजन की सरकार ने इनकी आवाज और इच्छा को जानने का भी प्रयास नहीं किया। आज तीन गुना ज्यादा छात्रवृति दी जा रही है। साइकिल का पहिया बच्चों को पंख देने का काम कर रहा है। जेईई एडवांस में सीएम एक्सीलेंस स्कूल के बच्चों ने बेहतर प्रदर्शन किया। 325 प्रखंड स्तरीय आर्दश विद्यालयों का निर्माण हो रहा है। 26001 शिक्षकों की नियुक्ति होने जा रही है। परिणाम जारी करने की स्थिति में आ चुके हैं।

दर्दनाक : गढ़वा में गोदरमाना के मुख्य बाजार में हुई घटना

पटाखे की दुकान में लगी आग दो बच्चों सहित पांच की गई जान

अचानक एक पटाखा फूटा और देखते ही देखते फैल गई आग

PHOTON NEWS GARHWA : सोमवार को गढ़वा जिले में रंका प्रखंड के गोदरमाना के मुख्य बाजार में एक पटाखे की दुकान में भीषण आग लग गई। घटना कुश कुमार गुप्ता की दुकान में हुई। दुकान में दिन में करीब 11:30 बजे आग लगी। इसमें दुकानदार कुश कुमार गुप्ता समेत 5 लोगों की मौत हो गई। मृतकों में 2 बच्चे भी शामिल हैं। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि कुश कुमार किराने और पटाखे की दुकान चलाते थे। पटाखे की दुकान के पीछे 2 गोदाम हैं। अचानक एक पटाखा फूटा और देखते ही देखते पटाखे की दुकान में आग लग गई। आग तेजी से फैलती चली गई। पटाखे में विस्फोट के बाद दुकान का शटर बंद हो गया और सभी 5 लोग उसी में बंद हो गए। आग बुझाए जाने के बाद जब सभी को गोदाम की दीवार को काटकर बाहर निकाला गया, तो सभी की मौत हो चुकी थी। मृतकों की पहचान दुकानदार कुश कुमार गुप्ता (45), अजित कुमार केसरी, सुशीला केरकेट्टा (18), आयुष कुमार केसरी (10) और पीयूष कुमार केसरी (8) के रूप में हुई है। गोदरमाना के रहने वाले आयुष और पीयूष दोनों सगे भाई थे।

दम घुटने से मौत

ग्रामीणों ने बताया कि दुकान में जब आग लगी, तो किसी को मालूम नहीं था कि अंदर 5 लोग फंसे हुए हैं। बाद में पता चला, तो गोदाम के पीछे की दीवार तोड़कर सभी 5 लोगों को निकाला गया। इन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद सभी को मृत घोषित कर दिया। डॉक्टर ने बताया कि सभी की मौत दम घुटने से हुई है। आग लगने के तुरंत बाद स्थानीय लोगों ने अग्निशमन विभाग को सूचना दी। छत्तीसगढ़ के रामानुजगंज से दमकल वाहन आया। ग्रामीणों की मदद से फायर ब्रिगेड के कर्मचारियों ने आग पर आधे घंटे के भीतर काबू पा लिया।

- पटाखे में विस्फोट के बाद बंद हो गया दुकान का शटर, अंदर रह गए सभी लोग
- मृतकों में आयुष और पीयूष थे सगे भाई, दुकान में गए थे पटाखा खरीदने

आग बुझाने के बाद जब गोदाम की दीवार काटकर बाहर निकाल गए लोग, तब तक हो चुकी थी मौत

> गढ़वा जिले के रंका प्रखंड में पटाखा दुकान में आग लगने से 5 लोगों की मृत्यु की दुःखद खबर मिली है। मरांग बुरु दिवंगत लोगों की आत्मा को शांति प्रदान कर शोकाकुल परिवारजनों को दुःख की यह विकट घड़ी सहन करने की शक्ति दे।
>
> **हेमंत सोरेन**, सीएम।

एकाएक गूंजने लगी पटाखे फटने की आवाज

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, पटाखा दुकान में आग लगते ही अफरातफरी का माहौल बन गया। आसपास के सभी लोग जान बचाकर भागने लगे। चारों तरफ बम–पटाखे फटने की आवाज गूंजने लगी। देखते ही देखते आग इतनी भयावह हो गई कि दुकान के पास खड़ी एक बाइक भी उसकी चपेट में आ गई।

राशन दुकान के बाहर पटाखे बेच रहा था दुकानदार

गढ़वा एसपी दीपक कुमार पांडेय ने बताया कि राशन दुकान के बाहर दुकानदार पटाखा भी बेच रहा था। दो बच्चे पटाखे खरीदने के लिए वहां पहुंचे थे। इसी दौरान पटाखे में आग लग गई और वहां अफरातफरी मच गई। दुकानदार दोनों बच्चे समेत अजित केशरी और सुशीला केरकेट्टा को लेकर दुकान के पास ही एक खाली गोदाम में घुस गया और अंदर से शटर लगा दिया। इसी दौरान आग का धुआं अंदर घुसने लगा। बाहर जब लोगों को पता चला कि दुकानदार कुछ लोगों के साथ अंदर बंद है तो दीवार काटकर उन्हें बेहोशी की हालत में बाहर निकाला गया। लोग पांचों को सीमावर्ती राज्य छत्तीसगढ़ के रामानुजगंज स्थित एक अस्पताल में ले गए, जहां डॉक्टर ने पांचों को मृत घोषित कर दिया।

डीजीपी अनुराग गुप्ता ने किया स्वीकार, 3 अपराधी जेल से चला रहे गैंग

PHOTON NEWS RANCHI : सोमवार को एक ओर विधानसभा में राज्य में बढ़ रहे अपराध की घटनाओं को लेकर हंगामा हुआ, तो दूसरी ओर डीजीपी अनुराग गुप्ता ने बड़ा बयान दिया। उन्होंने स्वीकार किया कि जेल में बंद अपराधी जेल से ही अपना गैंग चला रहे हैं। उन्होंने विधानसभा परिसर में पत्रकारों से बातचीत में कहा कि विकास तिवारी, अमन श्रीवास्तव और अमन साव, ये तीन अपराधी हैं, जो जेल से अपना गैंग चला रहे हैं। ये वर्चुअल नंबर क्रिएट कर काम करते हैं। इस दौरान उन्होंने कहा कि हमने एटीएस एसपी को निर्देश दिया है कि बीएनएस की धारा 111 के तहत काम करें। यह धारा संगठित अपराधियों के खिलाफ पुलिस को काम करने का पावर देती है। डीजीपी ने कहा कि इस धारा के तहत अमन साव गिरोह के 30 लोगों पर एफआईआर की गई है। जल्द ही सभी की गिरफ्तारी होगी। सभी हो जेल भेजेंगे। उन्होंने इस बात को खुल कर कहा कि झारखंड में जितने क्राइम हो रहे हैं, वो जेल के अंदर से प्लान किए जा रहे हैं। वहीं से कराए भी जा रहे हैं। हम काफी प्रयास कर रहे हैं कि जेल से हो रही इन गतिविधियों को रोकें।

विधानसभा परिसर में पत्रकारों से की बातचीत

- विकास तिवारी, अमन श्रीवास्तव और अमन साव पर जल्द कसा जाएगा शिकंजा
- जोर देकर कहा, 30 अपराधियों पर दर्ज की जा चुकी है एफआईआर
- बीएनएस की धारा 111 के तहत काम करने का एटीएस एसपी को दिया निर्देश

रांची में फायरिंग मामले का जल्द होगा खुलासा

शुक्रवार को रांची में कोयला व्यवसायी पर फायरिंग मामले को लेकर डीजीपी ने कहा कि रांची फायरिंग मामले में सभी अपराधियों की पहचान हो चुकी है। हम जल्द ही उन्हें गिरफ्तार करेंगे। हजारीबाग एनटीपीसी डीजीएम गौरव कुमार की हत्या की गुत्थी सुलझाने में जुटी पुलिस के अभी भी हाथ खाली हैं। हालांकि डीजीपी अनुराग गुप्ता का मानना है कि जल्द ही इस मामले में पुलिस अपराधी तक पहुंच जाएगी। उन्होंने कहा कि इस हत्याकांड की गुत्थी सुलझाने के लिए पुलिस के द्वारा एसआईटी का गठन किया गया है और जगह–जगह छापेमारी की जा रही है। डीजीपी ने कहा कि यह हत्या क्यों हुई है, यह अभी तक साफ नहीं हुआ है। पुलिस इस मामले की जांच में जुटी है। उन्होंने कहा कि रांची में हुई फायरिंग की घटना का उद्भेदन जल्द ही पुलिस के द्वारा कर लिया जाएगा। इस मामले में सभी अपराधियों को चिन्हित किया जा चुका है। जल्द ही दो से तीन दिनों के अंदर सभी अपराधियों को गिरफ्तार किया जाएगा।

21 सौ करोड़ से अधिक के शराब घोटाले को लेकर की गई है कार्रवाई

पूर्व सीएम भूपेश बघेल के ठिकानों पर ईडी की रेड

PHOTON NEWS RAIPUR : सोमवार को काट शराब घोटाला मामले में छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और उनके बेटे चैतन्य बघेल के ठिकानों पर एनफोर्समेंट डायरेक्टरेट यानी प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीम ने छापेमारी की। पूर्व मुख्यमंत्री बघेल ने जहां इस कार्रवाई को षड्यंत्र बताया है, तो वहीं भाजपा ने इस जांच को कार्रवाई का हिस्सा बताया है। उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने कहा कि पूरा देश जानता है कि भूपेश बघेल के कार्यकाल में कई बड़े–बड़े घोटाले हुए। छापेमारी के तुरंत बाद, भिलाई में बघेल के घर के बाहर कांग्रेस के कई नेता और कार्यकर्ता एकत्र हो गए और दावा किया कि यह केंद्र की साजिश है।

कांग्रेस नेता ने इस एक्शन को बताया षड्यंत्र, आवास के बाहर एकत्रित हुए कांग्रेसी

उप मुख्यमंत्री बोले- हुए हैं बड़े-बड़े घोटाले

साय सरकार में उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए लिखा है कि पूरा देश जानता है कि भूपेश बघेल के कार्यकाल में कई बड़े–बड़े घोटाले हुए। जांच चल रही है, भूपेश बघेल के करीबी लोगों की घोटाले में प्रत्यक्ष भूमिका दिखी है। वो गिरफ्तार भी हैं उनके खिलाफ मामला भी चल रहा है।

इनके खिलाफ हुई कार्रवाई

ईडी के अनुसार 21 सौ करोड़ से अधिक के शराब घोटाले को लेकर यह कार्रवाई की गई है। इस घोटाले में बघेल के बेटे चैतन्य बघेल को लाभ पहुंचाया गया है। ईडी ने भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल के करीबी लक्ष्मी नारायण बघेल ,पप्पू बंसल तथा भिलाई के नेहरू नगर में मनोज राजपूत ,चौरोदा में अभिषेक ठाकुर और संदीप सिंह ,कमल किशोर अग्रवाल राईस मिल दुर्ग,सुनील अग्रवाल (सहेली ज्वेलर्स ,दुर्ग) और बिल्डर अजय चौहान सहित 14 जगहों पर छापा मारा है।

सुप्रीम कोर्ट का विशेष बच्चों के लिए शिक्षकों की नियुक्ति का निर्देश

RANCHI : सुप्रीम कोर्ट ने झारखंड सहित देश के सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को विशेष बच्चों के लिए शिक्षकों को नियुक्त करने का निर्देश दिया है। न्यायाधीश सुधांशु धुलिया और न्यायाधीश के विनोद चंद्रन की पीठ ने रजनीश कुमार पांडेय बनाम भारत सरकार के मामले में यह निर्देश दिया है। न्यायालय ने इस मामले की अगली सुनवाई के लिए 15 जुलाई की तिथि निर्धारित की है। आंशिक या पूर्ण रूप से नि:शक्त बच्चों को विशेष बच्चों के नाम से जाना जाता है। इन बच्चों को पढ़ाई के दौरान आम बच्चों के मुकाबले ज्यादा ध्यान देने की जरूरत होती है। इस मांग को लेकर सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की गयी थी। सुप्रीम कोर्ट ने वर्ष 2021 में सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को यह निर्देश दिया था कि वे इन विशेष बच्चों के लिए अलग से शिक्षकों का पद स्वीकृत कर शिक्षकों को नियुक्त करें। प्राइमरी स्कूल में विशेष बच्चों के लिए शिक्षक व छात्र का अनुपात 1:10 और मिडिल स्कूल में 1:15 निर्धारित है। मामले की सुनवाई के दौरान सभी राज्यों ने अदालत को विशेष बच्चों की संख्या की जानकारी दी है।

- न्यायालय ने इस मामले की अगली सुनवाई के लिए 15 जुलाई की तिथि की निर्धारित

सुपरिणाम | विगत 10 वर्षों में बचाए गए लोगों के 30 हजार करोड़ रुपये

केंद्र सरकार के जन औषधि केंद्रों ने जनता का किया बड़ा कल्याण

PHOTON NEWS @ RESEARCH DESK : अपने तीसरे कार्यकाल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सभी क्षेत्रों में जनहित के कार्यों में तेजी लाने पर गंभीरता से ध्यान देना शुरू कर दिया है। इसके परिणाम भी धीरे–धीरे दिख रहे हैं। चंद दिन पहले एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने यह घोषणा की थी कि देशभर में केंद्र सरकार और 25 हजार जन औषधि केंद्र खोलेगी, ताकि लोगों को विभिन्न रोगों के इलाज के लिए सस्ते दामों पर दवाएं उपलब्ध हो सकें। स्वास्थ्य की देखरेख के लिए उनके खर्चे में कुछ कमी आ सके। इस बीच यह महत्वपूर्ण खबर सामने आई कि पिछले 10 सालों में जन औषधि केंद्रों के माध्यम से जनता के कितने पैसे अब तक बचे हैं। सस्ती और किफायती दवाओं के लिए देश का जन औषधि मॉडल अब जमीनी स्तर पर हजारों करोड़ों रुपये की बचत के रूप में सामने आया है। बीते 10 सालों में जन औषधि दवाओं से मरीजों के 30 हजार करोड़ रुपये बचे हैं। लोगों के बीच जेनेरिक दवाओं के प्रति जागरूकता लाने के लिए केंद्र सरकार ने एक सप्ताह तक अभियान शुरू कर दिया है।

जेनेरिक दवाओं के प्रति लोगों में जागरूकता फैलाने के लिए एक सप्ताह का अभियान शुरू

जन औषधि दुकानों में 2047 दवाएं और 300 तरह के सर्जिकल उपकरण उपलब्ध

- ब्रांडेड की तुलना में खुदरा दुकानों पर 50 से 80% सस्ती मिलती हैं जेनेरिक दवाएं
- वित्तीय वर्ष 2023-24 में जन औषधि दुकानों ने 1470 करोड़ रुपये का किया कारोबार
- चालू वित्तीय वर्ष में 31 जनवरी तक 1606 करोड़ रुपये का हो चुका है व्यवसाय

8 मार्च को केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने दिल्ली में किया अभियान का आगाज

दी जा रही 20% की प्रोत्साहन राशि

रवि दधीचि के अनुसार, सरकार जन औषधि केंद्र मालिकों को मासिक खरीद का 20% प्रोत्साहन राशि दे रही है, जो तकरीबन 20 हजार रुपये तक है। उत्तर-पूर्वी राज्यों, हिमालयी क्षेत्रों, द्वीप क्षेत्रों और नीति आयोग द्वारा आकांक्षी जिलों के अलावा महिला उद्यमियों, पूर्व सैनिकों, दिव्यांगों, एससी और एसटी द्वारा खोले गए केंद्रों को फर्नीचर, कंप्यूटर, रेफ्रिजरेटर और अन्य खर्च को पूरा करने के लिए दो लाख रुपये दिए जा रहे हैं।

2014 में थे सिर्फ 80 जन औषधि केंद्र

प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि परियोजना (पीएमबीजेपी) के सीईओ रवि दधीचि की मानें तो बीते 31 जनवरी तक देश में जन औषधि केंद्रों की संख्या बढ़कर 15 हजार तक पहुंची है। इसे अगले कुछ सालों में 25 हजार तक पहुंचाने का लक्ष्य है। इन दुकानों पर 2047 दवाएं और 300 तरह के सर्जिकल उपकरण शामिल हैं। ब्रांडेड दवाओं की तुलना में खुदरा दुकानों पर 50से 80 प्रतिशत सस्ती दरों पर उनके बिक्री होती हैं। पिछले 10 वर्षों में जन औषधि केंद्रों की संख्या में 180 गुना वृद्धि हुई है। 2014 में केवल 80 केंद्र थे। वित्तीय वर्ष 2023–24 में जन औषधि ने 1,470 करोड़ रुपये का कारोबार किया। चालू वित्त वर्ष में 31 जनवरी तक 1606 करोड़ रुपये का कारोबार हुआ है। इस तरह देश में जेनेरिक दवाओं की बिक्री में करीब 200 गुना से ज्यादा की बढ़ोतरी हुई है।

सीएस की अध्यक्षता में हुई मीटिंग में फैसला

सुरक्षा की दृष्टि से अब टोयोटा लैंड क्रूजर में चलेंगे मुख्यमंत्री

PHOTON NEWS RANCHI : मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन सुरक्षा की दृष्टि से अब टोयोटा लैंड क्रूजर 300 जीआर स्पोर्ट्स में चलेंगे। मुख्य सचिव अलका तिवारी की अध्यक्षता में हुई प्रशासी पदवर्ग समिति की मीटिंग में यह फैसला लिया गया। समिति में विकास आयुक्त, कार्मिक सचिव, वित्त सचिव और योजना विकास विभाग के सचिव सदस्य हैं। वित्त विभाग द्वारा जारी आदेश में कहा गया है कि पूर्व में उपलब्ध वाहन जो रद्द करने के योग्य हैं, उन्हें रद्द करके नीलामी की जाए। साथ ही नीलामी की राशि को कोषागार में जमा किया जाए। इससे पहले हुई प्रशासी पदवर्ग समिति की बैठक में झारखंड भवन नई दिल्ली में सीएम के कारकेड में टोयोटा इनोवा हाईक्रोस टॉप मॉडल खरीदने की स्वीकृति दी गई थी।

- पूर्व में उपलब्ध वाहन जो रद्द करने के योग्य हैं उनकी होगी नीलामी

BRIEF NEWS

लातेहार में पीएलएफआई उग्रवादी गिरफ्तार

LATEHAR : जिले के मनिका थाना क्षेत्र में पुलिस ने पीएलएफआई के उग्रवादी विनोद परहिया उर्फ अर्जुन को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार उग्रवादी पलामू जिले के पांकी थाना क्षेत्र का रहने वाला है। इसके खिलाफ विभिन्न थाना क्षेत्र में आठ से अधिक मामले दर्ज हैं। सोमवार को प्रेस वार्ता करते हुए एसपी कुमार गौरव ने बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि उग्रवादी विनोद उर्फ अर्जुन मनिका थाना क्षेत्र में किसी घटना को अंजाम देने के लिए भ्रमणशील है। सूचना के बाद पुलिस की एक टीम गठित की गई और नक्सली की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की गई। उन्होंने बताया कि पुलिस को देखकर नक्सली भागने लगा, परंतु पुलिस ने उसे पकड़ लिया। एसपी ने बताया कि गिरफ्तार नक्सली क्षेत्र में दहशत बनाकर रखा हुआ था। लोगों को फोन कर लेवी की मांग करना इसका मुख्य धंधा था। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार उग्रवादी को लातेहार पुलिस ने पूर्व में भी एक बार गिरफ्तार कर जेल भेजा था। लेकिन जेल से बाहर आने के बाद यह फिर से संगठन में शामिल होकर हिंसक घटनाओं को अंजाम देने लगा था। उन्होंने बताया कि इसकी गिरफ्तारी से पीएलएफआई संगठन को बड़ा नुकसान हुआ है।

नुक्कड़ नाटक में बताए अफीम के दुष्प्रभाव

KHUNTI : जिला प्रशासन की ओर से सोमवार को खूंटी प्रखंड के सिम्बुकेल सहित अन्य क्षेत्रों में नुक्कड़ नाटक के माध्यम से अवैध अफीम की खेती के दुष्प्रभावों से आमजनों और किसानों को अवगत कराया गया। इस कार्यक्रम के तहत किसानों को अवैध खेती को छोड़कर वैकल्पिक और लाभकारी फसलों की ओर प्रेरित करने का प्रयास किया गया। नुक्कड़ नाटक के माध्यम से बताया गया कि अवैध अफीम की खेती न केवल कानूनी अपराध है, बल्कि यह समाज और स्वास्थ्य के लिए भी घातक है। किसानों को समझाया गया कि वे अफीम की खेती को छोड़कर ड्रैगन फ्रूट, टमाटर, बैगन, मूंग इत्यादि जैसी लाभकारी फसलों की खेती करें, जिससे उनकी आजीविका भी सुरक्षित रहे और समाज में सकारात्मक बदलाव आए। इस दौरान किसानों को जागरूक करने के लिए पम्पलेट का भी वितरण किया गया।

याद की गईं सावित्रीबाई फुले

JAMSHEDPUR : कदमा के शास्त्री नगर ब्लॉक-4 में सावित्रीबाई फुले सेवा दल,जमशेदपुर ने सोमवार को महिला सशक्तीकरण और शिक्षा के क्षेत्र में अद्वितीय योगदान देने वाली भारत की प्रथम महिला शिक्षिका, समाज सुधारिका एवं प्रखर विचारक सावित्रीबाई फुले की पुण्यतिथि मनाई गई। कार्यक्रम में विनीता भगत, अंजलि कुमारी, प्रिया कुमारी, खुशी कुमारी, विकास मुखी, राजेश भगत, रुपेश कुमार ठाकुर, धीरज मुखी, अवधेश कुमार, विनय रजक, अजीत कुमार भगत, रोहन अभिषेक कुमार आदि उपस्थित थे। धन्यवाद ज्ञापन महेश भगत ने किया।

बच्चों को दिया गया इम्युनिटी बूस्टर का डोज

RAMGARH : रामगढ़ शहर के बाजार समिति स्थित रामप्रसाद चंद्रभान सरस्वती शिशु विद्या मंदिर में सोमवार को भैया बहनों को आयुर्वेदिक इम्युनिटी बूस्टर सुवर्ण प्राशन का डोज पिलाया गया। जिसमें लगभग 95 बच्चों ने भाग लिया। मौके पर विद्यालय प्रबंधन समिति के सचिव शंकर लाल अग्रवाल एवं विद्यालय के वरिष्ठ आचार्य महेश्वर महतो ने भगवान धन्वंतरि के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित एवं पुष्पार्चन कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया। सुवर्ण प्राशन एक आयुर्वेदिक औषधि है, जो बच्चों की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने, याददाश्त सुधारने और मानसिक विकास में सहायक होती है। यह दवा माह में एक बार पुष्य नक्षत्र के दिन पिलाना लाभदायक होता है। वाटिका प्रमुख अंजू कुमारी ने बताया यह दवा जन्म से बारह वर्ष तक के बच्चों के लिए है। जिन्हें वर्ष में 12 डोज दिया जाना है। उन्होंने अभिभावकों के बीच इस आयुर्वेदिक दवा से होने वाले फायदे के बारे में विस्तार से बताया।

सड़क दुर्घटना में तीन युवकों की मौत

तीनों युवक रामगढ़ थाना क्षेत्र के कणहारा गांव के निवासी, अलग-अलग हादसे के हुए शिकार

AGENCY DUMKA : जिले के दो अलग-अलग थाना क्षेत्र में हुए सड़क दुर्घटना में तीन युवकों की मौत हो गई। पहली सड़क दुर्घटना में मामा-भांजा की मौत हो गई है। वहीं दूसरी ओर मौसेरे भाई की शादी से लौट रहे बाइक सवार को ट्रक ने पीछे से टक्कर मार दी। जिसमें घटनास्थल पर ही उसकी मौत हो गई।

पहली घटना जिला के रामगढ़ थाना क्षेत्र के फुलजोरी गांव के पास घटी। जहां ऑटो रिक्शा और बाइक की टक्कर में दो युवकों की मौत हो गई। जबकि एक युवक गंभीर रूप से घायल हुआ। मृतकों की पहचान सचिन मोसाद और ढालू संतरा के रूप में हुई है। जबकि घायल अरविंद संतरा को इलाज के लिए फूलो झानो मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

तीनों युवक रामगढ़ थाना क्षेत्र के ही कणहारा गांव के रहने वाले हैं। सुरजाहु पर्व का प्रसाद खाने अपने रिश्तेदार के घर हंसडीहा जा रहे थे। दोनों मृतक ढालू संतरा और सचिन मोसाद आपस में मामा भांजा हैं। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम करा परिजनों को सौंप दिया है।

वहीं दूसरी सड़क दुर्घटना रविवार रात करीब एक बजे हुई। दुर्घटना में दीपक भंडारी की मौत हो गई है। मृतक दीपक जामा थाना क्षेत्र के लकड़ापहाड़ी गांव का निवासी था। वह अपने मौसेरे भाई के शादी में शामिल होकर दुमका आ रहा था। घर लौटने के क्रम में उसकी बाइक को पीछे से एक ट्रक ने ठोकर मार दी। इससे वह सड़क पर गिर गया। लेकिन ट्रक ने उसकी कमर के नीचे कुचल दिया। इससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। फिलहाल पुलिस ने तीनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

अस्पताल में रखे गए शव ● फोटोन न्यूज

लोहरदगा की एक बारात में तेज रफ्तार कार घुसने से दो की मौत, छह गंभीर

LOHARDAGA : लोहरदगा-रांची नेशनल हाईवे स्थित सेरेंगहातू चर्च मोड़ के पास रविवार की रात एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। तेज रफ्तार से आ रही एक कार ने शादी समारोह में जा रहे बारातियों को रौंद दिया। इससे दो लोगों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई, जबकि छह अन्य लोग घायल हो गए। हादसा होते ही वहां चीख-पुकार मच गई। बारात में नाच-गा रहे बारातियों में रोना पीटना मच गया। खुशी का माहौल अचानक मातम में तब्दील हो गया। घटनास्थल पर मौजूद प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि सेरेंगहातू तोडार गांव निवासी अर्जुन उरांव के बेटे की शादी में बाराती चर्च टोला जा रहे थे। इसी दौरान, लोहरदगा की ओर से आ रही तेज रफ्तार कार ने बाइक सवार को बचाने के प्रयास में अपना नियंत्रण खो दिया और बारातियों के बीच घुस गई। इस हादसे में राजेश उरांव (35) और लक्ष्मी उरांव (40) की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद, मौके पर पहुंचे स्थानीय ग्रामीणों ने घायलों को तत्परता से लोहरदगा सदर अस्पताल पहुंचाया। गुस्साए ग्रामीणों ने कार चालक आशीष उरांव को पकड़ लिया और उसे पुलिस के हवाले कर दिया। आशीष उरांव किस्को प्रखंड के बगडू थाना क्षेत्र अंतर्गत आरया ग्राम का रहने वाला है। घटना की सूचना मिलते ही लोहरदगा सदर अस्पताल में बड़ी संख्या में ग्रामीण जमा हो गए। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और घायलों का इलाज जारी है।

अस्पताल में इलाजरत घायल

बोकारो में महिला डॉक्टर का मिला शव, जांच में जुटी पुलिस

BOKARO : बीजीएच के डीएनबी गर्ल्स हॉस्टल में महिला डॉक्टर आर्या झा (29) का शव मिलने से सनसनी फैल गई। बोकारो जनरल अस्पताल (बीजीएम) के डीएनबी गर्ल्स हॉस्टल में डॉक्टर का फंदे से झूलता शव बरामद हुआ। घटना रविवार देर रात की है। सिटी डीएसपी आलोक रंजन ने घटना की पुष्टि की है। घटना की सूचना मिलते ही सेक्टर 4 थाना पुलिस मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है। मिली जानकारी के अनुसार मृतका ने कुछ दिन पहले ही बीजीएच में डीएनबी फर्स्ट ईयर में दाखिला लिया था। और वह गाइनेकोलॉजी में डीएनबी कर रही थी। मृतका की रूम पार्टनर ड्यूटी खत्म कर वापस लौटी तो पाया कि दरवाजा अंदर से बंद है। काफी खटखटाने के बाद दरवाजा न खुलने पर उसने हॉस्टल के अन्य डॉक्टरों को सूचना दी। दरवाजा धक्का देकर खोला गया तो महिला डॉक्टर का शव फंदे से लटका पाया। मौजूद डॉक्टर ने बताया कि महिला सुबह की कैजुअल्टी में ड्यूटी कर चुकी थी। मौत के कारणों का पुलिस पता लगा रही है।

अस्पताल के पास लगी भीड़

लंबित योजनाओं को अविलंब पूर्ण करें, 20 दिनों में दिखनी चाहिए प्रगति : उपायुक्त

जिला ग्रामीण विकास शाखा एवं 15वें वित से संचालित विभिन्न योजनाओं की हुई समीक्षा

PHOTON NEWS LATEHAR : उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता की अध्यक्षता में सोमवार को समाहरणालय सभागार में जिला ग्रामीण विकास शाखा एवं 15वें वित द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की समीक्षा बैठक हुई। इसमें अबुआ आवास, मिट्टी-मोरम रोड, पोटो हो खेल योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, बिरसा कूप संवर्धन योजना, मानव दिवस सृजन, बिरसा हरित ग्राम योजना, जॉब कार्ड वेरीफिकेशन, एरिया ऑफिसर एप, रिजेक्टेड ट्रांजैक्शन, एनआरएम एक्सपेंडिचर, सोशल ऑडिट, जिओ टैगिंग व मनरेगा की विस्तृत समीक्षा कर सभी बीडीओ को ग्रामीण विकास से जुड़े कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए गए। उपायुक्त ने प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण (2016-2022 से 2024-25) एवं बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर आवास योजना 2016-2017, 2023-2024 तक के पूर्ण-अपूर्ण कार्यों जल्द से जल्द पूर्ण करने का निर्देश दिया। सभी बीडीओ को लंबित योजनाओं में अगले 20 दिनों में प्रगति लाने का सख्त निर्देश दिया गया। उपायुक्त ने अबुआ आवास योजना अंतर्गत लंबित आवासों का निर्माण कार्य पूर्ण कराने के अलावा प्रथम एवं द्वितीय किस्त के भुगतान में गति लाने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने कहा कि योजनाओं के क्रियान्वयन में किसी प्रकार की वित्तीय अनियमितता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इसके अलावा बिरसा हरित ग्राम योजना, तालाब एवं कुआं निर्माण आदि से संबंधित प्रगति प्रतिवेदन की समीक्षा कर आवश्यक व दिशा-निर्देश दिया गया। इसके साथ ही योजनाओं के लंबित जिओ टैगिंग को शीघ्र पूरा करने का निर्देश दिया। उपायुक्त द्वारा मनरेगा योजना में वैसी सभी योजना, जो वर्षों से पेंडिंग हैं, उन्हें अविलंब पूर्ण कराने, मानव दिवस सृजन में प्रगति लाने तथा संबंधित पंचायत अंतर्गत एवं लंबित पोटो हो खेल मैदान सहित अन्य योजना को निर्धारित समय तक पूर्ण करने का सख्त निर्देश दिया। समीक्षा के क्रम में 15वें वित्त आयोग की राशि से संचालित योजनाओं की जानकारी ली गई।

बैठक को संबोधित करते उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता ● फोटोन न्यूज

होली में हुड़दंग करने वालों पर प्रशासन की रहेगी कड़ी नजर

AGENCY LOHARDAGA : होली पर्व पर हुड़दंग करने वालों पर प्रशासन की कड़ी नजर होगी। इसे लेकर उपायुक्त डॉ वाघमारे प्रसाद कृष्ण की अध्यक्षता में सोमवार को जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक की गई। इस बैठक में उपायुक्त ने कहा कि होली का त्यौहार सभी लोग सौहार्द्रपूर्ण तरीके से मनायें। अगर बच्चे व युवा किसी पर रंग फेंक देते हैं तो उन्हें एक अभिभावक की तरह समझायें। किसी प्रकार की असामान्य स्थिति उत्पन्न नहीं होने दें। होली का त्यौहार सौहार्द्रपूर्ण तरीके से मनाया जा सके इसके लिए दण्डाधिकारियों व पुलिस पदाधिकारियों की प्रतिनियुक्ति कर दी गई है। उन्होंने बताया कि बारीकी से असमाजिक तत्वों पर नजर रखी जा रही है। पुलिस अधीक्षक हारिस बिन जमां ने कहा कि होली में त्योहार की मूल भावना का ख्याल रखा जाय। किसी को भी आहत ना करें। भारत देश में होली काफी उत्साह तरीके से मनाया जाता रहा है। आप जब भी होली खेलें तो आपसी भाईचारा और गंगा-जमुनी संस्कृति की मिसाल पेश करें। उन्होंने बताया कि जिला में त्यौहार को मनाने के लिए पर्याप्त पुलिस बल की उपलब्धता है। शांति समिति के लोग होली में अभिभावक की भूमिका में रहें और युवाओं को संयमित रखने के लिए प्रयास करें। जिला में प्रशासनिक तैयारियां पूरी हैं। आवश्यक पुलिस बल है, ड्रोन व सीसीटीवी से निगरानी की जाएगी। सोशल मीडिया पर विशेष निगरानी की जाएगी। बैठक में बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे।

बैठक में उपस्थित डीसी-एसपी व अन्य पदाधिकारी ● फोटोन न्यूज

यूसिल कर्मी हारुन रशीद का शव बरामद

मृतक की फाइल फोटो

JADUGORA : यूसिल कर्मी हारुन रशीद की रहस्यमय ढंग से मौत के बाद क्षेत्र में सनसनी फैल गई है। उसका शव यूसिल के सुरक्षा गार्डों ने दरवाजा तोड़कर निकाला। शव से दुर्गंध आने की वजह से माना जा रहा है कि शव तीन चार दिन पुराना होगा। जब दरवाजा तोड़ा गया तो शव बेड पर पड़ा हुआ था। आशंका जताई जा रही है कि हार्ट अटैक या अन्य कारणों से मौत हुई होगी। फिलहाल पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही मौत पर से पर्दा उठ पाएगा। पुलिस शव बरामद कर आगे की कार्रवाई में जुट गई है।

रजरप्पा मंदिर में श्रद्धालुओं पर सिपाहियों ने चटकाई लाठियां

RAMGARH : झारखंड के प्रसिद्ध सिद्ध पीठ रजरप्पा मंदिर में सोमवार को श्रद्धालुओं पर सिपाहियों ने लाठी चटका दी। कतार में लगे श्रद्धालुओं पर डंडे बरसाती पुलिस का वीडियो भी वायरल हुआ है। रजरप्पा मंदिर प्रांगण में हुई इस वारदात को लेकर राजनीति भी गर्म हो गई है। सोशल मीडिया में वीडियो वायरल होने के बाद सांसद प्रतिनिधि धनंजय कुमार पुटूस ने इस घटना की निंदा की। इस विषय पर धनंजय कुमार पुटूस ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि रजरप्पा स्थित मां छिन्नमस्तिका मंदिर में जब भी मुंडन का लगन होता है तो श्रद्धालुओं की भीड़ बढ़ जाती है। ऐसे में सुरक्षा में लगे जवानों को संयम से काम लेना चाहिए ना कि श्रद्धालुओं पर लाठी चार्ज करना चाहिए। मां छिन्नमस्तिका मंदिर विख्यात मंदिर हैं। यहां झारखंड के अलावा दूसरे राज्यों से भी श्रद्धालु पूजा अर्चना करने आते हैं।

दोनों सिपाही लाइनक्लोज

एसपी अजय कुमार ने बताया कि एकादशी को लेकर रजरप्पा में भीड़ काफी ज्यादा हो गई थी। मुंडन का भी मुहूर्त था, जिसकी वजह से कई किलोमीटर लंबी कतार है लगी हुई थी। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पूरे दिन पुलिस के पदाधिकारी और जवान वहां मुस्तैद थे। लेकिन इसी बीच एक वीडियो आया कि श्रद्धालुओं पर दो सिपाहियों ने लाठी चलाई है। जांच के दौरान पता चला कि दोनों जैप के जवान थे और उन्हें मंदिर परिसर में ड्यूटी पर तैनात किया गया था। उनके इस अनैतिक व्यवहार को लेकर उन्हें लाइनक्लोज कर दिया गया है।

प्रतिस्पर्धी झारखंड : सतत और समावेशी विकास के लिए साझेदारी पर कॉरपोरेट हस्तियों ने रखे विचार

सीआईआई झारखंड के चेयरमैन बने टाटा मोटर्स के प्लांट हेड सुनील तिवारी

सुनील कुमार तिवारी

दिलू पारीख

PHOTON NEWS JSR : बिष्टुपुर स्थित होटल अलकोर में सोमवार को सीआईआई, झारखंड कार्उंसिल की वार्षिक बैठक हुई, जिसमें वर्ष 2025-26 के लिए टाटा मोटर्स के प्लांट हेड सुनील कुमार तिवारी को चेयरमैन और वैदेही मोटर्स प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक दिलू पारीख को सीआईआई झारखंड स्टेट कार्उंसिल का वाइस चेयरमैन चुना गया। जमशेदपुर में जन्मे और पले-बढ़े दिलू पारीख ऑटोमोबाइल व्यवसाय से जुड़े हैं। इसी क्रम में प्रतिस्पर्धी झारखंड : सतत और समावेशी विकास के लिए भागीदारी पर चर्चा हुई, जिसमें झारखंड को भारत के आर्थिक परिवर्तन में एक प्रमुख खिलाड़ी के रूप में स्थापित करने पर कॉरपोरेट हस्तियों ने अपने विचार रखे। जेके सिंह (सचिव-श्रम, रोजगार, प्रशिक्षण और कौशल विकास विभाग, झारखंड सरकार) ने एमएसएमई के लिए एक उपयोगकर्ता-अनुकूल पारिस्थितिकी तंत्र बनाने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता पर जोर दिया, जिससे उनकी वृद्धि और स्थिरता को सक्षम बनाया जा सके। उन्होंने बताया कि उद्योग कार्निवल का मुख्य फोकस 'बाजार तक पहुंच' एमएसएमई के लिए एक बड़ी चुनौती बनी हुई है, जो सीधे उनकी दीर्घकालिक व्यवहार्यता को प्रभावित करती है। उन्होंने 2015 से अनिवार्य सार्वजनिक खरीद नीति के बारे में विस्तार से बताया और बताया कि कैसे उद्योग कार्निवल खरीद के अवसरों का पता लगाने और एमएसएमई को आपूर्ति श्रृंखलाओं में एकीकृत करने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच के रूप में कार्य करता है। उन्होंने रक्षा और रेलवे जैसे क्षेत्रों की विशिष्ट आवश्यकताओं को भी संबोधित किया, गुणवत्ता और आपूर्ति सीमा पर विचार-विमर्श की आवश्यकता पर जोर दिया। इसके अतिरिक्त, उन्होंने ऊर्जा-कुशल और उन्नत तकनीकों को अपनाने में उद्योगों का समर्थन करने वाले सरकारी प्रावधानों और सब्सिडी को रेखांकित किया।

पूर्वी सिंहभूम के उपायुक्त अनन्य मित्तल ने जिले के विकास के लिए प्रमुख रणनीतियों की रूपरेखा प्रस्तुत की। उन्होंने समावेशी विकास पर जोर दिया, यह सुनिश्चित किया कि कोई भी समुदाय पीछे न छूटे और औद्योगिक व सामाजिक जरूरतों को पूरा करने के लिए बुनियादी ढांचे की चुनौतियों का समाधान किया। मित्तल ने लॉजिस्टिक्स को मजबूत करने, स्थिरता के लिए हरित समाधान अपनाने और प्रगति को आगे बढ़ाने के लिए सार्वजनिक-निजी भागीदारी का लाभ उठाने के महत्व पर प्रकाश डाला।

डीसी अनन्य मित्तल को मेमेंटो भेंट करते टिनप्लेट के एमडी उज्जल चक्रवर्ती

खनिजों का स्थानीय स्तर पर हो प्रसंस्करण : रणजोत सिंह

सीआईआई झारखंड स्टेट काउंसलि के निवर्तमान अध्यक्ष और एमडेट जमशेदपुर प्राइवेट लिमिटेड के प्रबंध निदेशक रणजोत सिंह ने झारखंड के लिए विकसित भारत के साथ तालमेल बिठाते हुए अपनी औद्योगिक प्रासंगिकता बढ़ाने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने सरकार से यह सुनिश्चित करने का आग्रह किया कि राज्य से निकाले गए खनिजों का स्थानीय स्तर पर प्रसंस्करण किया जाना चाहिए। उन्होंने दृढ़ता से अपना विश्वास भी व्यक्त किया कि झारखंड अपने समृद्ध संसाधनों और अपार विकास क्षमता को देखते हुए उद्योगों के लिए सबसे अच्छा गंतव्य है। उन्होंने सीआईआई की उल्लेखनीय उपलब्धियों पर प्रकाश डाला, जिनमें 27 प्रमुख आयोजन, 17 कार्यशालाएं और प्रशिक्षण सत्र, सुरक्षा ऑडिट, सरकारी बातचीत और खेल आयोजन शामिल हैं।

आईटी व ऑटोमोबाइल को बनाना होगा मजबूत : बेहरा

सीआईआई पूर्वी क्षेत्र के अध्यक्ष और आरएसबी ट्रांसमिशन (आई) लिमिटेड के उपाध्यक्ष और प्रबंध निदेशक सुभेंद्र बेहरा ने अपने विचार-विमर्श में झारखंड को हरित राज्य बताया और आईटी और ऑटोमोबाइल क्षेत्रों में इसकी मजबूत क्षमता पर जोर दिया। उन्होंने स्कूल और कॉलेज के पाठ्यक्रम में स्थिरता को एकीकृत करने की वकालत की और सरकार से विनिर्माण में प्रक्रिया उन्नयन के लिए योजनाएं शुरू करने का आग्रह किया। उन्होंने भू-राजनीतिक चुनौतियों को भी संबोधित किया, भारतीय वस्तुओं पर अमेरिकी पारस्परिक शुल्क के प्रभाव पर प्रकाश डाला और टिकाऊ उत्पादों के निर्यात को बढ़ाने की आवश्यकता पर बल दिया। उनका ध्यान हरित विनिर्माण और शुद्ध-शून्य लक्ष्यों को प्राप्त करने पर रहा। उन्होंने निवेश आकर्षित करने के लिए झारखंड और बंगाल के बीच मजबूत सरकार-उद्योग साझेदारी के साथ-साथ सहयोग पर भी जोर दिया।

झारखंड के लिए बनना चाहिए मास्टरप्लान : चाणक्य चौधरी

सीआईआई झारखंड स्टेट काउंसिल के पूर्व अध्यक्ष और टाटा स्टील लिमिटेड के वीपी-कॉरपोरेट सर्विसेज चाणक्य चौधरी ने इस बात पर जोर दिया कि स्थिरता घर से शुरू होती है। उन्होंने खनन प्रक्रियाओं का आकलन करने और उन्हें बेहतर बनाने के लिए ओडिशा की यात्रा से प्राप्त अंतर्दृष्टि साझा की। श्रम समावेशिता को संबोधित करते हुए, उन्होंने महिलाओं के लिए नाइट ड्यूटी की कैबिनेट से मंजूरी का स्वागत किया, सुरक्षा के लिए कॉरपोरेट जिम्मेदारी को रेखांकित किया। उन्होंने माल ढुलाई और खनिज गलियारों की आवश्यकता पर जोर दिया और एक शक्तिशाली संदेश के साथ समापन किया, उन्होंने कहा कि झारखंड के पास संसाधन हैं; अब, हितधारकों को एक मास्टर प्लान बनाना चाहिए। वहीं, सीआईआई झारखंड के निवर्तमान वाइस चेयरमैन और टाटा स्टील यूटिलिटीज एंड इंफ्रास्ट्रक्चर सर्विसेज लिमिटेड के प्रबंध निदेशक ऋतुराज सिन्हा ने नीतिगत मामलों पर महत्वपूर्ण जानकारी दी।

महिलाओं ने बनाया हर्बल गुलाल

LOHARDAGA : होली का त्योहार रंगभरी एकादशी से शुरू हो गया है। सनातनी एक-दूसरे को गुलाल-अबीर लगाते हुए नजर आ रहे हैं। स्कूल के छात्र भी रंगोत्सव के मूड में नजर आ रहे हैं। केमिकल युक्त रंगों से बचने के लिए जेसलपीएस से जुड़ी महिलाएं हर्बल गुलाल तैयार की हैं। जेसलपीएस की टीम हर्बल रंग से होली खेलने के फायदे बता रहे हैं। हर्बल गुलाल की बिक्री चौक चौराहे पर स्टॉल लगाकर की जा रही है। महिलाओं ने खुद पर्यावरण अनुकूल हर्बल गुलाल तैयार किया है। महिलाएं ही इसकी पैकेजिंग और मार्केटिंग भी कर रहीं हैं। पलाश ब्रांड के तहत ग्रामीण महिलाएं हर्बल गुलाल बना रहीं हैं।

BRIEF NEWS

झारखंड स्टेट राइफल एसोसिएशन की संपन्न हुई वार्षिक आम सभा

RANCHI : झारखंड स्टेट राइफल एसोसिएशन (जेआरएसए) राज्य में शूटिंग खेलों को बढ़ावा देने और राष्ट्र के गौरव में योगदान देने की दिशा में उल्लेखनीय प्रगति कर रहा है। 9 मार्च 2025 को जमशेदपुर के होटल एनएच हिल में वार्षिक आम सभा आयोजित की गई, जिसमें एसोसिएशन की यात्रा में एक नया अध्याय जोड़ा गया एवं शूटिंग खेलों में उज्ज्वल भविष्य का मार्ग प्रशस्त किया। इस महत्वपूर्ण बैठक के दौरान, एसोसिएशन के अध्यक्ष दिवाकर सिंह, महासचिव उत्तमचंद, कोषाध्यक्ष मधुर अग्रवाल, मुख्य संरक्षक एके सेन, संरक्षक विकास सिंह, उपाध्यक्ष बिनय कुमार, और सचिव जयेश अमीन एवं नित्यानंद सिंह ने आधिकारिक तौर पर झारखंड स्टेट राइफल एसोसिएशन की आधिकारिक वेबसाइट लॉन्च की। यह प्लेटफॉर्म खिलाड़ियों को शूटिंग कैलेंडर, इवेंट और महत्वपूर्ण घोषणाओं सहित वास्तविक समय के अपडेट से अवगत रखने के लिए बनाया गया है।

विहिप ने महू की घटना पर जताई कड़ी नाराजगी

RANCHI : विश्व हिन्दू परिषद झारखंड-बिहार के क्षेत्रीय मंत्री वीरेन्द्र विमल ने सोमवार को मध्य प्रदेश के महू की घटना पर कड़ी नाराजगी जताई है। उन्होंने कहा है कि क्रिकेट में भारत के विजय का उत्सव मना रहे राष्ट्रप्रेमियों पर मध्यप्रदेश के महू में जिस प्रकार से जिहादी मुसलमानों ने हमला किया, वह उनकी राष्ट्रद्रोही मानसिकता को ही उजागर करता है। उन्होंने कहा कि यह बार-बार दिखा है, कि भारतीयों और हिन्दुओं का हर उत्सव, हर खुशी जिहादियों का निशाना बनती है। चैम्पियंस ट्राफी में भारत की जीत महु के मुसलमानों को इतनी बुरी लगी कि मस्जिद से पत्थर चलने लगे।

एसबीयू में क्वांटम साइंस और तकनीक पर हुआ सम्मेलन

RANCHI : एसबीयू के फैकल्टी ऑफ एप्लाइड साइंसेज द्वारा आईक्यूएसी और आईआईसी के सहयोग से आज क्वांटम साइंस और तकनीक पर विवि सभागार में अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। इसमें अपने उदगार व्यक्त करते हुए परड्यू विश्वविद्यालय, अमेरिका के डॉ। आलोक आर। चतुवेर्दी ने क्वांटम डिसीजन थ्योरी पर अपनी बातें रखी। उन्होंने क्लासिकल थ्योरी की तुलना में क्वांटम थ्योरी को सर्वव्यापी बताया। इस संदर्भ में उन्होंने शेयर मार्केट का भी उदाहरण दिया। उन्होंने वृहत परिप्रेक्ष्य में क्वांटम कम्प्यूटिंग के इस्तेमाल पर भी प्रकाश डाला। कार्यक्रम में बीआईटी लालपुर सेंटर के डॉ। कुंतल मुखर्जी ने क्वांटम वर्ल्ड की खूबियों और कार्यप्रणाली पर अपना विचार रखा।

सदर हॉस्पिटल में सुविधाओं का विस्तार, 665 तक पहुंची बेडों की तादाद

VIVEK SHARMA RANCHI : राजधानी के दूसरे सबसे बड़े सरकारी हॉस्पिटल सदर में स्वास्थ्य सेवा की क्वालिटी में तो सुधार कर रहा है। अब हॉस्पिटल की क्षमता भी बढ़ाई जा रही है। इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि 200 बेड से शुरू हुए हॉस्पिटल के नए भवन में अब 665 बेड की क्षमता हो चुकी है। इससे अधिक मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं मिल सकेंगी। यह विस्तार स्थानीय लोगों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए किया गया है, ताकि ज्यादा से ज्यादा मरीजों का इलाज किया जा सके।

- पहले चरण में इस अस्पताल की 200 बेडों के साथ की गई थी शुरुआत
- अभी पीडियाट्रिक आईसीयू, एचडीयू, मैटरनिटी, एनआईसीयू जैसी सुविधाएं उपलब्ध
- कैंसर के मरीजों का भी हो रहा इलाज, कई सुपरस्पेशलिटी विभाग भी खुले
- न्यूरो सर्जरी के शुरू हो जाने से कम हो रहा है रिम्स पर लोड

थैलीसीमिया और सिकल सेल एनीमिया के मरीजों के लिए डे केयर सेंटर

ऑटो एनालाइजर मशीन से की जा रही मरीजों के ब्लड सैंपल की जांच

मरीजों को मिल रहीं हाईटेक सुविधाएं

नई सुविधाओं के तहत, अब अस्पताल में पीडियाट्रिक आईसीयू, एचडीयू (हाई डिपेंडेंसी यूनिट), मैटरनिटी (प्रसूति) वार्ड और एनआईसीयू (नियोनेटल आईसीयू) जैसी अत्याधुनिक सुविधाएं उपलब्ध हैं। इन सुविधाओं के माध्यम से बच्चों और गर्भवती महिलाओं को बेहतर देखभाल मिल रही है। इसके अलावाइअस्पताल में कैंसर के मरीजों के इलाज के लिए भी विशेष व्यवस्था की गई है। यह कदम शहर में कैंसर के इलाज की सुविधा को बढ़ाने और उपचार के लिए अधिक लोगों को राहत पहुंचाने के लिए उठाया गया है। अब तक सदर में कैंसर मरीजों को 1500 कीमोथेरेपी के सेशन दिए जा चुके है। न्यूरो सर्जरी, सर्जरी, के अलावा कई विभागों के शुरू होने से मरीजों को बड़ी राहत मिली है।

आधुनिक उपकरणों से जांच की सुविधा

सदर हॉस्पिटल में अब अत्याधुनिक चिकित्सा उपकरणों का भी प्रयोग किया जा रहा है। अस्पताल में नए ऑटो एनालाइजर मशीनें लगाई गई हैं, जिनकी मदद से मरीजों के ब्लड सैंपल्स की त्वरित और सटीक जांच की जा रही है। इससे इलाज में और भी अधिक सटीकता और तेजी आएगी, जो मरीजों के लिए बेहद लाभकारी साबित हो रही है। वहीं अगले महीने से सीटी स्कैन और एमआरआई जांच की भी सुविधा मिलने लगेगी।

डे केयर से बढ़ा मरीजों का भरोसा

अस्पताल में थैलीसीमिया और सिकल सेल एनीमिया के मरीजों के लिए डे केयर सेंटर की स्थापना की गई है, जो इन बीमारियों से प्रभावित मरीजों को नियमित उपचार और देखभाल प्रदान कर रहा है। इसके साथ ही, अस्पताल में विभिन्न सुपरस्पेशलिटी विभाग भी खुले हैं, जो विभिन्न प्रकार की गंभीर बीमारियों के इलाज में मददगार साबित हो रहे हैं। यह सुविधाएं मरीजों को बेहतर उपचार और विशेषज्ञों की सलाह उपलब्ध करा रही है। दूर-दराज से मरीज इलाज के लिए पहुंच रहे हैं।

करोड़ों रुपये खर्च कर हुआ निर्माण

सदर हॉस्पिटल के भवन के निर्माण पर 350 करोड़ रुपये से अधिक खर्च किए गए हैं, जिससे अस्पताल के इंफ्रास्ट्रक्चर में भारी सुधार हुआ है। अब अस्पताल में अधिक बेड, बेहतर इलाज की सुविधाएं और अत्याधुनिक चिकित्सा उपकरण उपलब्ध हैं। इससे मरीजों को हर प्रकार की सुविधा मिल रही है। इसके अलावा, अस्पताल में पेइंग वार्ड की भी सुविधा उपलब्ध कराई गई है, जिससे जो मरीज अपनी सुविधानुसार अधिक आरामदायक इलाज चाहते हैं, वे इसके लाभ उठा सकते हैं। इसके अलावा रूम शेयरिंग की भी सुविधा दी जा रही है।

पुलिस की मौजूदगी में अवैध संरचनाओं पर चला निगम का बुलडोजर

हटिया में रांची नगर निगम की टीम ने चलाया अतिक्रमण मुक्त अभियान

PHOTON NEWS RANCHI : सोमवार को रांची नगर निगम ने शहर की सड़कों पर अवैध अतिक्रमण और अस्थायी संरचनाओं को हटाने के लिए एक संयुक्त अभियान शुरू किया है। इस अभियान में नगर निगम की एनफोर्समेंट टीम, जिला प्रशासन और ट्रैफिक पुलिस मिलकर काम कर रही है। इसका उद्देश्य है सड़क पर अव्यवस्था को दूर करना और यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखना। इस दौरान सोमवार को निगम की टीम ने हटिया में अभियान चलाया। वहीं स्थाई संरचनाओं को गिराने का काम किया गया। बुलडोजर की मदद से कई दुकानों और घरों के बाहर अवैध रूप से निर्मित शेड को गिरा दिया गया। वहीं सभी को चेतावनी दी गई कि वे दोबारा ऐसा नहीं करेंगे। अगर वे फिर से अतिक्रमण करते है तो नियम संगत कार्रवाई की जाएगी।

अभियान में नगर निगम की एनफोर्समेंट टीम, जिला प्रशासन और ट्रैफिक पुलिस मिलकर कर रही है काम

शहर की सड़कों पर अवैध अतिक्रमण को हटाने की कार्रवाई में लगा जेसीबी ● फोटोन न्यूज

सामानों को किया गया जब्त

अभियान के दौरान निगम की टीम ने सड़क किनारे खड़े ठेलों, खोमचों, बास-बल्लियों और अन्य अस्थायी प्रतिष्ठानों को जब्त किया। इसके साथ ही उन संरचनाओं को भी ध्वस्त किया गया जो 'नो वेंडिंग जोन' के तहत आती थीं। इस कार्रवाई को शहर की साफ-सफाई और विकास के लिए एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में देखा जा रहा है।

शहर में जारी रहेगा अभियान

नगर निगम के अधिकारियों ने बताया कि यह अभियान निरंतर चलता रहेगा, ताकि अतिक्रमण की समस्या को पूरी तरह समाप्त किया जा सके। उन्होंने कहा कि शहरवासियों को सुरक्षित, साफ और व्यवस्थित सड़कें मुहैया कराना निगम का प्राथमिक उद्देश्य है। इसके अलावा, माइकिंग के जरिए लोगों को सूचित किया जा रहा है कि वे अपनी अवैध संरचनाएं खुद हटा लें। अगर कोई नागरिक ऐसा नहीं करता, तो निगम उसे हटाने के लिए कार्रवाई करेगा और सामान जब्त कर ले जाएगा। वहीं संरचना गिराने का खर्च भी भवन मालिक से वसूला जाएगा।

जेल में बंद पूर्व डीसी छवि रंजन की तबीयत बिगड़ी, रिम्स में एडमिट

RANCHI : रांची के होटवार जेल में बंद रांची के पूर्व डीसी छवि रंजन की तबीयत सोमवार को अचानक बिगड़ गई। जेल में उन्हें सीने में दर्द की शिकायत के बाद जेल के डॉक्टरों ने उनकी त्वरित जांच की और स्थिति को गंभीर देखते हुए रिम्स रेफर कर दिया। छवि को रिम्स में एडमिट कर उनका इलाज शुरू कर दिया गया है। कार्डियोलॉजी के डॉ हेमंत नारायण के यूनिट में उनका इलाज चल रहा है। वहीं ब्लड सैंपल भी टेस्ट के लिए भेज दिया गया है। बता दें दि छवि रंजन मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़े जमीन घोटाले के मामलों में कई महीने से जेल में बंद हैं। उन्हें ईडी ने गिरफ्तार किया था। छवि रंजन के खिलाफ दो प्रमुख मामले चल रहे हैं। जिसमें पहला मामला रांची के बरियातू थाना क्षेत्र स्थित चेशायर होम रोड की एक एकड़ जमीन से जुड़ा है। हालांकि झारखंड हाई कोर्ट ने उन्हें जमानत दी थी। इस मामले में ईडी ने छवि रंजन के साथ प्रेम प्रकाश, अमित अग्रवाल और अन्य 10 लोगों को आरोपी बनाया था। इस साल पांच अप्रैल को ईडी ने आरोपियों के ठिकानों पर एक साथ छापेमारी भी की थी।

विधानसभा बजट सत्र

सदन में सरयू राय और मंत्री के बीच हुई तीखी नोक-झोंक

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड विधानसभा के बजट सत्र के दसवें दिन सोमवार को जदयू विधायक सरयू राय ने जमशेदपुर को औद्योगिक नगरी बनाने की अधिसूचना को नियम विरुद्ध बताते हुए इसे रद्द करने की मांग उठाई।

उन्होंने सरकार की प्रक्रिया पर सवाल खड़े किए। इस पर नगर विकास मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू ने संवैधानिक प्रक्रिया का हवाला देते हुए जवाब दिया। सरयू राय ने नगरपालिका अधिनियम का उल्लेख करते हुए कहा कि उपायुक्त ही इस कमिटी की अध्यक्षता करेंगे, जबकि मंत्री ने जवाब दिया कि अधिनियम के अनुसार प्रभारी मंत्री या उपायुक्त, दोनों में से कोई भी कमिटी में रह सकता है। दोनों नेताओं के बीच बहस बढ़ती गई, जिसमें संविधान, राज्य सरकार की नीतियों और नगरपालिका अधिनियम के प्रावधानों का उल्लेख किया गया। स्पीकर रवींद्र नाथ महतो ने सरयू राय से आग्रह किया कि वह मंत्री के साथ चैम्बर में बैठकर समाधान निकालें, लेकिन सरयू राय ने इसे ठुकराते हुए कहा कि अगर ऐसा करना है तो फिर सदन की क्या जरूरत? इस पर स्पीकर ने नाराजगी जताते हुए कहा कि सदन, सरकार और मंत्रिमंडल पर आप ही आरोप लगाते हैं।

राज्य के 7642 स्कूलों में केवल एक ही शिक्षक : डॉ. नीरा यादव

RANCHI : स्कूली और शिक्षा विभाग की अनुदान मांग पर वाद-विवाद में भाग लेते हुए सोमवार को विपक्ष की विधायक डॉ नीरा यादव ने कहा कि राज्य में स्कूल खस्ताहाल स्थिति में हैं। केंद्र सरकार के आंकड़ों के अनुसार यहां 7642 स्कूलों में केवल एक शिक्षक कार्यरत है। ऐसे स्कूलों राज्य के नौनिहालों का क्या भविष्य होगा। यह सर्वविदित है। उन्होंने सदन को बताया कि इन स्कूलों में राज्य के तीन लाख 78 हजार बच्चे पढ़ते हैं। विधायक ने कहा कि यूडाइस ट्रस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक राज्य के 327 स्कूलों में एक भी बच्चे नामांकित नहीं हैं, जबकि इन स्कूलों में 1753 शिक्षकों को सरकार बैठाकर वेतन दे रही है।

जिन स्कूलों में बच्चे नहीं थे, उन्हीं का विलय : नीरा यादव ने कहा कि सरकार आरोप लगाती है कि हमारे शासन में कई स्कूल बंद करा दिए गए, जबकि हमलोगों ने उन्हीं स्कूलों को बंद किया, जिनमें बच्चे नहीं थे। इन स्कूलों का विलय हमलोगों ने पास के स्कूलों में कर दिया। उन्होंने कहा कि वर्ष 2015 से लेकर 19-20 तक जितने शिक्षकों की नियुक्ति प्रक्रिया शुरू की गई उनमें से एक शिक्षक की नियुक्ति भी मौजूदा सरकार ने नहीं किया। जिन शिक्षकों की नियुक्ति कर सरकार अपना पीठ थपथपा रही है उनकी नियुक्ति प्रक्रिया पेंडिंग में थी। उन्होंने स्कूलों में बालिकाओं के बढ़ते ड्रॉप आउट पर चिंता जताया।

बच्चे बोरा लेकर जाते थे स्कूल : विधायक ने कहा कि यहां के बच्चे स्कूल में बोरा लेकर स्कूल जाते थे, जिससे निजात हमलोगों की सरकार ने दिलाई। इसके अलावा बच्चे घर थाली बजाते हुए स्कूल पढ़ने जाते थे। ये सभी व्यवस्था में सुधार पूर्व की हमारी सरकार में हुआ। बच्चों को बेंच-डेस्क, शैचालय और पेयजल की व्यावस्था हमलोगों ने कराया।

श्री श्याम मंडल के फाल्गुन सतरंगी महोत्सव में भजनों पर झूमे भक्त

PHOTON NEWS RANCHI : सोमवार को रांची के अग्रसेन पथ स्थित श्री श्याम मंदिर में तीन दिवसीय फाल्गुन सतरंगी महोत्सव के दूसरे दिन कई कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम की शुरूआत मंडल के अध्यक्ष द्वारा भक्तों का स्वागत करते हुए हुई। पूरे मंदिर को आकर्षक लाइट और रंग-बिरंगे फूलों से सजाया गया था। इससे पहले फाल्गुन शुक्ल की एकादशी के खास अवसर पर श्री श्याम प्रभु का विराट और अनुपम श्रृंगार किया गया। मंदिर में विराजमान बजरंगबली और शिव परिवार का भी विशेष श्रृंगार किया गया। इस दौरान 21वें बसंत उत्सव भजन पुस्तिका का विमोचन वन बंधु परिषद के अध्यक्ष रमेश धरणीधरका द्वारा किया गया। प्रभु के जयकारों के बीच पावन ज्योत प्रज्वलित कर उनका प्रिय भोग खीर चूरमा और छप्पन भोग अर्पित किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत

गणेश वंदना और संगीतमय संकीर्तन से हुई। इसमें भक्तगण विभिन भजनों से श्री श्याम प्रभु को भावविभोर कर रहे थे। चल श्याम धणी के द्वार रंगीला फागुन आया है, लखदातार रंगीला फागुन आया है, तू मौज करेगा, जो मिलते मुश्किल से, जब जब मुझको श्याम तेरी दरकार पड़ी जैसे भजनों के साथ-साथ भक्तों ने केसरिया होली खेली। इस दौरान प्रसाद वितरण भी किया गया। महाआरती और प्रसाद वितरण के बाद कार्यक्रम का समापन हो गया।

भाजपा प्रवक्ता ने झारखंड सरकार के वित्तीय प्रबंधन पर उठाए सवाल

पर्याप्त राशि होने के बावजूद नहीं किया जा रहा सही इस्तेमाल : राफिया नाज

रांची : सोमवार को भाजपा प्रदेश प्रवक्ता राफिया नाज ने झारखंड सरकार के वित्तीय प्रबंधन पर गंभीर सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि राज्य सरकार के पास पर्याप्त राशि होने के बावजूद वह इसका सही तरीके से उपयोग नहीं कर पा रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की सरकार ने पिछले 11 महीनों में अपने योजना बजट का केवल 63% हिस्सा खर्च किया है, जबकि 37% राशि अभी भी पड़ी हुई है। यह दशार्ता है कि हेमंत सरकार विकास विरोधी है।

तकनीकी क्षेत्र के प्रति सरकार की उदासीनता : राफिया ने कहा कि यह वित्तीय अराजकता और नाकाम प्रबंधन का स्पष्ट संकेत है। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार शहरी विकास पर सिर्फ 23%, खाद्य आपूर्ति पर 29%, परिवहन पर 6%, पेयजल और स्वच्छता पर 10% और आईटी विभाग पर मात्र 5% राशि खर्च कर पाई है। आईटी विभाग पर केवल 5% खर्च राज्य की सरकार की नाकामी को उजागर करता है, क्योंकि यह तकनीकी क्षेत्र के प्रति सरकार की उदासीनता को दशार्ता है।

उन्होंने बताया कि सरकार के इस नाकाम प्रबंधन से जनकल्याणकारी योजनाएं प्रभावित हो रही हैं। स्वच्छता, परिवहन सेवाएं, राशन वितरण और पानी की उपलब्धता जैसे मूलभूत सुविधाओं पर सीधा असर पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य के महत्वपूर्ण विभागों में खर्च की कमी से जनता को रोजाना की समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है।

सरकार के झूठे वादों से थकी जनता

राफिया ने आगे कहा कि जनता अब हेमंत सरकार के झूठे वादों से थक चुकी है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की सरकार ने कई योजनाओं का ऐलान तो किया, लेकिन धरातल पर इन योजनाओं का कोई असर नहीं पड़ा। यह केवल कागजी दस्तावेज तक सीमित हैं, और वास्तविक लाभ जनता तक नहीं पहुंच पा रहा है। सरकार केवल बयानबाजी करके अपनी नाकामियों को छिपाने की कोशिश कर रही है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने इस दिशा में त्वरित और ठोस कदम नहीं उठाए तो झारखंड की विकास दर और जनकल्याण कार्यों में और रुकावट आएगी। उन्होंने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से अपील की कि वे जनता के मुद्दों पर ध्यान दें और सरकारी धन का सही तरीके से उपयोग सुनिश्चित करें।

सहूलियत जीवन सुरक्षा का मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का सकारात्मक प्रयास हो रहा सफल

मरीजों के लिए वरदान साबित हो रही एयर एंबुलेंस सेवा

PHOTON NEWS RANCHI : मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का लोगों का जीवन सुरक्षा का सकारात्मक प्रयास सफल हो रहा है। आपात स्थिति में गंभीर बीमारियों से जूझ रहे असहाय मरीजों को बेहतरीन चिकित्सीय सेवा उपलब्ध कराने में एयर एंबुलेंस सेवा वरदान साबित हो रही है। मुख्यमंत्री के इस प्रयास से अब तक 94 मरीजों को झारखंड से ससमय एयरलिफ्ट कराकर दूसरे राज्यों के प्रमुख अस्पतालों में शिफ्ट कराया गया। सिर्फ रांची से 78, जबकि अन्य जिलों से 11 मरीज ऐसे हैं, जिन्होंने एयर एंबुलेंस सेवा का लाभ लिया है।

- अलग-अलग जगहों के लिए तय कर दिया गया है रेट
- अब तक राज्य में 94 लोगों को मिला इस स्वास्थ्य सेवा का लाभ

निर्धारित रूट और दर

रांची-दिल्ली	3.3 लाख
रांची-मुंबई	4.4 लाख
रांची-चेन्नइ	3.85 लाख
रांची-कोलकाता	1.10 लाख
रांची-हैदराबाद	3.02 लाख
रांची-वाराणसी	1.37 लाख
रांची-लखनऊ	2.20 लाख
रांची-तिरुपति	3.85 लाख

आम और खास को मिला लाभ

एयर एंबुलेंस के जरिए त्वरित और सहजभाव से मरीजों को दूसरे राज्यों में इलाज का लाभ मिल रहा है। तभी तो बीते समय में आम लोगों के साथ-साथ गणमान्य लोगों को भी एयर एंबुलेंस की सेवा प्रदान की गई है। इसके अतिरिक्त विधानसभा चुनाव कार्य के दौरान गंभीर रूप से घायल झारखण्ड पुलिस बल के कई जवानों को भी ससमय उच्चतर चिकित्सीय सेवा के लिए एयर एंबुलेंस से एयरलिफ्ट कराकर उच्चस्तरीय मेडिकल सेंटर में शिफ्ट कराया जा चुका है।

एयरलिफ्ट के लिए मोबाइल से करें बुक

राज्य के आम और खास हर वर्ग के मरीजों के परिजन नगर विमान विभाग द्वारा संचालित +9182105940 73 मोबाइल नंबर पर फोन कर एयर एंबुलेंस की सेवा संबंधी जानकारियां 24 घंटे किसी भी समय ले सकते हैं। जानकारी के अनुसार, झारखंड के बाहर अन्य गंतव्य स्थानों पर मरीजों को ले जाने पर संबंधित व्यक्ति को आवश्यकता पड़ने पर 55,000 प्रति उड़ान घंटे के दर पर एयर एंबुलेंस की सुविधा दी जाती है।

फिक्स्ड विंग एयरक्राफ्ट सी-90 की सुविधा

तत्काल नागर विमान प्रभाग द्वारा एयर एंबुलेंस सेवा के लिए फिक्स्ड विंग एयरक्राफ्ट सी-90 की सुविधा उपलब्ध है। जिसके माध्यम से एक मरीज तथा दो परिजनों को एक साथ एयर एम्बुलेंस से अन्य राज्य में चिकित्सा हेतु ले जाया जा सकता है।

मानहानि मामले में राहुल गांधी ने झारखंड हाईकोर्ट से वापस ली याचिका

PHOTON NEWS RANCHI : कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी ने सोमवार को झारखंड हाईकोर्ट से अपनी याचिका वापस ले ली है। मानहानि मामले में चाईबासा स्थित एमपी-एमएलए की विशेष अदालत की ओर से राहुल गांधी को सशरीर उपस्थित से छूट नहीं देने के खिलाफ दायर याचिका की सुनवाई हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस अनिल कुमार चौधरी की अदालत में हुई। मामले में अदालत ने राहुल गांधी के आग्रह को देखते हुए याचिका वापस लेने की अनुमति प्रदान की। साथ ही कोर्ट ने राहुल गांधी को अंतरिम राहत के तहत चाईबासा की निचली अदालत में उनके खिलाफ चल रही कार्यवाही पर लगी रोक को समाप्त कर दी। यह मामला वर्ष 2018 का है। भाजपा को लेकर राहुल गांधी की ओर से आपत्तिजनक टिप्पणी की गई थी, राहुल गांधी ने वर्ष 2018 में कांग्रेस के एक अधिवेशन में कहा था कि भाजपा में कोई भी हत्यारा अध्यक्ष बन सकता है, लेकिन कांग्रेस में ऐसा नहीं है। इसे लेकर भाजपा के नेता प्रताप कटियार ने चाईबासा कोर्ट में मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी की अदालत में शिकायतवाद दायर किया था। बाद में मामले को चाईबासा में एमपी-एमएलए कोर्ट में ट्रांसफर कर दिया गया था।

पहाड़ी मंदिर में किया गया होली समारोह का आयोजन

RANCHI : सोमवार को श्री शिव बारात आयोजन महासमिति पहाड़ी मंदिर की ओर से भव्य होली मिलन समारोह का आयोजन पहाड़ी मंदिर परिसर में किया गया। इसमें सैकड़ो शिव भक्त ढ़ोल नगाड़े के धुन पर झूमते रहे। इस दौरान महाकाल बाबा का भव्य श्रृंगार किया गया और आरती के बाद सभी लोग महाकाल बाबा पर रंग अबीर अर्पण कर एक दूसरे को खूब रंग गुलाल लगाए। पूरा पहाड़ी मंदिर परिसर होली के रंगों में रंगा दिखा। कार्यक्रम में मुख्य रूप से महासमिति के अध्यक्ष राजेश साहू, प्रवक्ता बादल सिंह, राम सिंह, स्वपना चटर्जी, शुभाशीष चटर्जी, मिट्ठू घटक, मीरा गुप्ता, गीता पपनेजा, रश्मि अरोड़ा, प्रिया सिन्हा, किरण घोष सहित अन्य मौजूद थे।

समाचार सार

हो भाषा व साहित्य प्रतियोगिता के विजेता पुरस्कृत

CHAIBASA : चाईबासा सदर प्रखंड के कमारहातु नवयुवक समिति व टाइटेनिक क्लब गुटुसाई द्वारा आयोजित हो भाषा व साहित्य प्रतियोगिता

के विजेताओं को मतकमहातु पंचायत की मुखिया जुलियाना देवगम, नीमडीह पंचायत की मुखिया सुमित्रा देवगम व कमारहातु के मुंडा बिरसा देवगम ने पुरस्कृत किया। प्रतियोगिता में मेघराज सिंकू प्रथम, गांधी लागुरी द्वितीय और पाइकिराय सिजुई ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। वहीं गुलशन गागराई, कस्तूरी सावैयां, सरस्वती सावैयां, मलिन सिंकू, विशू पूर्ति, रघुनाथ जोंको और लखन पिंगुवा को सांत्वना पुरस्कार दिया गया।

कोल्हान अधीक्षक नियुक्त करने की मांग

MANOHARPUR : मनोहरपुर के विधायक जगत माझी ने सोमवार को

विधानसभा में कोल्हान अधीक्षक नियुक्त करने की मांग रखी। उन्होंने कहा कि कोल्हान अधीक्षक का पद प्रभार में चलने के कारण आम नागरिकों को परेशानी हो रही है। विधायक के प्रश्नोत्तर में सरकार ने कहा कि उपायुक्त, पश्चिमी सिंहभूम, चाईबासा को कोल्हान अधीक्षक के पद पर पदस्थापन की जाती रही है। वर्तमान में अनुमंडल पदाधिकारी, सदर चाईबासा को इस पद का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है।

गोलमुरी में निकली श्याम निशान यात्रा

JAMSHEDPUR : फागुन शुक्ल पक्ष की एकादशी पर सोमवार को

गोलमुरी में भव्य श्री श्याम (ध्वज) निशान यात्रा गोलमुरी मेन रोड, बजरंग चौक से निकल कर बाजार घूम कर श्री शिव मंदिर गोलमुरी में खाटू श्याम को निशान अर्पित कर समापन हुआ। निशान यात्रा में 251 निशान के साथ श्री श्याम दरबार, डीजे, पुष्प वर्षा, बैंड-बाजा, भजनों के साथ, झूमते हुए बाबा को रिझा रहे थे।

प. सिंहभूम में स्वास्थ्य सेवाओं के लिए हुआ समझौता

CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम के जिला समाहरणालय में सोमवार को

उपायुक्त कुलदीप चौधरी के निर्देशन और पुलिस अधीक्षक आशुतोष शेखर की उपस्थिति में, जिला स्वास्थ्य समिति और फिया फाउंडेशन द्वारा संचालित इंडिया हेल्थ एंड क्लाइमेट रेजिलिएंस फेलोशिप कार्यक्रम के बीच एक गैर-वित्तीय समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर हुआ। इसका उद्देश्य जिले की स्थानीय स्वास्थ्य प्रणालियों को मजबूत करना, सामुदायिक लचीलापन बढ़ाना और स्थायी सार्वजनिक स्वास्थ्य नवाचारों को बढ़ावा देना है। समझौते पर जिला स्वास्थ्य समिति की ओर से सिविल सर्जन डॉ. सुशांतो माझी और फाउंडेशन के कार्यकारी निदेशक जॉनसन टोपनो ने हस्ताक्षर किए।

ग्राम प्रधान के निधन पर जताया शोक

GHATSILA : रघुनाथपुर गांव के ग्राम प्रधान गौरकृष्ण पाल की मौत पर

पारंपरिक खशासन व्यवस्था माझी परगना महाल के घाट?शिला प्रखंड अध्यक्ष सह देश विचार सचिव बाहादुर सोरेन तथा महासचिव सुधीर कुमार सोरेन ने ग्राम प्रधान के परिवार से मिल कर शोक व्यक्त किया।

योजना व कानून की दी गई जानकारी

GHATSILA : स्वाधीना संस्था ने सोमवार को सुंदरनगर स्थित समेकित

जन विकास केंद्र में दो दिवसीय राज्यस्तरीय कार्यशाला संपन्न हुई। इसमें सरकारी योजनाओं और कानूनी प्रावधानों की जानकारी देकर महिला सशक्तीकरण पर चर्चा की गई। रांची से आए वन अधिकार अधिनियम के कार्यक्रम तकनीकी सलाहकार तुषार कुंभकार ने वन अधिकार पट्टा प्राप्त करने की पूरी प्रक्रिया को विस्तार से बताया। कार्यशाला में पटमदा प्रखंड के 18 और मुसाबनी प्रखंड के 20 ग्रामीणों ने भाग लिया।

जमशेदपुर पर आधारित पुस्तक लोकार्पित

JAMSHEDPUR : साकची स्थित राजेंद्र विद्यालय में सोमवार को जमशेदपुर आधारित पुस्तक सृजन के आयाम का लोकार्पण किया गया।

इस मौके पर मुख्य अतिथि पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास, पुस्तक के लेखक जयराम सिंह, बिहार एसोसिएशन के महासचिव सीपीएन सिंह व संयुक्त सचिव अमरेश सिन्हा भी मंचस्थ थे। कार्यक्रम का संचालन रामप्रवेश सिंह ने किया।

पुलिस ने गोरा गैंग के तीन बदमाशों को भेजा जेल, बना रहे थे हत्या की योजना

गुप्त सूचना पर शास्त्रीनगर में छापेमारी कर दबोचे गए अपराधी, कुछ हो गए फरार

PHOTON NEWS JSR : कदमा थाना की पुलिस ने गोरा गैंग के तीन बदमाशों को गिरफ्तार किया है। इन तीनों बदमाशों को सोमवार को जेल भेज दिया गया है। पुलिस ने इनके पास से एक ऑटो पिस्टल, तीन कारतूस, एक देसी कट्टा और एक गोली भी बरामद की है।

एसएसपी किशोर कौशल ने सोमवार को अपने कार्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान बताया कि रविवार की रात लगभग 1.30 बजे पुलिस को सूचना मिली थी कि कदमा थाना क्षेत्र के शास्त्रीनगर ब्लॉक नंबर-2 में गोरा गैंग के सदस्य एकत्र होकर हत्या करने की योजना बना रहे हैं। इसके बाद पुलिस ने छापेमारी की और तीन बदमाशों को गिरफ्तार किया। हालांकि, कुछ बदमाश मौके से भागने में सफल रहे।

पत्रकारों को मामले की जानकारी देते एसएसपी किशोर कौशल ● फोटोन न्यूज

गिरफ्तार किए गए बदमाशों में शास्त्रीनगर ब्लॉक-2 निवासी इरफान व अफसर खान और बिष्टुपुर थाना क्षेत्र के धतकीडीह स्थित एशियन इन होटल के पास रहने वाला सैफ शामिल है। पूछताछ के दौरान बदमाशों ने अपना जुर्म स्वीकार किया और बताया कि वे हत्या की योजना बना रहे थे, लेकिन पुलिस के छापे के बाद वे अपने मंसूबे को पूरा नहीं कर सके।

पुलिस ने इन बदमाशों से उन फरार अपराधियों के बारे में भी पूछताछ की, जो छापेमारी के समय मौके से भाग गए थे। अब पुलिस उन फरार अपराधियों की तलाश में छापेमारी कर रही है।

परसुडीह में मिठाई कारोबारी के घर चोरी पुलिस ने डॉग स्क्वॉयड लेकर शुरू की जांच

JAMSHEDPUR : परसुडीह थाना क्षेत्र के शीतला चौक स्थित गौरी भवन के पास रहने वाले मिठाई कारोबारी गोपाल घोष के घर चोरी हुई है। यह घटना तब हुई, जब गोपाल घोष का घर बंद था और वह दूसरे घर में सो रहे थे। उनका बेटा इन दिनों नेपाल घूमने गया है। घर बंद होने का फायदा उठाकर चोरों ने लाखों रुपये के गहनों की चोरी कर ली। घटना की जानकारी तब मिली, जब गोपाल घोष सुबह अपने घर पहुंचे और देखा कि घर का ताला टूटा हुआ था। उन्होंने जब दरवाजा खोला तो अंदर का दृश्य देखकर उनके होश उड़ गए। सारा सामान बिखरा हुआ था, अलमारी टूटकर खाली पड़ी थी। यह देखकर वह समझ गए कि घर में चोरी हो चुकी है।

पुलिस को सूचना देने के बाद, परसुडीह थाना की पुलिस डॉग स्क्वॉयड और फिंगर एक्सपर्ट की टीम के साथ घटनास्थल पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। पुलिस ने घर में विभिन्न जगहों से अंगुली के निशान एकत्रित किए और संदिग्ध वस्तुओं को अपने कब्जे में लिया है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही इस मामले में कोई अहम जानकारी मिल सकती है।

गोपाल घोष ने बताया कि उनका बेटा जब नेपाल से लौटेगा, तभी यह स्पष्ट हो सकेगा कि चोरों ने कितने गहने और अन्य सामान चुराए हैं। उन्होंने बेटे को चोरी की सूचना दे दी है।

अटल जी के अटल इरादों के कारण झारखंड को मिला अलग राज्य का दर्जा : यदुनाथ पांडेय

PHOTON NEWS JSR : भारत रत्न एवं पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की जन्मशताब्दी के अवसर पर सोमवार को भाजपा, जमशेदपुर महानगर ने अटल विरासत सम्मेलन का आयोजन किया। बिष्टुपुर स्थित तुलसी भवन में हुए सम्मेलन को संबोधित करते हुए मुख्य वक्ता भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष व पूर्व सांसद डॉ. यदुनाथ पांडेय ने कहा कि 1914 से अलग झारखंड राज्य की मांग को लेकर आंदोलन जारी था, लेकिन जब भी यह आंदोलन अपने चरम पर पहुंचता, तब कुछ नेताओं द्वारा इसे बेच दिया जाता था। इतिहास में कई ऐसे नाम दर्ज हैं, जिन्होंने आंदोलन को सौदेबाजी का जरिया बना लिया था। उन्होंने कहा कि झारखंड अलग राज्य निर्माण का श्रेय अटल बिहारी वाजपेयी को जाता है,

बिष्टुपुर स्थित तुलसी भवन में भाजपा कार्यकर्ताओं को संबोधित करते यदुनाथ पांडेय

जिन्होंने न केवल इस आंदोलन की पवित्रता को बनाए रखा, बल्कि अपने वादे के अनुरूप वर्ष 2000 में झारखंड को अलग राज्य का दर्जा भी दिया। जिलाध्यक्ष सुधांशु ओझा की अध्यक्षता में हुए सम्मेलन में प्रदेश मंत्री नंदजी प्रसाद, प्रदेश प्रवक्ता अमरप्रीत सिंह काले, अजजा मोर्चा के राष्ट्रीय कार्यसमिति सदस्य रमेश हांसदा, कार्यक्रम संयोजक संजीव सिन्हा, जिला महामंत्री अनिल मोदी व संजीव सिंह समेत कई गणमान्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम का आरंभ अटल बिहारी वाजपेयी के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन से हुआ। सम्मेलन में अटलजी के जीवन, व्यक्तित्व और कृतित्व पर आधारित विशेष वीडियो प्रदर्शित किया गया। प्रोजेक्टर के माध्यम से प्रदर्शित डॉक्यूमेंट्री में अटल जी के संघर्ष, नेतृत्व, सुशासन, राष्ट्रभक्ति और ऐतिहासिक फैसलों को विस्तार से दिखाया गया।

टाटा स्टील से विस्थापितों ने रखी सात सूत्री मांग

JAMSHEDPUR : टाटा स्टील के ऑफिस में सोमवार को वार्ता हुई, जिसमें विस्थापितों ने कई मांग रखी। टाटा स्टील, लैंड डिपार्टमेंट के प्रमुख, भूमि प्रबंधन के अमित सिंह के समक्ष विस्थापितों ने जो 7 मांग रखी, उसमें टाटा कंपनी और डिमना डैम के विस्थापितों को विस्थापित प्रमाण पत्र दिया जाए, 1932 खतियान के आधार पर विस्थापितों को चिह्नित कर पुनर्वास व मुआवजा दिया जाए।

1996 के सर्वे सेटलमेंट को रद्द किया जाए आदि प्रमुख हैं। अमित सिंह ने कहा कि डिमना डैम विस्थापितों के साथ वार्ता फिर से प्रारंभ कर उन्हें न्याय देने का प्रयास करेंगे।

सीआईएसएफ के जवान देश के लिए समर्पित : सीएमडी

JADUGORA : यूसिल कंपनी की सुरक्षा में तैनात केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल की ओर से सोमवार को 56वां स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया गया। इस मौके पर सीआईएसएफ की ओर से बैरक मैदान में मुख्य समारोह हुआ। जवानों ने चारों दिशाओं से दुश्मनों के हमले से बचते हुए विजय कैसे प्राप्त करें, इसे लेकर मॉक ड्रिल किया गया। इसके साथ ही अन्य कई प्रदर्शन कर अपनी ताकत का अहसास कराया। समारोह के मुख्य अतिथि यूसिल के अध्यक्ष सह प्रबंध निर्देशक डॉ. संतोष सतपति ने परेड की सलामी ली व उन्होंने यूसिल की न्यूक्लियर पावर कार्यक्रम की सुरक्षा की बखूबी जिम्मेदारी निभा रहे सीआईएसएफ की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि इन जवानों की अचूक सुरक्षा को लेकर आने

प्रदर्शन करते सीआईएसएफ के जवान

वाले दिनों में देश की संसद भवन में भी सीआईएसएफ की तैनाती की संभावना जताई। इस मौके पर डिप्टी कमांडेंट रॉकी पीएस ने कहा कि 10 मार्च 1969 में सीआईएसएफ की स्थापना हुई, जहां दो लाख से अधिक जवान 259 संस्थाओं में अपनी सेवा दे रहे है। कार्यक्रम में यूसिल के वित निदेशक विक्रम केसरी दास, उपमहाप्रबंधक राकेश कुमार, सहायक कमांडेंट अक्षय उगले, इंस्पेक्टर पवन कुमार, इंस्पेक्टर एसके सिंह आदि जवानों व अधिकारियों ने भाग लिया।

संजय नदी पर निर्माणाधीन पुल 5 सालों से पड़ा है अधूरा

पुल का निरीक्षण करते विधायक प्रतिनिधि व झामुमो कार्यकर्ता ● फोटोन न्यूज

CHAKRADHARPUR : चक्रधरपुर प्रखंड के तीन पंचायत गुलकेड़ा, बाईपी तथा कुलीतोड़ाग के करीब 15 हजार ग्रामीणों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए गुलकेड़ा में संजय नदी पर पुल का निर्माण हो रहा है, जो 5 सालों से अधूरा है। सोमवार को झामुमो नेता पुल निर्माण का जायजा लेने पहुंचे, जहां देखा कि पुल का निर्माण तो हो चुका है, लेकिन वह निम्नस्तर का बना है। वहीं संबंधित विभाग की लापरवाही के कारण पुल निर्माण में समय लग रहा है। इसके साथ ही एप्रोच रोड बनना बाकी है। पुल को जोड़ने वाली सड़क नहीं बनने से आवागमन नहीं हो पा रहा है। पुल का जायजा लेने विधायक प्रतिनिधि पीरु हेंब्रम, झामुमो नेता रामलाल मुंडा, प्रदीप महतो आदि पहुंचे थे। उन्होंने देखा कि पुल का डीपीआर भी सही तरीके से नहीं बना है। नदी में बाढ़ आने से पुल को नुकसान हो सकता है। छह महीने से पुल का एप्रोच रोड बनाने की मांग हो रही है, लेकिन विभाग और ठेकेदार कार्य नहीं कर रहे हैं।

आरक्षित सीटों पर नामांकन के लिए जमा 65 आय व 47 जन्म प्रमाणपत्र मिले फर्जी

JAMSHEDPUR : पूर्वी सिंहभूम जिले के निजी स्कूलों में राईट टू एजुकेशन (आरटीई) के तहत आरक्षित 25 प्रतिशत सीटों पर नामांकन के लिए जमा आवेदन पत्रों की जांच चल रही है। जिला शिक्षा अधीक्षक कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार अब तक 112 प्रमाणपत्र फर्जी मिले हैं। इसमें आय प्रमाणपत्र 65, जबकि 47 जन्म प्रमाणपत्र हैं। आवेदन फॉर्म में संलग्न इन दोनों प्रमाणपत्रों की ऑनलाइन जांच कराई जा रही है। शिक्षा विभाग से मिली जानकारी के अनुसार, अभी भी 1200 प्रमाणपत्रों की जांच बाकी है। ऐसे में आने वाले दिनों में फर्जी प्रमाणपत्रों की संख्या में इजाफा हो सकता है। यह संख्या 200 के करीब पहुंच सकती है। जिले के निजी स्कूलों की बात करें तो आरक्षित कोटे की कुल 1504 सीटें हैं। इनमें दाखिले के लिए कुल 3 हजार आवेदन फॉर्म भरे गए हैं।

ऐसे किया फर्जीवाड़ा : जिन आय व जन्म प्रमाणपत्रों को फर्जी बताया गया है, उनकी जांच में यह बात सामने आई कि अभिभावकों ने आय प्रमाणपत्र को स्कैन कर अपनी आय को कम दिखाया है।

जमशेदपुर में अवैध मिनी विदेशी शराब फैक्ट्री का भंडाफोड़, संचालक गिरफ्तार

PHOTON NEWS JSR : होली पर्व के मद्देनजर अवैध शराब के निर्माण, भंडारण और बिक्री के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत आज सोमवार को उलीडीह ओपी क्षेत्र में एक मिनी विदेशी शराब फैक्ट्री का भंडाफोड़ किया गया। पूर्वी सिंहभूम जिले की उत्पाद विभाग की टीम ने डिमना रेसीडेंसी हाउसिंग सोसाइटी के डुप्लेक्स डी-22 में छापेमारी कर इस अवैध कारोबार का पदार्फाश किया। गुप्त सूचना के आधार पर की गई इस कार्रवाई में स्पिरिट, रंगीन शराब, विभिन्न ब्रांडों के खाली बोतल, ढक्कन, नकली लेबल, सीलिंग कॉर्क, शराब में मिलाए जाने वाले फ्लेवरिंग एजेंट (उंशै') सहित भारी मात्रा में शराब जब्त की गई। मौके से कुल 70 पेटी शराब, जिसमें मैकडावेल्स, रायल स्टैग, स्टर्लिंग, 8 पीएम जैसे नामी ब्रांड शामिल हैं, बरामद की गई।

बरामद शराब के साथ आबकारी विभाग के पदाधिकारी ● फोटोन न्यूज

बरामद अवैध शराब
- स्पिरिट- 140 लीटर
- बोतलबंद शराब- 630 लीटर
- तैयार शराब- 100 लीटर

कुल बाजार मूल्य- लगभग 15 लाख रुपए।

इस मिनी फैक्ट्री के संचालक बालीगुमा के रहने वाले धीरज कुमार सिंह को भागने की कोशिश करते समय गिरफ्तार कर लिया गया। इस मामले में उत्पाद अधिनियम की सुसंगत धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है।

सीएसआईआर-एनएमएल में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस समारोह का हुआ आयोजन

याद किए गए राष्ट्र निर्माण में भूमिका निभाने वाले वैज्ञानिक

PHOTON NEWS JSR : बर्मामाइंस स्थित सीएसआईआर-एनएमएल में नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज, झारखंड चैप्टर और इंडियन नेशनल एकेडमी ऑफ इंजीनियरिंग के सहयोग से राष्ट्रीय विज्ञान दिवस समारोह मनाया गया।

इस कार्यक्रम में बीआईटी मेसरा के प्रो. प्रतीम कुमार चट्टराज और जीएसआई झारखंड के असद अहसन रजा भी मौजूद थे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अभिलाष (एमएनएएससी) ने किया।

डॉ. संदीप घोष चौधरी, निदेशक, सीएसआईआर-एनएमएल ने स्वागत भाषण दिया और राष्ट्र निर्माण तथा भारत में विज्ञान को लोकप्रिय बनाने में प्रख्यात

कार्यक्रम का उद्घाटन करते एनएमएल के निदेशक संदीप घोष चौधरी

वैज्ञानिकों के योगदान को याद किया। उन्होंने विज्ञान के क्षेत्र में भारत की विरासत पर भी चर्च की।

बीआईटी मेसरा के कुलपति और नासी, झारखंड चैप्टर के अध्यक्ष प्रो. इंद्रनील मन्ना ने सभी अतिथियों, छात्रों और नासी के सदस्यों का स्वागत किया। उन्होंने ऊर्जा रूपांतरण, सामग्री और धातु विज्ञान से लेकर स्वच्छ ऊर्जा के विभिन्न पहलुओं सहित विज्ञान के सभी पहलुओं पर भी विस्तृत चर्चा की। उन्होंने विश्व युद्ध के आरंभ से अब तक भारतीय वैज्ञानिकों द्वारा किए गए प्रयासों तथा विकसित भारत के निर्माण के लिए विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी के सभी पहलुओं में विश्वस्तरीय अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए आवश्यक कठिन प्रयासों का उल्लेख किया।

प्रोफेसर चट्टराज ने अपने विषय आधारित व्याख्यान में रसायन विज्ञान, भौतिकी और धातुकर्म के गहन सार को उदाहरणों के माध्यम से समझाया तथा सर सी.वी. रमन के कार्यों और उनकी उपलब्धियों तथा प्रकाश प्रकीर्णन, रेले प्रकीर्णन और स्पेक्ट्रोस्कोपी में उनके महत्वपूर्ण योगदान के बारे में भी बताया। उन्होंने सांस्कृतिक विज्ञान और भारत के बाहर भारतीय विज्ञान और वैज्ञानिकों को बढ़ावा देने की दिशा में सर सीवी रमन द्वारा किए गए प्रयासों को दशार्या।

एए रजा ने झारखंड में महत्वपूर्ण धातुओं की जानकारी दी और लिथियम तथा आरईई भंडार दोहन के कई क्षेत्रों में एनएमएल के योगदान की आवश्यकता पर प्रकाश डाला, जिसके बाद महत्वपूर्ण चर्चा हुई।

कार्यक्रम में 135 छात्रों और 75 शोधकताओं ने भाग लिया। कार्यक्रम का समापन बीआईटी मेसरा के प्रो. अनिमेष घोष के धन्यवाद प्रस्ताव और राष्ट्रगान के साथ हुआ।

होली के रंगों से सराबोर हुआ पोद्दार समाज

JAMSHEDPUR : मानगो में टैंक रोड स्थित पोद्दार भवन में रविवार को पोद्दार वैश्य कल्याण समिति द्वारा पारिवारिक होली मिलन किया गया इसमें महिलाओं ने भी बढ़-चढ़ कर भाग लिया। सभी ने एक-दूसरे को अबीर लगाकर खुशियां बांटी और होली की बधाई दी। सुरुचि व्यंजनों का स्वाद भी चखा। समिति के संस्थापक सह मुख्य संरक्षक अध्यक्ष शंकर पोद्दार की मौजूदगी में कार्यक्रम की अध्यक्षता समिति के अध्यक्ष अरुण पोद्दार व संचालन महासचिव श्रीकांत देव ने किया। कार्यक्रम में शिवशंकर प्रसाद देव, रामानुज पोद्दार, भारत पोद्दार, नीरज नागेंद्र पोद्दार, नंदकिशोर पोद्दार आदि भी शामिल थे।

जल संकट को निपटाने के लिए सभी मुखिया ने लगाई गुहार

कार्यपालक अभियंता को समस्या बताते विभिन्न पंचायतों के मुखिया

CHAKRADHARPUR : गर्मी के दस्तक देते ही ग्रामीण क्षेत्र के नदी-नाले सूखने लगे हैं। पंचायतों में जल संकट होना तय है। समय से पहले निपटाने को लेकर सोमवार को प्रखंड के सभी मुखिया, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के कार्यपालक अभियंता नवीन भगत से मिले। उन्होंने समय से पहले चापाकलों की मरम्मत कराने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि हर घर नल योजना अधिकांश जगहों पर बेकार साबित हुआ है। अब भी गांवों में योजना अधूरी है। योजना को पूर्ण कराएं तथा संबंधित संवेदकों को निर्देश दिया जाए कि वह इसे पूर्ण करें। कार्यपालक अभियंता ने आश्वासन दिया कि जल संकट से निपटारा को लेकर विभाग पहले से ही तत्पर है। हेल्पलाइन नंबर भी जारी करेंगे। इस दौरान मुखिया जंगल सिंह गागराई, शांति देवी, मेलानी बोदरा, सैलाई मुंडा, पिंकी जोंको, दया सागर केराई, सोमनाथ रजक, सरिता गागराई, मुखिया प्रतिनिधि मंटू गागराई, गंगाराई गागराई आदि मौजूद थे।

BRIEF NEWS

अभिनेता पवन सिंह आदर्श आचार संहिता के एक मामले में बरी

DEHRI : रोहतास जिले के बिक्रमगंज अनुमंडल व्यवहार न्यायालय से सोमवार को भोजपुरी सिनेमा के अभिनेता पवन सिंह आचार संहिता उल्लंघन के एक मामले में बरी हो गए। बिक्रमगंज व्यवहार न्यायालय ने भोजपुरी सुपरस्टार पवन सिंह को आदर्श आचार संहिता उल्लंघन के एक पुराने मामले में दोष मुक्त करार दिया है। लोकसभा चुनाव 2024 में निर्दलीय प्रत्याशी रहे पवन सिंह के विरुद्ध आचार संहिता के उल्लंघन को लेकर बिक्रमगंज अनुमंडल क्षेत्र में चार मामला दर्ज हुआ था। सोमवार को कोर्ट ने साक्ष्य के अभाव में उन्हें एक मामले में बरी कर दिया।

'राजद ने अल्पसंख्यकों को वोट बैंक बनाया'

DEHRI : सोमवार को जदयू के प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा ने बयान जारी कर नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव द्वारा अल्पसंख्यक समुदाय के हितैषी होने के दावे को राजनीतिक ढोंग बताते हुए कहा कि राजद केवल अल्पसंख्यकों को गुमराह कर उनका वोट बटोरने की राजनीति करती है लेकिन हकीकत यह है कि 15 वर्षों के शासन में लालू-राबड़ी की सरकार द्वारा अल्पसंख्यक समुदाय को सिर्फ ठगा गया। उमेश सिंह कुशवाहा ने कहा कि अल्पसंख्यक समाज के वास्तविक हितों की रक्षा हेतु नीतीश सरकार पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कब्रिस्तानों की घेराबंदी, उर्दू शिक्षकों की बहाली, मदरसा शिक्षकों को वेतनमान, मुख्यमंत्री अल्पसंख्यक उद्यमी योजना, तालिमी मरकज, मरदसों का आधुनिकरण सहित अल्पसंख्यक समाज के लोगों के सामाजिक, आर्थिक, शैक्षणिक एवं राजनीतिक रूप से सशक्त बनाने के लिए कई योजनाओं धरातल पर उतारा।

नमाज अदा कर लौट रहे व्यक्ति की गोली मारकर हत्या

DEHRI : जिले के रामगढवा थाना क्षेत्र में तरावीह की नमाज अदा कर लौट रहे व्यक्ति के सीने में गोली मारकर मौत के घाट उतार दिया गया। घटना रविवार की रात रामगढ़वा थाना के बैरिया पंचायत के आर्यानगर की है। जहां बदमाशों ने उक्त घटना को अंजाम दिया है। मृतक की पहचान 53 वर्षीय शेख नुरेन के रूप में की गई है। घटना की सूचना पर मौके पर पहुंची रामगढ़वा थाना पुलिस शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।स्थानीय लोगो के मुताबिक रविवार रात 9.30 बजे के आसपास बदमाशों ने शेख नुरेन के सीने में गोली मारी और घटना को अंजाम देने के बाद पैदल ही भाग निकले। बदमाशों की संख्या दो बताई जा रही है। गोली लगते ही शेख नुरेन जमीन पर गिर गए और मौके पर ही उनकी मौत हो गई। सोमवार को पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात ने घटना स्थल का निरीक्षण करने के बाद मीडिया को बताया कि घटना को लेकर रक्सौल डीएसपी के नेतृत्व में एसआईटी का गठन किया गया है। प्रथम दृष्टया आपसी दुश्मनी में घटना की बात सामने आ रही है। घटना में दो अपराधी शामिल हैं।

विधानसभा सत्र राज्यकर्मियों के लिए वेतन भत्ता और समूह जीवन बीमा की उठी मांग

अलग-अलग होती है केंद्र व राज्य सरकार की नीति : उद्योग मंत्री

AGENCY PATNA : बिहार विधानसभा में बजट सत्र के आज सातवें दिन विधानसभा अध्यक्ष नंदकिशोर यादव ने प्रश्नकाल की शुरूआत की। सदन की कार्यवाही शुरू होते ही विपक्ष के सदस्य खड़े हो गए। प्रश्नकाल में पहला सवाल करते हुए विधायक अजय सिंह केंद्रीय कर्मियों की भांति राज्यकर्मियों को ग्रुप इंश्योरेंस, ग्रेच्युटी व अन्य सुविधा देने की मांग की। विधायक अजय सिंह ने सवाल उठाया और कहा कि सरकार ने जो उत्तर दिया है की राज्य कर्मियों के वेतन भत्ते केंद्रीय कर्मियों के समरूप देने के लिए सरकार नीतिगत रूप से बढ़ नहीं है। मैं इस जवाब को चुनौती देता हूं। विधायक सिंह ने कहा कि मैं सरकार से जानना चाहता हूं, क्या बिहार सरकार और राज्य कर्मियों के प्रतिनिधियों के बीच समझौता हुआ जिसमें तय हुआ था कि केंद्र के अनुसार ग्रुप इंश्योरेंस और ग्रेच्युटी देय होगा। मैं जानना चाहता हूं कि अपनी साख बचाने के लिए राज्य सरकार राज्य कर्मियों को ग्रेच्युटी की अधिकतम सीमा 20 लाख से 25 लाख रुपये करने पर विचार रखती है। विधायक अजय सिंह के प्रश्न का उत्तर देते हुए उद्योग मंत्री नीतीश मिश्र ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार की नीति अलग-अलग होती है। राज्य सरकार केंद्रीय कर्मियों के समरूप वेतन भत्ता देने के लिए बाध्य नहीं है। मंत्री ने प्रश्नकर्ता से पूछा कि क्या दूसरे राज्य ऐसा कर रहे हैं,यह बताइए। स्पीकर ने प्रश्नकर्ता विधायक से कहा कि आप पूरी कागजात को दे दीजिए। मंत्री जी पूरी बात आपको बता देंगे।

रंग-गुलाल लगवाने से क्यों होता है परहेज : हरिभूषण ठाकुर

PATNA : बिहार विधानमंडल के परिसर में बजट सत्र के सातवें दिन भाजपा के फायरब्रांड विधायक हरिभूषण ठाकुर बचौल ने होली में रंग गुलाल और अबीर की बिक्री मुस्लिम समुदाय के लोगों को नहीं करने की नसीहत दी है। भाजपा के विधायक हरिभूषण ठाकुर बचौल ने कहा है कि होली में रंग-गुलाल और अबीर की बिक्री मुस्लिम समुदाय के लोग ना करें। रंग-गुलाल लगवाने से मुसलमानों को परहेज होता है, तो बिक्री क्यों करते हैं? होली जुम्मे (शुक्रवार) के दिन है, हिंदुओं को होली मनाने दें, अगर रंग से आपत्ति है तो उसे दिन घर से ना निकलें। वैसे भी साल में 52 जुम्मा (शुक्रवार) होता है। एक दिन नहीं ही निकलें और बड़ा दिल दिखाएं।

जदयू की बैठक में विधानसभा चुनाव तैयारी की हुई समीक्षा

- 2025 विधानसभा चुनाव में 225 सीटें जीतने का लक्ष्य
- हर बूथ पर दस सदस्यों की एक सक्रिय बूथ कमेटी का करें गठन
- कार्यकर्ता ही होता है दल में किसी भी संकल्प का वाहक

AGENCY SAHARSA : नगर निगम जनता दल यूनाइटेड की एक बैठक सोमवार को पूजा बैंक्वेट हाल जिला परिषद सहरसा में हुई, जिसकी अध्यक्षता जिला अध्यक्ष चंद्रदेव मुखिया ने की। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष चंद्रदेव मुखिया ने कहा कि 2025 विधान सभा चुनाव में 225 सीट जीतने का लक्ष्य है। इसके लिए हम कार्यकताओं को बूथ पर सशक्त होना होगा। तभी हमारे गठबंधन के नेताओं का संकल्प पूर्ण होगा। हमारे पास मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का न्याय के साथ विकास का जनाधार है। इसलिए हर बूथ पर दस सदस्य का एक सक्रिय बूथ कमिटी का गठन करें।
वरिष्ठ नेता आनंदी मेहता ने कहा कि बिहार में विकास हुआ है दबे जुबान से ही सही लेकिन प्रतिपक्ष के लोग भी इसे स्वीकारते हैं, लेकिन मुख्यमंत्री बिहार को उस ऊंचाई पर ले जाना चाहते हैं जहां से कोई उसे नीचा नहीं कर सके।इसलिए नीतीश कुमार को पुनः बिहार का मुख्य मंत्री बनाना आवश्यक है। नीतीश कुमार हम लोगों की आवश्यकता है। इसलिए कार्यकर्ता हर बूथ को चुनौती के रूप में लें।
विधान सभा प्रभारी अक्षय झा ने कहा कि दल में किसी भी संकल्प का वाहक कार्यकर्ता ही होता है। हमारे मुख्य मंत्री ईमानदार और बेदाग छवि के हैं। नीतीश कुमार जी देश में पहला ऐसा मुख्य मंत्री है, जिन्होंने राजनीति को समाज सुधार का जरिया बनाया।

एससी-एसटी कल्याण मंत्री ने अंबेदकर आवासीय विद्यालय का किया निरीक्षण

AGENCY CHAMPARAN : जिले के सुगौली प्रखंड के सुगांव स्थित राजकीय अंबेदकर आवासीय विद्यालय का सोमवार को बिहार सरकार के एससी एसटी कल्याण मंत्री जनक चमार ने औचक निरीक्षण किया।
इस दौरान उन्होने स्कूल में पढ़ने वालो बच्चों से स्कूल की व्यवस्था, पढ़ाई छात्रावास व भोजन के बारे में विस्तृत जानकारी ली। मंत्री ने स्वयं रसोई रूम में जाकर बन रहे भोजन को देखा और भोजन में दिए जाने वाले व्यंजन के बारे में जानकारी ली। छात्रावास का निरीक्षण करते हुए कमरे की साफ-सफाई व रख-रखाव का जायजा लिया। बच्चों को सरकार से मिलने वाली सामग्री व पाठ्य पुस्तक के बारे में जानकारी ली। साथ ही मौके पर मौजूद जिला कल्याण पदाधिकारी को निर्देश देते हुए कहा कि विद्यालय में पढ़ने वाले बच्चों को किसी तरह की दिक्कत नही होने चाहिए।
स्कूल में बेहतर पढ़ाई के साथ ही यहां आवासित बच्चों को मेनू के अनुसार बेहतर भोजन मिले। स्कूल में साफ सफाई ठीक से हो। विद्यालय में किसी तरह की अनियमितता हुई तो विभागीय कार्रवाई होना तय है।इस दौरान उन्होने एचएम को कड़ी हिदायत देते हुए कहा कि विद्यालय में ससमय बेहतर शिक्षा व्यवस्था हो। बच्चों को किसी तरह की दिक्कत नही होनी चाहिए। मौके पर सांसद प्रतिनिधि प्रदीप सर्राफ, जिला कल्याण पदाधिकारी, विद्यालय के प्रधानाध्यापक और शिक्षक मौजूद थे।

अंबेदकर आवासीय विद्यालय का निरीक्षण करते मंत्री ● फोटोन न्यूज

प्रतिबंधित कोडीनयुक्त कफ सिरप मामले में पांच साल की सश्रम कारावास के साथ तीन लाख रुपये जुर्माना

AGENCY ARARIYA : अररिया एक्सक्लूसिव एक्साइज कोर्ट प्रथम के विशेष न्यायाधीश राजीव रंजन सिंह ने प्रतिबंधित कोडीनयुक्त कफ सीरप रखने के मामले में दोषी को पांच साल की सश्रम कारावास के साथ तीन लाख रुपये जुमार्ने की सजा सुनाई है। जुमार्ने की रकम अदा नहीं करने पर दोषी को एक वर्ष की अतिरिक्त सजा भुगतने का भी आदेश अपने निर्णय में दिया है। न्यायालय ने विशेष उत्पाद वाद संख्या 161/2022 में सजा सुनाई। मामला अररिया थाना दर्ज प्राथमिकी से संबंधित है। अररिया थाना में पदस्थापित एएसआई संजीव कुमार ने केस दर्ज कराई थी। 14 दिसम्बर 2021 को गुप्त सूचना पर गैयारी ओवरब्रिज के निकट सिसौना वार्ड संख्या पांच अहसान उर्फ तन्नू पिता स्व. अब्दुल जब्बार अपने घर के मचान बनाकर, नीचे कोडीनयुक्त कफ सीरप भारी मात्रा में रखने की सूचना पर पुलिस ने एक व्यक्ति को पकड़ा था। पकड़ा गया युवक हासिम पिता स्व.अब्दुल जब्बार था। घर की तलाशी के क्रम में घर से 1170 बोतल प्रतिबंधित कोडीनयुक्त कफ सिरप बरामद किया गया था,जिसके बाद पुलिस ने हासिम को गिरफ्तार कर जेल भेजा और उसके विरुद्ध आरोप पत्र न्यायालय में समर्पित किया गया। अहसान उर्फ तन्नू के विरुद्ध पूरक अनुसंधान जारी रखा गया। न्यायालय में मो. हासिम के विरुद्ध आरोप सिद्ध नहीं हुआ और न्यायालय ने उसे रिहा कर दिया, लेकिन जब अहसान उर्फ तन्नू के विरुद्ध पूरक आरोप पत्र समर्पित हुआ और न्यायालय में जब यह बात साबित हुई कि प्रतिबंधित कोडिन युक्त कफ सीरप के असली मालिक अहसान उर्फ तन्नू हैं तो न्यायालय ने सजा मुक्करर किया और दोषी ठहराया। बचाव पक्ष की ओर से अधिवक्ता विष्णु कांत मिश्रा ने कम से कम सजा सुनाई जाने की दलीलें दी, जबकि सरकार की ओर से विशेष लोक अभियोजक संजय कुमार मिश्रा और उत्पाद विभाग के अधिवक्ता चंदन कुमार सिंह ने विधि सम्मत सजा सुनाई जाने की मांग की। दोनों ही पक्षों को सुनने के बाद न्यायालय ने दोषी को सजा सुनाई।

डीएम-एसपी ने अधिकारियों के साथ ईवीएम वज्रगृह का किया निरीक्षण

AGENCY ARARIYA : अररिया कृषि उत्पादन बाजार समिति के प्रांगण में ईवीएम वज्रगृह का सोमवार को डीएम अनिल कुमार, एसपी अंजनी कुमार ने अन्य अधिकारियों और राजनीतिक दल के प्रतिनिधियों के साथ निरीक्षण किया। डीएम एसपी ने ईवीएम और वीवीपैट के रखरखाव की भी जांच की और निर्वाचन से जुड़े उपस्थित अधिकारियों को कई आवश्यक दिशा निर्देश दिए। अधिकारियों ने आगामी विधानसभा चुनाव के मद्देनजर जायजा लिया और ईवीएम और वीवीपैट की वस्तुस्थिति की जानकारी ली। मौके पर कांग्रेस पार्टी के आबिद हुसैन अंसारी, जदयू के सुनील कुमार राय, भाजपा, भाकपा माले, राजद के नेता मौजूद रहे। डीएम और एसपी ने अधिकारियों के साथ राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से भी ईवीएम और वीवीपैट को लेकर आवश्यक जानकारियां ली।

आरा के तनिष्क शो-रूम से 25 करोड़ के गहनों की लूट

- हथियार के बल पर अपराधी शो रूम के अंदर घुसे और चंद मिनटों में सोना-चांदी के जेवरात लूटकर हो गए फरार

AGENCY PATNA : बिहार में आरा शहर के नगर थाना क्षेत्र स्थित गोपाली चौक के समीप तनिष्क शो रूम से अपराधियों ने दिनदहाड़े लूट की घटना को अंजाम दिया है। तनिष्क शो-रुम के स्टोर मैनेजर के अनुसार 25 करोड़ की लूट हुई है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शो रूम को सील कर दिया है। स्टोर मैनेजर मृत्युंजय कुमार ने मीडिया से बातचीत में बताया कि हथियार के बल पर अपराधी शो रूम अंदर घुसे और चंद मिनटों में सोना-चांदी के जेवरात लूटकर फरार हो गए। इसकी कीमत करीब 25 करोड़ रुपये है। घटना के बाद नगर थाना की पुलिस इसकी छानबीन कर रही है, जहां तनिष्क शो रूम है। वह शहर का सबसे ज्यादा भीड़ वाला इलाके में आता है। इस घटना में एक सुरक्षा गार्ड के साथ मारपीट भी की गयी है। अपराधी गार्ड का बंदूक छीनकर फरार हो गए हैं। शो रूम के मैनेजर के मुताबिक घटना सुबह 10:30 बजे हुई। 6 की संख्या में अपराधी आए और शो रूम के सामने गाड़ी खड़ी कर दी। बताया कि शो रूम के नियम के अनुसार एक बार में 4 से अधिक ग्राहक की एंट्री नहीं हो सकती इसलिए पहले दो लोग अंदर घुसे, जैसे ही छठा अपराधी अंदर आया मैनेजर के ऊपर पिस्टल तान दी।

डीएम ने हाईवे के सभी अवैध कट को चिह्नित कर बंद करने का दिया निर्देश

AGENCY ARARIYA : अररिया जिला पदाधिकारी -सह- अध्यक्ष जिला सड़क सुरक्षा समिति अनिल कुमार तथा पुलिस अधीक्षक अंजनी कुमार की संयुक्त अध्यक्षता में समाहरणालय स्थित परमान सभागार में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित की गई। इस क्रम में जिलाधिकारी द्वारा संबंधित पदाधिकारियों को कई जरूरी दिशा निर्देश दिये।
बैठक में मुख्य रूप से ड्राइविंग लाइसेंस रद्द/निलंबन, हेलमेट चेकिंग, हिट रन से संबंधित सड़क दुर्घटना में मुआवजा की स्थिति, नन हिट रन से संबंधित सड़क दुर्घटना में मुआवजा की स्थिति, तेज गति से वाहन चलाना, बस स्टॉप का निर्माण, अररिया में ब्लैक-स्पॉट की सूची की गहन समीक्षा की गई।जिलाधिकारी द्वारा जिले में सभी थाना, यातायात पुलिस एवं परिवहन विभाग को हेलमेट चेकिंग हेतु नियमित रूप से विशेष अभियान चलाने का निर्देश दिया गया। बैठक में बताया गया कि जिले के अंदर सभी अवैध कट को चिन्हित किया गया है। इस क्रम में संबंधित विभाग को इन सभी अवैध कटों को बंद करने के लिए जिला पदाधिकारी द्वारा निर्देश किया गया, ताकि सड़क दुर्घटना में कमी हो सके। ब्लैक स्पॉट को चिन्हित कर वहां अंडर पास के निर्माण हेतु संबंधित विभाग को प्रस्ताव भेजने हेतु निर्देशित किया।

आस्था श्री श्याम फाल्गुन महोत्सव पर निकली निशान शोभायात्रा

श्याम भक्तों ने मंदिर परिसर में खेली फूलों की होली

AGENCY ARARIYA : फारबिसगंज में सोमवार को श्री श्याम भक्त मंडल की ओर से एकादशी के मौके पर श्री श्याम फाल्गुन महोत्सव पर निशान शोभायात्रा निकाली गई। स्थानीय सुल्तान पोखर स्थित श्री वीर हनुमान ठाकुरबाड़ी परिसर ने निकली निशान शोभायात्रा शहर के पोस्ट ऑफिस चौक, सदर रोड़, स्टेशन चौक होते हुए श्री लक्ष्मी नारायण मारवाड़ी ठाकुरबाड़ी स्थित श्री श्याम मंदिर परिसर में आकर समाप्त हुई। निशान शोभायात्रा में जहां एक तरफ बाबा श्याम का जयकारा लगता रहा, वहीं दूसरी ओर महिलाओं के द्वारा कलियुग का राजा खाटू नरेश जैसे भजनों की भी शानदार प्रस्तुति दी गई। शोभायात्रा में शामिल महिलाओं के द्वारा खाटू नरेश के जयकारों से पूरा शहर गुंजायमान हो गया। महिलाओं में पूरे रास्ते भर में बाबा श्याम के भजनों में नाचते गाते आगे बढ़ते रहे।
निशान शोभायात्रा के उपरांत मंदिर परिसर में बड़ी संख्या में उपस्थित महिलाओं के द्वारा बाबा श्याम के चरणों में भजनों की वर्षा की गई। साथ ही साथ पुष्प एवं इत्र की वर्षा बाबा श्याम पर करते हुए भक्तों पर भी किया गया। वहीं शोभायात्रा के दौरान भक्तों द्वारा रास्ते भर में जगह जगह पुष्प वर्षा की गई। मंदिर परिसर में महिलाओं ने श्याम प्रभु के संग फूलों से होली खेलकर जमकर नृत्य किया। इस मौके पर अनिल पांडेय, देवाशीष पांडेय के नेतृत्व में पूजा-अर्चना की गई, जबकि मंदिर परिसर की और से संयोजक पवन शर्मा और पवन अग्रवाल आदि के द्वारा शोभायात्रा में शामिल भक्तों का जोरदार स्वागत किया गया। जगह जगह पर निशान शोभायात्रा में शामिल श्रद्धालुओं के लिए शीतल पेय जल एवं शर्बत, चॉकलेट व फलों की व्यवस्था की गई थी।

- एक तरफ बाबा श्याम का जयकारा लगता रहा, वहीं दूसरी ओर महिलाओं ने कलियुग के राजा खाटू नरेश जैसे भजनों की भी शानदार प्रस्तुति दी
- मंदिर परिसर में बड़ी संख्या में उपस्थित महिलाओं ने की बाबा श्याम के चरणों में भजनों की वर्षा

225 स्थलों पर होली को लेकर स्टैटिक दंडाधिकारी के साथ पुलिस पदाधिकारी की हुई प्रतिनियुक्ति

AGENCY ARARIYA : डीएम अनिल कुमार तथा एसपी अंजनी कुमार की संयुक्त अध्यक्षता में समाहरणालय अररिया स्थित परमान सभागार में सोमवार को विधि व्यवस्था एवं होली को लेकर अधिकारियों के साथ बैठक हुई,जिसमें जिले में 225 स्थलों पर स्टैटिक दंडाधिकारी और स्टैटिक पुलिस पदाधिकारी की प्रतिनियुक्ति की गई।इसके अलावा अररिया में 16 एवं फारबिसगंज में 16 गश्ती दल, दंडाधिकारी के साथ पुलिस पदाधिकारियों की प्रतिनियुक्ति की गई।
विधि व्यवस्था संधारण की समीक्षात्मक बैठक में दंड प्रक्रिया संहिता के अंतर्गत निरोधात्मक कार्रवाई, थाना जनता दरबार, लोक भू-अतिक्रमण, थाना भवन के लिए भूमि की उपलब्धता, अनाधिकृत धार्मिक संरचना, उत्पाद विभाग एवं विधि प्रशाखा, निलाम-पत्र, खनन, शस्त्र नवीकरण, चरित्र प्रमाण पत्र सत्यापन, न्यायालय वाद,कल्याण, लोक शिकायत निवारण, सीसीटीवी अधिष्ठापन के कार्यों की गहन समीक्षा की गई। जिलाधिकारी द्वारा होली पर्व के अवसर पर शांति भंग करने वाले असामाजिक तत्वों, शरारती तत्वों, उपद्रवियों, अबीर गुलाल फेक जाने, जबरन चंदा वसूली, विवादास्पद कार्टून,अश्लील गाना बजाना आदि विवाद के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया।

शैक्षणिक छवि की चिंता का समय

ओडिशा स्थित कलिंगा इंस्टीट्यूट आफ इंडस्ट्रियल टेक्नोलाजी (केआईआईटी) में नेपाली छात्रा की असामयिक मृत्यु न केवल दुखद और संवेदनशील मामला है, बल्कि यह भारत की शैक्षणिक व्यवस्था और अंतरराष्ट्रीय छात्रों की सुरक्षा पर भी गंभीर प्रश्न खड़ा करती है। केंद्र सरकार ने इसकी जांच के लिए उच्च स्तरीय समिति गठित की है और पीड़ित परिवार को त्वरित न्याय का भरोसा दिलाया है। इसके बाद करीब 1000 नेपाली छात्र केआईआईटी वापस लौटे हैं, लेकिन यह मामला केवल न्यायिक जांच तक सीमित नहीं रह सकता। इसके दो पहलू हैं, जिन पर भारत के नीति-निमार्ताओं को विचार करने की आवश्यकता है। पहला, नेपाल बीते वर्षों में राजनीतिक, सामाजिक और सांस्कृतिक रूप से बदल चुका है। भारत को इन बदलावों का संवेदनशीलता से आकलन करना होगा। दूसरा, यदि भारत को दक्षिण एशिया में शिक्षा का प्रमुख केंद्र बनाना है तो अंतरराष्ट्रीय छात्रों, विशेषकर अपने पड़ोसी और मित्र देशों के विद्यार्थियों के लिए एक सुरक्षित, संवेदनशील और समावेशी शैक्षणिक माहौल सुनिश्चित करना होगा। इस तरह की घटनाएं इन देशों के साथ हमारे रिश्तों में दरार पैदा कर सकती हैं। चीन जैसे देश जो लंबे समय से नेपाली युवाओं को प्रभावित करने की कोशिश कर रहे हैं, ऐसे अवसरों का उपयोग भारत की छवि को कमजोर करने और अपना प्रभाव बढ़ाने के लिए कर सकते हैं। इसलिए आवश्यक है कि भारत अपने शैक्षणिक संस्थानों में सुरक्षा और समावेशिता को सर्वोच्च प्राथमिकता दे। साथ ही नस्ली, लैंगिक और सांस्कृतिक संवेदनशीलता को संस्थागत ढांचे का अभिन्न अंग बनाए, ताकि सभी छात्र भयमुक्त माहौल में शिक्षा प्राप्त कर सकें। नेपाल भारत का एक खास पड़ोसी देश है। वह चाहे एक साझा संस्कृति की बात हो या सामाजिक और धार्मिक समानता, भाषा की या फिर लोगों के बीच आपसी संबंध की। भारत और नेपाल के बीच सामरिक ही नहीं, बल्कि एक मजबूत साझा सांस्कृतिक विरासत, आर्थिक, सैन्य, शिक्षा, खुली सीमा और लोगों के बीच पारस्परिक संबंध हैं। शायद यही कारण रहा है कि संबंधों में यदा-कदा मन मुटाव के बावजूद बातचीत का माहौल हमेशा से बना रहा है। पिछले दो दशकों में नेपाल के राजनीतिक परिदृश्य में बड़े बदलाव आए हैं। इसके चलते नेपाल एक संवेदनशील देश बन चुका है। इसका असर भारत-नेपाल संबंधों पर भी स्पष्ट रूप से दिखाई देता है। हम इस प्रयास में हैं कि चीन जैसी ताकत नेपाल के रास्ते भारत के राष्ट्रीय हितों को नुकसान न कर सके। एक समय था जब नेपाली छात्रों और कामगारों के लिए भारत ही प्रमुख गंतव्य हुआ करता था। खुली सीमा के कारण भारत आना-जाना न केवल आसान, बल्कि किफायती भी था। भारत सरकार की छात्रवृत्तियां नेपाली विद्यार्थियों के लिए उच्च शिक्षा के अवसर खोलती थीं, लेकिन बीते दो-तीन दशकों में यह स्थिति काफी बदल गई है। विशेष रूप से 1996 से 2006 तक चले माओवादी आंदोलन ने नेपाल के राजनीतिक सोच और विदेश नीति को नया स्वरूप दिया है। इसके साथ नेपाल में विदेश में रोजगार और शिक्षा के अवसर प्रदान करने वाली एजेंसियों का उदय हुआ है। एक समय जेएनयू, बीएचयू, इलाहाबाद विश्वविद्यालय या पूर्वांचल विश्वविद्यालय नेपाली छात्रों के गढ़ माने जाते थे, जिसने भारत के प्रति नेपाल में एक सकारात्मक दृष्टिकोण बनाने में मदद की, लेकिन अब वह बदल चुका है। यह बदलाव केवल शिक्षा ही नहीं, बल्कि रोजगार के क्षेत्र में भी दिखता है। आज अधिकतर नेपाली विकसित देशों को लक्ष्य बनाते हैं। ऐसे में भारत के प्रति जनता की राय में बदलाव आया है। इसका बड़ा फायदा चीन उठा रहा है, जो नेपाली छात्रों को लुभाने में लगा है। इसके परिणामस्वरूप भारत और नेपाल के बीच कोई भी राजनीतिक विवाद अब तुरंत इंटरनेट मीडिया पर छा जाता है। भारत के शैक्षणिक संस्थान न केवल दक्षिण एशिया और अफ्रीका, बल्कि विश्व भर के छात्रों के लिए आकर्षक केंद्र हैं। ये छात्र यहां शिक्षा प्राप्त कर अपने देशों के उच्च पदों पर पहुंचते हैं और दीर्घकालिक रूप से भारत के साथ मजबूत राजनयिक एवं सांस्कृतिक संबंधों के वाहक बनते हैं। भारत की साफ्ट पावर को भी सुदृढ़ करते हैं, लेकिन ऐसी त्रासद घटनाएं भारत की वैश्विक शैक्षणिक छवि को गंभीर नुकसान पहुंचाती हैं और इसके भू-राजनीतिक प्रभाव भी होते हैं। नेपाली छात्रा की दुखद मृत्यु एक चेतावनी है कि भारत अपने शैक्षणिक संस्थानों में छात्रों की सुरक्षा, प्रशासनिक संवेदनशीलता और आपातकालीन चिकित्सा सेवाओं को प्राथमिकता दे। एक समावेशी और सुरक्षित शैक्षणिक वातावरण न केवल भारतीय छात्रों, बल्कि अंतरराष्ट्रीय छात्रों के लिए भी आवश्यक है, जो भारत को अपनी शिक्षा और भविष्य के निर्माण के लिए चुनते हैं। इस दिशा में दो महत्वपूर्ण सुधार अनिवार्य हैं-पहला, एक उत्तरदायी और संवेदनशील प्रशासनिक तंत्र, जो छात्रों की शिकायतों को गंभीरता से सुने और उनका समाधान करे। दूसरा, चिकित्सा आपात स्थितियों के लिए त्वरित प्रतिक्रिया दलों की स्थापना, ताकि किसी भी अप्रत्याशित संकट का समय रहते सामना किया जा सके। केवल इसी तरह हम भारत को एक वैश्विक शैक्षणिक केंद्र के रूप में मजबूत कर सकते हैं और उसकी प्रतिष्ठा को बनाए रख सकते हैं।

जनमानस की भाषा है हिंदी

ANALYSIS

✍ अरुण कुमार दीक्षित

भारत की राष्ट्रभाषा अपनी ही होनी चाहिए। जैसा कि पूरी दुनिया के अधिकतर देशों में स्वयं की भाषाएं हैं। संविधान के अनुच्छेद 351 में कहा गया है कि हिंदी का इस प्रकार विकास किया जाए कि हिंदी भारत की सामासिक संस्कृति की अभिव्यक्ति का माध्यम बन सके। उसके सरल और सुबोध स्वभाव को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। भारतीय संविधान में भारत की किसी भी भाषा को राष्ट्रभाषा की स्वीकृति नहीं है। हालांकि हिंदी एवं अंग्रेजी को आधिकारिक भाषा माना जाता है। संविधान में 22 भाषाओं को आधिकारिक भाषा के रूप में स्थान दिया गया है। विकल्प है कि केंद्र और राज्यों की सरकारें स्वयं चाहें तो 22 भाषाओं में किसी भी भाषा को आधिकारिक भाषा के रूप में चुनाव कर सकेंगी। यह भाषाएं हिंदी, असमिया, उड़िया, कन्नड़, कश्मीरी, कोंकणी, मैथिली, मलयालम, मणिपुरी, मराठी, नेपाली, पंजाबी, संस्कृत, संथाली, सिंधी, तमिल, तेलुगु , बोडो, डोगरी, बंगाली, उर्दू और गुजराती हैं। केंद्र सरकार ने कामकाज के लिए हिंदी और अंग्रेजी को आधिकारिक भाषा माना है। अलग-अलग राज्यों में स्थानीय भाषाएं लागू की गई हैं। हिंदी को राजभाषा बनाने का प्रस्ताव संविधान सभा मे दक्षिण भारत के गोपाल स्वामी आयंगर ने रखा था।

हिंदी को लेकर एक बार फिर उत्तर से लेकर दक्षिण तक बहस जारी है। सबके अपने-अपने दावे हैं। राजनीतिक घाटे-मुनाफे हैं। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री स्टालिन ने तो यहां तक कह दिया कि सरकारी दफ्तरों से हिंदी हटाएं, तमिल लागू करें। हिंदी सभी भाषाओं को समाप्त कर देगी। संविधान के अनुच्छेद 343 में कहा गया है कि राजभाषा हिंदी और लिपि देवनागरी होगी। संविधान के अनुच्छेद 343 (1) में 14 सितंबर 1949 को संविधान सभा मे लंबी चर्चा के बाद हिंदी को भारत संघ की राजभाषा का दर्जा दिया गया था। भारत की राष्ट्रभाषा अपनी ही होनी चाहिए। जैसा कि पूरी दुनिया के अधिकतर देशों में स्वयं की भाषाएं हैं। संविधान के अनुच्छेद 351 में कहा गया है कि हिंदी का इस प्रकार विकास किया जाए कि हिंदी भारत की सामासिक संस्कृति की अभिव्यक्ति का माध्यम बन सके। उसके सरल और सुबोध स्वभाव को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। भारतीय संविधान में भारत की किसी भी भाषा को राष्ट्रभाषा की स्वीकृति नहीं है। हालांकि हिंदी एवं अंग्रेजी को आधिकारिक भाषा माना जाता है। संविधान में 22 भाषाओं को आधिकारिक भाषा के रूप में स्थान दिया गया है। विकल्प है कि केंद्र और राज्यों की सरकारें स्वयं चाहें तो 22 भाषाओं में किसी भी भाषा को आधिकारिक भाषा के रूप में चुनाव कर सकेंगी। यह भाषाएं हिंदी, असमिया, उड़िया, कन्नड़, कश्मीरी, कोंकणी, मैथिली, मलयालम, मणिपुरी, मराठी, नेपाली, पंजाबी, संस्कृत, संथाली, सिंधी, तमिल, तेलुगु , बोडो, डोगरी, बंगाली, उर्दू और गुजराती हैं। केंद्र सरकार ने कामकाज के लिए हिंदी और अंग्रेजी को आधिकारिक भाषा माना है। अलग-अलग राज्यों में स्थानीय भाषाएं लागू की गई हैं। हिंदी को राजभाषा बनाने का प्रस्ताव संविधान सभा मे दक्षिण भारत के गोपाल स्वामी आयंगर ने रखा था। गांधीजी ने 1918 में हिंदी को राजभाषा बनाने की बात की थी। उन्होंने कहा था हिंदी जनमानस भाषा है। भारत के पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री ने संसद में कहा था, संसद और देश की भावना यही है कि हिंदी को संघ की सरकारी भाषा स्वीकार किया

जाए। मैं समझता हूं कि इस पृष्ठभूमि मे जिस बात का उपबंध संविधान में है, वह सामान्यतः स्वीकार्य है कि हिंदी सीखनी चाहिए। देश में महत्वपूर्ण स्थान मिलना चाहिए, परंतु इसे वह महत्वपूर्ण स्थान तभी मिल सकता है, यदि हम इस उद्देश्य को सद्भावना से प्राप्त करें। संविधान सभा में कमलापति त्रिपाठी ने कहा था कि भाषा संस्कृति का आधार होती है और संस्कृति राष्ट्रों के इतिहास और जीवन हैं। उनका उत्थान विकास का आधार होता है। संविधान लागू हुआ तब यह व्यवस्था दी गई कि 1965 तक यानी 15 वर्षों तक अंग्रेजी का इस्तेमाल किया जा सकता है। जब तक सीमा पूरी होती, उससे पहले 1957 में ही अंग्रेजी हटाओ मुहिम को सक्रिय आंदोलन में डॉ. लोहिया ने बदल दिया। लोहिया का मानना था कि हिंदी राष्ट्रभाषा होनी चाहिए। सरकारी कामकाज में इसका इस्तेमाल बढ़ाना चाहिए। उन्होंने कहा था कि संघ की भाषा हिंदी होगी। यह भी कहा था की अंग्रेजी हटाओ आंदोलन का मतलब हिंदी लाओ नहीं है, बल्कि मातृभाषा, लोक भाषा के बिना लोक राज असंभव है। अंग्रेजी के सार्वजनिक प्रयोग को बंद करने की मांग की लोहिया हिंदी के बड़े पैरोकार थे। लोहिया हिंदी के विकास में ही लोकतंत्र का विकास देखते थे। उनका मानना था कि विधायिका, कार्यपालिका, न्यायपालिका में मातृभाषा का प्रयोग न के बराबर आम जनता की प्रजातंत्र में शत-प्रतिशत भागीदारी के रास्ते का रोड़ा है। वे संसद में कम समय ही रहे। लोहिया संसद में अंग्रेजी में कभी नहीं बोले। वे कहते वोट लोक भाषा में मांगते हैं, चुनाव बाद अंग्रेजी बोलना लोकद्रोह है। डॉ. लोहिया का भाषा चिंतन विशेष प्रकार का था। गांधीजी के बाद डॉ. लोहिया स्वतंत्र भारत के अकेले नेता रहे जो भाषा के विषय पर राष्ट्रीय संदर्भ में विचार करते थे। वे अंग्रेजी को सामंती भाषा बताते हुए खतरों से आगाह करते रहे। कहा कि यह श्रमिकों, किसानों और शारीरिक श्रम करने वालों की भाषा नहीं है। अखिल भारतीय अंग्रेजी हटाओ सम्मेलन के प्रथम सम्मेलन का अधिवेशन नासिक महाराष्ट्र में 28, 29 अक्टूबर 1959 को हुआ। अधिवेशन में कई प्रांतो के प्रतिनिधि शामिल हुए थे। हिंदी भाषा के अखिल भारतीय महत्व का पहला कारण यह है कि वह भारत की सबसे बड़ी जाति की भाषा है। दूसरा कारण यह है कि उत्तर भारत, बंगाल, गुजरात और महाराष्ट्र तक की भाषाओं और हिंदी के शब्द भंडार में इतनी ज्यादा समानता है कि लोग उसे आसानी से समझ लेते हैं। तीसरा कारण है राजस्थान के व्यापारी और पूंजीपति भारत के विभिन्न प्रांतो में फैले हुए हैं और साधारणतः हर जगह हिंदी शिक्षा के प्रचार प्रसार आदि में सहायता करते हैं। चौथा सबसे बड़ा महत्वपूर्ण कारण है कि हिंदी भाषा इलाके के मजदूर मुंबई कलकत्ता जैसे बड़े-बड़े नगरों में भारी संख्या में मिलते हैं। डॉ. सुनीत कुमार चाटुर्ज्या ने 1948 के अंतरराष्ट्रीय भाषाविद् सम्मेलन (पेरिस) में यह प्रस्ताव रखा था कि संसार में किसी भाषा के समझाने बोलने वालों के विचारों से हिंदी का नंबर तीसरा है। इसलिए अंग्रेजी, फ्रांसीसी, स्पेनी, रूसी और चीनी के साथ हिंदी को भी राष्ट्र संघ की आधिकारिक भाषा मंजूर करना चाहिए। यह प्रस्ताव बहुत महत्वपूर्ण था। भारत जैसे देश की एक भाषा राष्ट्र संघ में अवश्य होनी चाहिए। रवींद्रनाथ ठाकुर जैसे मनीषियों ने भगीरथ प्रयत्न किया। गांधीजी ने इस बात का जोरदार आंदोलन किया कि शिक्षा का माध्यम भारतीय भाषाएं होनी चाहिए। उन्होंने जापानी की मिसाल देकर बताया कि वहां के लोगों ने यूरोप की विद्या ग्रहण की है, अपनी भाषा के माध्यम से। उनका शिक्षण जापान में होता है, न कि अंग्रेजी में। राष्ट्रीय आंदोलन की यह मांग रही है कि शिक्षा संस्थानों से लेकर न्यायालयों तक में जो सारा काम अंग्रेजी के माध्यम से होता है, वह बंद होना चाहिए। अंग्रेजी ने भारतीय भाषाओं के जो हक छीने हैं, वह उन्हें वापस मिलने चाहिए। तब हम कैसे मानें कि अंग्रेजी यहां लादी न गई थी। और उसे गौरव स्थान देने के लिए यही के देशभक्तों ने प्रयास किया था। अंग्रेजी से कुछ सीखना एक बात है। अंग्रेजी को अपने सामाजिक और सांस्कृतिक कार्यों का माध्यम बना लेना दूसरी बात है। भारत के नवीन सांस्कृतिक जागरण में अंग्रेजी के महत्व को बढ़ा-चढ़ा कर आंका जाता है। अंग्रेजी के माध्यम से प्राप्त विचारधारा इस जागरण की प्रमुख धारा नहीं रही। प्रमुख धारा के तत्व भारतीय ही रहे हैं। डॉ. रामविलास शर्मा (पृष्ठ 380,393 भाषा और समाज) हिंदी के प्रतिष्ठित साहित्यकार सुमित्रानंदन पंत ने कहा था कि हिंदी केवल एक भाषा ही नहीं यह भारतीय संस्कृति की आत्मा है। यह हमारी भावनाओं, विचारों की सहज अभिव्यक्ति का माध्यम है। निराला ने हिंदी को सशक्त और समृद्ध बताया है। उनका कहना है हिंदी केवल भाषा नहीं है, यह एक क्रांति है। जनता की भाषा है। जनता जब जागेगी तो हिंदी के माध्यम से ही अपनी शक्ति प्रकट करेगी। हिंदी हमारी राष्ट्र भाषा, मातृ भाषा है। हिंदी हमारी संस्कृति है। हिंदी के अधिकतम प्रयोग और भारत की राष्ट्रभाषा हिंदी के लिए लगातार वैचारिक अभियान चलाया जाना चाहिए।

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं)

राष्ट्रीय शिक्षा नीति को लेकर स्टालिन सरकार का अड़ियल रुख

शिक्षा नीति को लेकर तमिलनाडु सरकार और केंद्र सरकार की खासी रस्साकशी चल रही है। आठ महीने पहले तमिलनाडु सरकार ने अपनी खुद की शिक्षा नीति (एसईपी) बनाने के लिए जस्टिस मुरुगेसन की अध्यक्षता में कमेटी बनाई थी। इस कमेटी ने अपनी रिपोर्ट सरकार को सौंप दी, लेकिन अभी तक यह पता नहीं चल पा रहा है कि यह नई शिक्षा नीति कब लागू होगी। राज्य सरकार के अड़ियल व्यवहार तथा राजनीतिकरण से तमिलनाडु राज्य के विद्यार्थियों का भविष्य अधर में लटका हुआ है। दरअसल, केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 लागू की है, जिसका उद्देश्य देश की शिक्षा प्रणाली को बदलना है। तमिलनाडु सरकार को इस नीति के कुछ हिस्सों से विशेष आपत्ति है। केंद्र सरकार की शिक्षा नीति के विरोध में वह अपनी अलग शिक्षा नीति बनाना चाहती है। इसी कारण से एसईपी में देरी हो रही है। केंद्र सरकार विश्वविद्यालयों और कॉलेजों को एनईपी लागू करने के लिए बार-बार कह रही है। केंद्र के निदेर्शों के अनुसार जो संस्थान इसे लागू नहीं कर रहे हैं, उनकी फंडिंग रोकी जा रही है। हाल ही में केंद्र सरकार

ने समग्र शिक्षा अभियान के तहत तमिलनाडु की 570 करोड़ रुपये से ज्यादा की फंडिंग रोक दी है। केंद्र सरकार ने यह भी कहा है कि जो उच्च शिक्षा संस्थान एनईपी को लागू करेंगे, उन्हें बेहतर ग्रेडिंग दी जाएगी। विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में एनईपी के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए छात्रों को एनईपी एम्बेसडर बनाने की बात कही जा रही है। तमिलनाडु सरकार का कहना है कि एनईपी के कुछ पहलू छात्रों के हित में नहीं हैं। सरकार को खासतौर पर एकेडमिक बैंक ऑफ क्रेडिट (एबीसी) और मल्टीपल एंट्री और मल्टीपल एग्जिट (एमईएमई) प्रणाली से आपत्ति है। तमिलनाडु सरकार का मानना है कि एबीसी में पारदर्शिता की कमी है और एमईएमई से उच्च शिक्षा की गुणवत्ता पर बुरा असर पड़ेगा। केंद्र सरकार के निदेर्शों के अनुसार, मद्रास विश्वविद्यालय और अन्ना विश्वविद्यालय जैसे कई राज्य विश्वविद्यालय एनईपी के कुछ हिस्सों को लागू कर रहे हैं। मद्रास विश्वविद्यालय ने एबीसी प्रणाली लागू कर दी है और छात्रों के लिए एक गाइड भी जारी किया है। विश्वविद्यालय का कहना है कि अगर वे एबीसी लागू नहीं करते हैं तो उन्हें दूरस्थ शिक्षा कार्यक्रमों से कोई राजस्व नहीं मिलेगा। अन्ना विश्वविद्यालय ने भी एमईएमई प्रणाली लागू कर दी है। विश्वविद्यालय का कहना है कि इससे छात्रों को शिक्षा में विशेष सुविधा मिलेगी। पूर्व अन्ना विश्वविद्यालय के कुलपति ई. बालागुरुसामी का कहना है कि एनईपी के उद्देश्य अच्छे हैं, लेकिन इसे जल्दबाजी में लागू करना सही नहीं है। उनका मानना है कि ऑनलाइन प्रवेश और दोहरी डिग्री जैसे कदम शिक्षा की गुणवत्ता को नुकसान पहुंचा सकते हैं। राज्य साझा स्कूल प्रणाली - तमिलनाडु (कामन स्कूल सिस्टम-तमिलनाडु) के अध्यक्ष पी. रत्नसबपति का कहना है कि यूजीसी सिर्फ एक मार्गदर्शक संस्था है और उसके पास दंड देने का अधिकार नहीं है। उनका मानना है कि विश्वविद्यालयों को यूजीसी सूची से हटाने की धमकी देना यूजीसी के अधिकार क्षेत्र से बाहर है। केंद्र सरकार एनईपी को लागू करने में तेजी लाई है। हाल ही में कक्षा 5 और 8 के छात्रों के लिए नो डिटेंशन पॉलिसी को हटा दिया गया है। अब अगर छात्र परीक्षा में फेल होते हैं तो उन्हें दोबारा परीक्षा देनी होगी। इसी प्रकार एनईपी के तहत 5+3+3+4 शिक्षा प्रणाली लागू की जा रही है, जो पुरानी 10+2 प्रणाली को बदल रही है। क्षेत्रीय भाषाओं में इंजीनियरिंग और मेडिकल कोर्स भी शुरू किए जा रहे हैं। डिजिटल शिक्षा को बढ़ावा दिया जा रहा है। वर्ष 2025 में केंद्र सरकार एनईपी को और अधिक व्यापक रूप से लागू करने पर ध्यान दे रही है। तमिलनाडु सरकार को अपनी शिक्षा नीति पर जल्द ही फैसला लेना होगा। यह देखना होगा कि तमिलनाडु सरकार केंद्र सरकार के दबाव में अपनी नीति लागू करती है या नहीं। वैसे केंद्र और राज्य सरकार के बीच इस उलझन का सबसे ज्यादा असर छात्रों पर पड़ रहा है। उन्हें यह समझ नहीं आ रहा है कि उन्हें किस नीति के अनुसार पढ़ाई करनी है। तमिलनाडु सरकार के हठ से विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में भी अनिश्चितता का माहौल है।

Social Media Corner

सच के हक में...

पूरा विपक्ष संसद में वोटर लिस्ट पर विस्तृत चर्चा की मांग कर रहा है। महाराष्ट्र की वोटर लिस्ट में गड़बड़ियों को लेकर मेरी प्रेस कॉन्फ्रेंस को एक महीने से अधिक हो गया है। मगर पारदर्शिता को लेकर चुनाव आयोग से हमने जो मांगें की थीं, वो अब तक पूरी नहीं की गई हैं। सवाल आज भी वैसे ही बने हुए हैं। अब वोटर लिस्ट में डुप्लीकेट नामों के नए सबूत सामने आए हैं, जिससे और भी नए और गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। लोकतंत्र और संविधान के मूल्यों की रक्षा के लिए यह चर्चा बहुत जरूरी है।

(राहुल गांधी का 'एक्स' पर पोस्ट)

गढ़वा जिले के रंका थाना अंतर्गत गोदरमाना में पटाखा दुकान में आग लगने से 5 लोगों के मृत्यु की दुखद सूचना प्राप्त हुई। ईश्वर दिवंगत आत्माओं को शांति प्रदान करें एवं शोक संतप्त परिजनों को यह अपार दुख सहन करने की शक्ति दें। जिला प्रशासन पीड़ित परिजनों को मुआवजा उपलब्ध कराए एवं पटाखा दुकानों को खुले स्थानों पर सभी मानकों के अनुरूप संचालित करने का दिशानिर्देश जारी करे।

(पूर्व सीएम बाबूलाल मरांडी का 'एक्स' पर पोस्ट)

सावित्रीबाई फुले : महिला शिक्षा की अग्रदूत

सावित्रीबाई फुले ने महिलाओं की शिक्षा और सामाजिक सुधार को अपने जीवन का मिशन बना लिया। उन्होंने विधवा विवाह को बढ़ावा देने, छुआछूत मिटाने और महिलाओं को शिक्षित करने के लिए समाज की रूढ़िवादी सोच से जमकर संघर्ष किया। उस दौर में महिलाओं को घर की चारदीवारी तक सीमित रखा जाता था। हालांकि इस्लामिक आक्रमणों से पहले भारतीय समाज में महिलाओं को शिक्षा प्राप्त करने की स्वतंत्रता थी लेकिन बाद में उन्हें शिक्षा से वंचित कर दिया गया। सावित्रीबाई ने इस सामाजिक अन्याय के खिलाफ आवाज उठाई और महिलाओं के जीवन में शिक्षा का प्रकाश फैलाने का संकल्प लिया। इसके लिए उन्हें भारी विरोध का सामना करना पड़ा। समाज के दकियानूसी लोगों ने उन पर कीचड़ फेंका, उनका अपमान किया लेकिन वे अडिग रहीं। उनके विवाह के समय वे मात्र 9 वर्ष की थीं, जबकि उनके पति ज्योतिबा फुले 13 वर्ष के थे। यह विवाह 1840 में संपन्न हुआ। पेशवाओं द्वारा पुणे में दिए गए एक उपहार स्वरूप बगीचे के कारण उनके परिवार को 'फुले' उपनाम मिला। सावित्रीबाई अपने मायके से एक पुस्तक लेकर आई थीं। इस पुस्तक ने न केवल उनके पति को प्रेरित किया, बल्कि दोनों को शिक्षा की ओर उन्मुख किया। स्वयं शिक्षित होने के बाद उन्होंने समाज में शिक्षा का प्रसार करने का बीड़ा उठाया। 1 मई 1847 को, उन्होंने पुणे के सगुनाऊ क्षेत्र में पहला स्कूल खोला, हालांकि यह अधिक समय तक नहीं चल सका। इसके बाद, 1 जनवरी 1848 को पुणे के भिडे वाडा में बालिका विद्यालय की स्थापना की गई, जो तत्कालीन ब्रिटिश भारत में किसी स्थानीय व्यक्ति द्वारा स्थापित पहला बालिका विद्यालय था। शुरूआती दौर में इस स्कूल में मात्र छह छात्राएं थीं, लेकिन वर्ष के अंत तक यह संख्या 40-45 हो गई। बाद में 18 सितंबर 1851 को पुणे में और 15 मार्च 1852 को बताल पैंठ में और विद्यालयों की स्थापना की गई, जिससे शिक्षा के क्षेत्र में क्रांति आ गई। महिला शिक्षा के क्षेत्र में उनके योगदान को देखते हुए उन्हें भारत की प्रथम महिला शिक्षिका के रूप में जाना जाता है। इससे पहले 1829 में अमेरिकी मिशनरी सिंथिया फर्रार ने मुंबई में लड़कियों के लिए एक स्कूल की शुरूआत की थी। पारसी समुदाय ने भी 1847 में महिलाओं की शिक्षा के लिए एक विद्यालय खोला था। सावित्रीबाई ने सामाजिक बुराइयों को मिटाने के लिए निडर होकर संघर्ष किया। उन्होंने विधवाओं के शोषण को रोकने के लिए पुणे में नाइयों की हड़ताल का आयोजन किया, ताकि विधवाओं का सिर जबरन न मुंडवाया जाए। उन्होंने रात्रि विद्यालयों की शुरूआत की, ताकि दिन में मजदूरी करने वाले श्रमिक रात में शिक्षा प्राप्त कर सकें। जातिगत भेदभाव के खिलाफ भी उन्होंने प्रभावी कदम उठाए। जब उन्होंने देखा कि दलितों को सार्वजनिक कुओं से पानी नहीं भरने दिया जाता, तो उन्होंने अपने घर का कुआं सभी के लिए खोल दिया। यह उस समय का एक क्रांतिकारी कदम था, जो सामाजिक समरसता की मिसाल बना। सावित्रीबाई ने विधवा महिलाओं के लिए भी अनूठी पहल की। उन्होंने एक गर्भवती विधवा को आत्महत्या करने से रोका, उसकी डिलीवरी अपने घर पर कराई और उसके पुत्र को पाल-पोसकर डॉक्टर बनाया। 1897 में पुणे में प्लेग महामारी फैल गई। सावित्रीबाई और उनके पति ने पीड़ितों की निःस्वार्थ सेवा की। इस दौरान, वे स्वयं भी इस बीमारी की चपेट में आ गईं और 10 मार्च 1897 को उनका निधन हो गया। डॉ. भीमराव अंबेडकर ने कहा था यदि किसी देश की प्रगति को मापना हो, तो वहां की महिलाओं की शिक्षा को देखना चाहिए। सावित्रीबाई फुले ने अपने कार्यों से इस कथन को सिद्ध किया। आज, उनके प्रयासों का ही परिणाम है कि महिलाएं न केवल शिक्षित हो रही हैं, बल्कि विभिन्न क्षेत्रों में सफलता के नए आयाम गढ़ रही हैं। सावित्रीबाई फुले के योगदान को सदा स्मरण किया जाएगा।

हिमालयी त्रासदी

उत्तराखंड के माणा गांव में हिमस्खलन के बाद भारतीय सेना और भारत-तिब्बत सीमा पुलिस की टीमों ने फाहेदार और ठोस बर्फ के मलबे में फंसे 23 मजदूरों को बचाया। सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) की एक कंस्ट्रक्शन साइट पर, जहां आठ कंटेनरों में 54 मजदूर रह रहे थे, घटी इस आपदा में आठ कामगारों की मौत हो गयी। इतना भर कहना नाकाफी होगा कि बचाव अभियान दुष्कर था। बचाव दलों ने समुद्र तल से 10,500 फुट की ऊंचाई पर भारी बर्फबारी के बीच 60 घंटे की तकरीबन लगातार शिफ्ट में काम किया। बर्फ से अवरुद्ध सड़कों को देखते हुए मलबे से निकाले गये लोगों को हेलीकॉप्टरों (पांच हेलीकॉप्टर भारतीय सेना के, दो वायुसेना के और एक नागरिक हेलीकॉप्टर) से जोशीमठ सेना अस्पताल पहुंचाया गया। निकासी में लगाए गए शारीरिक प्रयास के साथ-साथ, बचाव अभियान ने फाहेदार बर्फ, ठोस बर्फ और चट्टान के नीचे दबे कंटेनरों का पता लगाने के लिए ड्रोन आधारित डिटेक्शन सिस्टम का भी इस्तेमाल किया। भारतीय क्षेत्र की आखिरी चौकियों में शामिल और चीन से लगी सीमा के करीब माणा में जिस तरह का हिम-स्खलन हुआ, वह हिमालयी राज्यों में अनोखा नहीं है। यहां के गांववाले ऐतिहासिक रूप से शीत-प्रवासी रहे हैं, जिसका मतलब है कि सर्दियों के महीनों में गांव सूना होता है। नवंबर में बद्रीनाथ मंदिर के कपाट बंद होने की रस्म के साथ, जाड़े के लिए, नीचे की ओर स्थित गोपेश्वर और ज्योतिर्मठ जैसे गांवों की ओर प्रवासन होता है। गांव के निवासी अप्रैल या मई में मंदिर दोबारा खुलने पर ही लौटते हैं। यह पारंपरिक समझ-बूझ का हिस्सा है और इसका संबंध ऊपरी हिमालयी क्षेत्र के आपदाओं के जोखिम से ग्रस्त रहने के अनुभव से है। इस परिपाटी ने भले ही गांव के निवासियों को बचा लिया हो, लेकिन तब भी यह सवाल उठता है कि क्या कामगार जिनमें से कई प्रवासी थे, अपने काम के जोखिम के खतरों से समुचित रूप से अवगत थे।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899, Editor- Fahim Akhtar. Mob - 9431311669, E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

In the shadow of my mother's posthumous glory

Remember, like it was yesterday, when Karan Johar was inexorably fixated on Alia Bhatt this, Alia Bhatt that, Alia Bhatt every two words I spout. The diminutive, baby-faced mascot of cute emojis had to sit the pouty gentleman down, and said: "You are not my mother! STFU."

Freud has said: If it's not one thing, it's your mother.

Ever since I wrote my mother's memoir, on her life as a tawaif before and after me, the title of which I find too long to type and refer in its abbreviated form as 'TLC' (Tender Loving Care), I have been talking nonstop about her. I wish to wash my hands of her. As timelines refresh, I look forward to when I do not have to mention her name, except when I am paid to reflect, like this gig. My ears may voluntarily turn deaf any moment now hearing my own nasal voice howl a thumri about her khooobsurti, hunar, adab, shokhi, adaa, saadgi and her unparalled akal-mandi arriving by the accidental criss-crossing of her gardish ke sitare.

My mother has been dead for two years. Grieving isn't a daily ritual like a prayer when prayer itself isn't a habit I wear like an undershirt. I want to move on to the next story. I want to tell my own story. It may not be as raw, brave, courageous (same as brave), poignant and inspiring as hers, as reviewed and reported in the media. That has made me jealous, unapproving of her posthumous glory. In sync with the vainglorious times we inhabit, let's move on to the next chapter: Me, me, me.

My mother had a rough, tumultuous life, and thereof she then had the smarts to make my life velvety and painless. Even privileged, I would say. Not entitled, which is debatably a bulwark of lineage, but privileged, sure; in my case, elite boarding school education, a sheltered childhood and a healthy dose of pep talk: "Bade naazon se paala hai tujhe maine," she said, "kisi baat ki kami nahi honay di hai." You can almost hear a taraqqii-pasand sher, a ghazal, a melody in her tender voice. Yes, I know, I should not be making fun of her. But here's the thing: she would dil khol ke welcome it. Part of surviving with grit is the ability to make light of it. Humour alleviates suffering. She balanced it stupendously.I don't get to complain about having a hard life. Nonpareil to hers, mine's a moonwalk eclipsed by her strife. She had improved me in her mould. I unctuously resent her for it. She gets all the smoky, sultry, messy, masaledar Seventies disco and bang-bang drama. Mine is lyrically Nineties' post-existential art house as watching a red balloon float into the blue, blooming sky. After a few minutes, one gets bored of staring at something so dull and uneventful. What else is a balloon's fate other than fading into the white sun? I ask myself if that's all I have to do for the rest of my life, hover in the shadow of my mother's brilliant, meteoric rise in death.

In the dark comedy film 'Throw Momma From The Train', every time Danny DeVito, a wannabe writer, sits at his typewriter to punch a story, his irascible old mother interrupts him with an errand that makes him lose his train of thought. He struggles with his weird imagination to poison her Pepsi, impale her with surgical scissors, make her trip down a basement staircase or by blowing a trumpet into her ear. I wish for a similar confrontation. I imagine my dear and positively departed mother punching my Adam's apple and saying: "Bas, chup kar, mujhe bolne de." Let her nautch ghost dance. Touche.

The first time I was on stage at a literature festival to talk about my mother shortly after the release of her memoir, I was convinced that the glare of the strong light focused on us was partially blinding me. I was shaking like a leaf, my co-panellist, human rights activist Naseema Khatoon, informed me later. She was raised in a brothel. She spoke eloquently, formidably about her mother. What she said allayed my fears of speaking on stage, interacting with a crowd, facing a spotlight.

She said: "Hum andheron se nikalkar ab roshni mein hain, aur jo log ab tak roshni mein thay woh ab andhere mein hamein sun rahe hain." (We emerge from the darkness into light, and those who were in the light now heed us in the dark).Her encouraging words lit my tail. From then on, it became 'todo sobre mi madre' (all about my mother). I am able to re-direct the focus light on to my mother. When words fail me, I say: Just read the damn book!

I am, however, unequivocally abstemious of well-intentioned compliments from readers.

Changing colours amid the bloom

Policymakers should not repeat the mistakes of unsustainable tourism models in rural areas like Purani Koti

Come April and I cannot wait to get back to my tiny village in the mountains after a seven-month, soul-destroying hiatus in the wasteland that is Delhi. Purani Koti (PK) is 16 km from the concretised and car-swamped purgatory of Shimla. I have built a cottage there and have tried to atone for my large bureaucratic footprint of 35 years by planting, over the years, about 200 trees on my land, of which 180 or so have survived, a much better rate than that of the forest department! They include oak, deodar, chinar and horse chestnut; the most prolific, however, are the weeping willows, which belie their name by looking luxuriantly happy for most of the year.

I like to be there by March-end and personally experience how man, animal and nature all welcome the arrival of spring. During the four months of winter when we can receive as much as 2 feet of snow, PK goes into hibernation. Most outside activities cease, construction of houses and hotels is thankfully suspended, all birdlife, except the tiny tits and bulbuls, disappears. All "outsiders", including "domiciled" ones like me, head back to the metros, leaving to Geetika the onus of keeping our flag flying in these freezing times!Geetika has so fallen in love with this place that she braves it out through much of the winter with her three labradors. She runs a charming homestay, but I have a sneaking feeling that that is just an excuse to stay away from Gurgaon! How can one blame her?

The willows and wild rhododendrons are the first to start leafing and flowering, followed by the rock begonias, hydrangeas, geraniums and nasturtiums: my garden explodes with a new colour every day. The roses, as befits their exalted status, make me wait another month before flashing their blood-red visiting cards. Among the fruit trees, the apricot blossoms stain the landscape a soft pink by the end of March; a few weeks later, the apple and 'nashpati' flowers, too, will add their lilac and white hues to nature's palette.On cue, the butterflies, bees and bumblebees miraculously reappear, though sadly not in the numbers of 15 years ago when I first arrived here. They flit frantically from flower to flower as if renewing friendships of the previous year. There used to be dragonflies earlier but they have now gone.The tiny songbirds, barbets and Himalayan magpies, with their extravagant tails, will be here soon, followed by the incredibly green parrots whose non-stop chattering is the avian equivalent of our social media. The elusive jungle fowl and khaleej pheasant can be spotted again at dawn and dusk in our dense forests of deodar, blue pine and oak, furiously rummaging around in the leaf litter as if looking for something left behind in the summer.

After seven months of living in a neon-reflecting grey shroud, I can see the sun and the stars again, greeting the morning orb with a prayer and wonder in my heart: is this the same sun that one dreads in Delhi? The night sky is like a star-sequinned bosom pressing down on my upturned face — silent, comforting and all-embracing. The only occasional sound is that of a jackal complaining plaintively of his lot in life or the learned hoot of a barn owl. It's Eden without the serpent.The whole village comes to life again: kids in smart new uniforms hop their way to school, labourers from Nepal and Bihar return to jobs in construction and orchards, even the PWD workers survey the potholes while smoking beedis wondering whether it's worth the effort of filling them up. (It's not!). The farmers are back in their now sun-drenched fields, sowing the potatoes, peas and cauliflowers that will see them through the year; the orchardists complete the last of the sprays on apple trees, praying to Shali Mata, the local deity, to spare them the hailstorms that can wipe out a year's earnings in a matter of minutes.

But the rhythms of Eden are changing. Spring arrives a few days early every year, confusing the plants, birds and insects. Villagers are shifting from vegetables to stone fruits and spur variety of apples: these involve less labour, recurring costs and risks; the returns are also higher. There is less water for irrigation each year: vegetables require regular watering, fruit trees do not. The whole economy of the village is changing, which by itself is not a bad thing, for everything must adapt to survive.There is, however, one major discordant note: the unwelcome conversion of rich, productive agriculture lands into plots for building of ugly "villas", hotels and holiday homes for well-heeled outsiders looking for second and third homes. They contribute little to the rural economy; they rarely spend more than a couple of weeks a year in them. But they despoil the green environment, strain the limited infrastructure of power, water, roads; dump their garbage and plastics in the forests and foul the little streams. Fruit trees are felled and whole orchards razed to make way for these pestilential structures. Grazing fields have been built over, to the point where villagers have stopped rearing cattle because there is no grazing available. So, now, milk, butter, ghee and even manure are brought in from outside in plastic bags.

The policymakers have devastated the towns in their quest for quick bucks from a tourism model that is unsustainable; they should not repeat this mistake in rural areas like Purani Koti. Promote only homestays and B+Bs: these do not involve diversion of precious farm land or orchards, do not strain infrastructure yet provide profitable livelihood options for the villagers.

This is, of course, wishful thinking; it will not happen in my lifetime. I don't think my little Eden will retain its natural splendour much longer. I only hope that I've shuffled off this mortal coil when the serpents take over.

Hathras stampede

The Hathras stampede of July 2, 2024, which claimed 121 lives, stands as yet another grim reminder of administrative negligence, lack of planning and the perils of unregulated mass gatherings. The judicial inquiry report, tabled in the Uttar Pradesh Assembly on Wednesday, exposes glaring lapses in crowd management, haphazard permissions and a troubling abdication of responsibility by the authorities. The most damning revelation is the mechanical approval of the event. The permission process, completed in a day without any site inspection, reeks of bureaucratic complacency. The organisers estimated 80,000 attendees, yet over 2.5 lakh devotees swarmed the venue. Despite this, no proactive crowd control measures were in place. Water tankers stationed near a muddy highway created a treacherous ground and sevadars — rather than trained personnel — were tasked with managing the crowd.The report also hints at a conspiracy angle, suggesting attempts to misdirect the probe through suspicious affidavits and misleading narratives. Yet, in its reluctance to directly indict Bhole Baba, the panel leaves room for ambiguity. The absence of his name from the FIR and charge-sheet raises uncomfortable questions — does faith shield individuals from accountability? The recommendations, including mandatory videography, stricter permission protocols and the use of drones for crowd-monitoring, are welcome. But the real challenge lies in ensuring their implementation. In a country where religious gatherings at times morph into stampedes (Maha Kumbh being the latest), will this tragedy serve as a wake-up call or merely be buried under bureaucratic inertia?The Hathras disaster wasn't an accident; it was an avoidable catastrophe. Holding mid-level officials accountable while letting powerful organisers off the hook cannot be the takeaway. The state must move beyond damage control and enforce real, systemic reforms.

Trump-Putin-Modi summit is doable

THE GREAT GAME: Can the PM, whose foreign policy dexterity must be applauded, take a leaf out of Virat's book?

The blow-up between Donald Trump and Volodymyr Zelenskky a week ago is already a thing of the past. The world changed that Oval Office morning and the world saw the raw exercise of power. If Europe — and the Ukrainians — fulminated about the lack of grace and courtesy in the exercise of that power, perhaps they're right. But they also know that it's not easy to make omelettes if you can't break a few eggs.

What is amusing is that the Europeans and Britain are this shocked. The British and the French, both Security Council permanent veto powers — as well as all those other nations on the Continent trying desperately to assert themselves on the world stage — have kowtowed to the Americans at least since the end of the Second World War, riding piggyback on the strength of the American dollar.Europe's worst-kept secret is the barely hidden contempt the Europeans have for the ugly American – except they want their money. The most overpriced baguettes the other side of Suez are manufactured by Parisians in the summer — when Paris empties itself in anticipation of the hordes of American tourists descending upon the French capital, all looking for one or another version of A Moveable Feast a la Hemingway.The thing about Trum & Co — JD Vance, Elon Musk and the lot — is that they have no time for what well-known journalist Shekhar Gupta calls "tanpura-setting." Meaning, all the frills and the fuss that Europe loves so much, couched in words like "egalite" and "liberte" and even "fraternite" — although you should, dear Reader, check out France's not-long-ago record in North Africa, especially Algeria, where even the White French were dismissively known as "pied noir" or "black feet," because they weren't white enough for Mainland French — is all so soul-stirring and uplifting because at the end of the day they know that the bill will be picked up by the Americans across the pond.Well, Trump & Vance just announced that the time for all this "tanpura-setting" is over. Or, you can continue to set your tanpura, but not on our time or our cheque book. So Ukraine is welcome to fight till the last Ukrainian, but not on American money. At least Afghanistan taught the US & Europe one thing — fighting someone else's war doesn't mean your boys should die for it. Perhaps that's why they loosened their purse strings, to assuage their guilt.The blow-up between Donald Trump and Volodymyr Zelenskky a week ago is already a thing of the past. The world changed that Oval Office morning and the world saw the raw exercise of power. If Europe — and the Ukrainians — fulminated about the lack of grace and courtesy in the exercise of that power, perhaps they're right. But they also know that it's not easy to make omelettes if you can't break a few eggs.

What is amusing is that the Europeans and Britain are this shocked. The British and the French, both Security Council permanent veto powers — as well as all those other nations on the Continent trying desperately to assert themselves on the world stage — have kowtowed to the Americans at least since the end of the Second World War, riding piggyback on the strength of the American dollar.

Europe's worst-kept secret is the barely hidden contempt the Europeans have for the ugly American – except they want their money. The most overpriced baguettes the other side of Suez are manufactured by Parisians in the summer — when Paris empties itself in anticipation of the hordes of American tourists descending upon the French capital, all looking for one or another version of A Moveable Feast a la Hemingway.

The thing about Trump & Co — JD Vance, Elon Musk and the lot — is that they have no time for what well-known journalist Shekhar Gupta calls "tanpura-setting." Meaning, all the frills and the fuss that Europe loves so much, couched in words like "egalite" and "liberte" and even "fraternite" — although you should, dear Reader, check out France's not-long-ago record in North Africa, especially Algeria, where even the White French were dismissively known as "pied noir" or "black feet," because they weren't white enough for Mainland French — is all so soul-stirring and uplifting because at the end of the day they know that the bill will be picked up by the Americans across the pond.Well, Trump & Vance just announced that the time for all this "tanpura-setting" is over. Or, you can continue to set your tanpura, but not on our time or our cheque book. So Ukraine is welcome to fight till the last Ukrainian, but not on American money. At least Afghanistan taught the US & Europe one thing — fighting someone else's war doesn't mean your boys should die for it. Perhaps that's why they loosened their purse strings, to assuage their guilt.Virat Kohli, about whom the PM admirably tweets and often, showed the way some days ago when he bent over to tie the shoe-laces of the Pakistani batsman he was playing against — a calm confidence about himself, his game and his place in the world.

Why surging household wealth is good news

The latest data published in the National Stock Exchange monthly bulletin reveals that individuals account for 9.8% of the market directly and 18.2% when their mutual fund share is added.

New Delhi. Individual investors are the largest group in the stock market after promoters. The latest data published in the National Stock Exchange monthly bulletin reveals that individuals account for 9.8% of the market directly and 18.2% when their mutual fund share is added. "Individuals thus own more of the Indian markets than FPIs—the first time since 2006," the bulletin states.

That is good news for the depth of the Indian capital markets, which can stay relatively calm even if foreigners continue to exit.

The other interesting factor is about the household wealth. It has increased rapidly and can significantly affect India's future stock market wealth and consumption. It is now estimated at Rs 79.6 lakh crore, growing at an average 10-year rate of 21.3%. It is just under $1 trillion, which is way higher than $500bn worth of Indian equities owned by foreign portfolio investors.

Predicting human behaviour is like predicting the rains. Despite a lot of data and information, it is hard to determine future actions. Factors beyond the standard data now affect the weather and us. Stock market trends are hard to predict, too. You need knowledge and an understanding of how you react to situations to manage your money.The NSE publishes a monthly bulletin with information that is easy to understand. Similar bulletins are published by the Reserve Bank of India, the Securities and Exchange Board of India and the Bombay Stock Exchange. To get a sense of financial trends, you must try to read these once a month. You may learn something new. Things you feel are tough to understand; you can ignore them if you do not have anyone to help make sense of them. However, getting into a habit of figuring out future trends could be a helpful habit while investing.

The stock market wealth combined with the gold held by the households makes India's consumers a potent force. Analysts believe the value of gold Indian

households hold is well over $1 trillion.

The households that control that stock market wealth would use it to buy real estate or other assets. They may continue to buy more stocks as new initial public offerings hit the market over the next few years. It is a unique opportunity for businesses to list in India and raise the money needed to fuel growth.

Households can also use that money to spend on luxury, foreign or domestic holidays, weddings, or other key life goals. That is excellent news for the Indian economy if some portion of the stock market household wealth is used for spending. For India to grow faster, domestic consumers must spend more on lifestyle products. It would be even better if such products were manufactured in India.

What does it mean

If you are a long-term investor in India, there is no reason to panic. While share prices have been hammered over the past few months, it offers an opportunity for Indian investors to enter the market or add more quality companies to their portfolios.The analysis of corporate profits in the NSE bulletin also predicts weaker profit growth for companies in 2025-26. However, many companies expect urban consumption to increase in the second half of 2025-26 and do even better a year later. If share prices continue to fall, the valuation of Indian shares will soon become attractive for all investors.

For those not into direct investing, index or exchange-traded funds offer a good way to gain exposure to equity assets. There is a tendency to cut exposure to systematic investment plans and mutual funds when share prices fall.

Stock market bounces back, but will the relief rally last

New Delhi. The domestic stock market continued its positive run for the third straight session after a prolonged period of correction. The S&P BSE Sensex gained nearly 400 points in early trade, while the NSE Nifty50 also rose sharply.At around 11:42 am, the Sensex was up 297.11 points higher to 74,629.69 and the Nifty was trading 79.40 points higher at 22,631.90. All the other broader market indices were mixed.Overall, the situation on Dalal Street looks much better than how it appeared at the beginning of last week. Does this mean investors can take it easy now? Unfortunately, experts are not too optimistic about the ongoing recovery rally.The Nifty's strong run last week was backed by slowing FII selling, but analysts say the rally may not have much steam left.

Dr. V K Vijayakumar, Chief Investment Strategist at Geojit Financial Services, pointed out that "market momentum witnessed last week is unlikely to continue beyond a point since the element of uncertainty is high."One major concern is the possibility of reciprocal tariffs on India starting in April. There's no clear picture yet on which sectors will take the hit, keeping traders on edge.

Vijayakumar advised investors to focus on domestic consumption stocks, saying, "Export-oriented segments like IT and pharma will be volatile responding to news flows surrounding US actions."

Prashanth Tapse, Senior VP (Research) at Mehta Equities, also flagged caution, noting that despite some positive signals from the US Fed, concerns around Trump's tariff policies are keeping investors nervous. FIIs have already pulled out a massive Rs 4.13 lakh crore this fiscal year.On the technical side, Anand James, Chief Market Strategist at Geojit, sees some danger signs. "The shooting star candlestick formation on Friday points to indecision or a potential down move," he said.

Explained: Why IndusInd Bank shares fell over 5% in early trade

New Delhi IndusInd Bank shares took a hit on Monday, dropping over 5% in early trade on the Bombay Stock Exchange (BSE).The stock fell 5.4% to a day's low of Rs 886.4 on the Bombay Stock Exchange (BSE) in early trade. At around 10:20 am, shares of the company were trading 3.13% lower at Rs 907.45.

The sell-off came after the Reserve Bank of India (RBI) decided to give CEO Sumant Kathpalia just a one-year extension instead of the three-year term the board had wanted.It may be noted that this isn't the first time RBI has cut short his tenurelast time too, the regulator didn't approve a full term.Investors weren't happy, and the stock has been on a rough ride. In the past year, it's down nearly 42%. In the last six months, it is down over 36%, and 8% in the past five trading sessions.

Brokerages see trouble ahead. Emkay Global slashed its target price from Rs 1,400 to Rs 1,125, though it still kept a 'buy' rating. It warned that the RBI's move could lead to instability at the top and shake up the bank's strategy.Even after the cut, the new target still means a possible 27% upside.

Nuavama, on the other hand, was much more pessimistic. It pointed to weak microfinance conditions, poor earnings visibility, and the risk of an outsider taking over as CEO. It expects the stock to stay under pressure.Kathpalia has been at the helm for five years, steering the bank's stock from Rs 398 to Rs 936 before this latest drop. But concerns over bad loans in the microfinance segment and leadership uncertainty have rattled investors.The RBI usually gives bank CEOs a three-year term, so its decision raises eyebrows. Many see it as a sign the regulator isn't fully convinced about the bank's leadership.

Tame volatility for creating wealth

New Delhi. Investing in a volatile market can feel like navigating a storm, but with the right strategies, you can manage risks and even find opportunities. There's a Tamil saying 'you can't wait for the tides to stop if you want a dip in the ocean'Here's a practical breakdown based on timeless principles and current market dynamics!

1. Understand and accept volatility

Volatility means rapid price swings—up and down. It's driven by uncertainty, economic shifts, geopolitical events, or market sentiment. Right now, markets might be reacting to inflation concerns, interest rate changes, or tech sector disruptions, geo-politics, etc. Knowing why the market's jittery helps you stay calm and strategic. However, trying to specifically find out which factor impacts how much is a total waste of time.

2. Diversify your portfolio

Don't put all your eggs in one basket. Spread investments across:

- Stocks: Mix stable large cap, mid-cap, small-cap mutual funds.• Debt mutual funds – less risky than bonds.• Commodities: Gold, silver – again mutual funds not the commodity directly.
- Cash: Keep some liquidity to scoop up bargains when prices drop.
- REITS – a small way of participating in the expensive retail market.A volatile market punishes over-concentration, so diversification is your shield.

3. Focus on qualityInvest in companies with:

- Strong balance sheets (low debt, high cash reserves).
- Consistent earnings, even in downturns.
- Competitive advantages e.g.,brand loyalty, patents).

4. Rupee-cost averagingInstead of timing the market, invest a fixed amount regularly. When prices dip, you buy more units; when they rise, you buy fewer. Over time, this smooths out the rollercoaster and reduces emotional stress.5. Look for opportunitiesVolatility creates mispricing. Oversold stocks or sectors (e.g., energy during a dip or biotech after a panic sell-off) can be bargains if you've done your homework. Research fundamentals—don't just chase hype.

7. Stay long-termShort-term volatility is noise. If your horizon is 5+ years, temporary drops matter less. Historically, markets recover and grow—think Sensex's resilience since 1979.

8. Manage emotions

Fear and greed spike in volatile times. Stick to a plan. Avoid panic-selling at lows or FOMO-buying at peaks. Data backs this: emotional investors underperform disciplined ones by 2-4% annually.

Zomato transforms into Eternal Ltd as it expands beyond food delivery

New Delhi. Zomato Ltd has officially received shareholder approval to change its corporate name to Eternal Ltd, marking a significant step in the company's bid to diversify its quick commerce operations. The food-tech giant confirmed the decision in a filing with the stock exchanges. However, the change only applies to the corporate entity and not to the Zomato brand or app. The company reassured users that its food delivery service would continue under the same well-known name. Shareholders approve name change and document modifications In addition to the name change, shareholders also approved amendments to Zomato's Memorandum of Association (MoA) and Articles of Association (AoA). These legal documents will now reflect the new corporate identity.The approval came through a postal ballot, as stated in the company's official communication dated February 6 and February 7. The scrutiniser's report detailing the voting outcome was published on March 9. A strategic shift for the company This rebranding move also aligns with Zomato's long-term vision as it expands beyond food delivery. Over the years, the company has diversified into various ventures, including Blinkit, Hyperpure, and District, reinforcing its broader tech-

driven ambitions.On February 6, Zomato's board of directors approved the corporate name change, pending regulatory approvals. This marks a new phase of growth as the company strengthens its position across multiple sectors.New corporate website and stock ticker As part of this transition, Zomato will update its corporate website from zomato.com to eternal.com. Additionally, its stock ticker will change from ZOMATO to ETERNAL, aligning with the company's evolving brand identity. CEO Deepinder Goyal explains the move Zomato's CEO, Deepinder Goyal, provided insights into the name change in a letter to shareholders. He revealed that after acquiring Blinkit, the company internally started using "Eternal" to distinguish between the corporate entity and the Blinkit brand. "The complete criteria for who qualifies for access will be determined at a later stage," Goyal stated, emphasising that this strategic move reflects the company's expanding ambitions. What's next for Zomato (now Eternal Ltd)? The rebranding is expected to strengthen Zomato's market presence and signal its commitment to long-term growth. With a focus on innovation and diversification, the company aims to maintain its leadership in the competitive food-tech and e-commerce ecosystem. While the name on legal documents changes, Zomato's app, service, and brand identity remain unchanged, ensuring a seamless experience for users and partners. Zomato shares were down 1.18 per cent at Rs 214.25 apiece at 11:40 am on Monday, March 10. The stock has declined 22.01 per cent, so far, in calendar year 2025.

EPFO announces new rules for EDLI Scheme: 3 key death benefits updates

New Delhi. The Employees' Provident Fund Organisation (EPFO), in its 237th meeting f the Central Board of Trustees (CBT), announced important changes to the Employees' Deposit Linked Insurance (EDLI) scheme.These updates aim to provide strengthened financial support for the families of employees who pass away while in service.

WHAT IS EDLI?

The EDLI scheme is part of the Employees' Provident Fund (EPF) and acts as a social security benefit. It offers financial assistance to the dependents of an EPF member in the event of the untimely death of the EPF member while still employed.Minimum insurance benefit: As per the announcement, if an employee dies within their first year of service, their family will receive a minimum insurance amount of Rs 50,000.

"A minimum life insurance benefit of Rs. 50,000 will be provided in cases where an EPF member

dies without completing one year of continuous service. This amendment is expected to result in higher benefits for more than 5,000 cases of deaths in service, every year," stated EPFO in its press release.Benefits even after a non-contributory period: Earlier, if an EPF member had a non-contributory period (a time when they were not making EPF contributions) before passing away, their family could be denied the death benefit.However, under the new rule, such cases will now qualify for benefits."Now, if a member passes away within six months of their last contribution received, the EDLI benefit will be admissible, provided the member's name is not stuck off from rolls," said EPFO.Consideration of service continuity: Previously, even a short employment gaplike a weekend or a holidayduring a job switch could make families ineligible for death benefits. Families were denied the minimum benefit of Rs 2.5 lakh and the maximum of Rs 7 lakh because the continuous one-year service requirement was not met."Under the new modifications, a gap of up to two months between two spells of employment will now be considered as continuous service, ensuring eligibility for higher quantum EDLI benefits. This change is expected to benefit more than 1,000 cases of deaths in service, every year," stated EPFO.

AI development risks bias due to underrepresentation of women: Microsoft

New Delhi. The underrepresentation of women in the field of artificial intelligence (AI) poses a significant risk of perpetuating the prevailing societal biases into future technologies, according to a top Microsoft executive.

Himani Agrawal, Chief Partner Officer, Microsoft India and South Asia, believes that inclusion is a shared responsibility and if AI continues to be shaped without diverse perspectives, the biases of today risk becoming hardwired into the technology of tomorrow."This isn't just a number's problem; it's about the future we're building. If AI is shaping the world, then the people shaping AI need to reflect the world's diversity. Otherwise, the biases of today risk becoming hardwired into the technology of tomorrow. "That's why we need to start early -- sparking curiosity in young girls, strengthening mentorship networks, and ensuring women have the skills and leadership opportunities to drive AI forward," Agrawal said in a conversation with PTI.

This holistic approach is crucial to address the "leaky pipeline", where entering the workforce and staying there can feel like an uphill task for many women, she added.This concern is particularly relevant as AI increasingly shapes various aspects of life, from healthcare and finance to education and employment. An AI trained primarily on data reflecting existing societal imbalances could perpetuate those very imbalances, creating a feedback loop of bias.

She shared that women comprise 31.6 per cent of Microsoft's core workforce, and the company is actively working towards better inclusion.The need for greater female participation is especially critical in emerging fields like cybersecurity, where demand is high, but women remain underrepresented."The real challenge and opportunity lies in ensuring that women don't just enter the workforce but thrive in it. Technology has the power to be an equaliser, offering flexible careers, diverse roles, and limitless possibilities. Yet, the crucial transition from mid-level to leadership remains a hurdle for many women. That's where an inclusive culture makes all the difference," Agrawal said.

Reciprocal tariff to impact pharma, textiles sectors most'

New Delhi. With $87.4 billion, of the $322-billion merchandise exports in 2024, coming from the US alone, which has threatened to slap 25% duties on our shipments from April 2, is our largest trading partner with 27% of all exports. Of this, domestic companies have shipped goods worth $87.4 billion to the US, up 4.5% from 2023, while we imported goods worth $41.8 billion, up 3.4% from them, taking the bilateral trade to close to $130 billion. But with reciprocal tariffs getting kicked off from next month (no word on services tariffs yet), exports face an uncertain future.Amidst this rising uncertainty, the Export and Import Bank of India (Exim Bank) has held discussions with exporters and also provided their inputs to the commerce ministry on the potential impact of the duty hikes on our exports, which will be significant, Deepali Agrawal, deputy managing director, Exim Bank, tells TNIE's Benn Kochuveedan. Edited excerpts:

The US has announced 25% tariffs on our goods exports. What is Exim Bank's assessment of the impact of the trade war on our exports?A lot of work is being done because the majority of our exports are to the US. Since the US is our largest trading partner, it will have a significant impact. The exact impact will depend on what the demands are coming in from their side. The problem is that our exports are too concentrated in the US. We have given our inputs to the government on the impact of the reciprocal tariffs that the US will be imposing on our goods from April 2. We've also held discussions with exporters.What are the suggestions you have given to the ministry?

I can't give you the specifics of what we have told the government. But our view is that we must diversify our export basket to other markets like Latin America, Africa, the Middle East, Southeast Asia, where we see a lot of interest for our goods. The point is that shifting or diversifying our focus to other markets should not be merely because of issues with the US. It should be done for the long-term benefits so that issues in one market should not upset our trade in the future. As part of our outreach, we have just opened an office in Sao Paulo, Brazil. We already see a lot of interest being generated from that office.What is your assessment of the likely dumping by

China as it also fights higher US tariffs?The biggest dumping threat will come from Chinese steel mills, which have already been dumping for quite some time. The government has already announced investigations on this.

Which are the sectors that will be hit the hardest?The biggest impact will be on pharma as our companies have the maximum exposure to the US market (around 43% of general medicines sold in the US are made by our companies). Another sector that will have a significant impact will be textiles. Engineering goods will also be impacted.Is the bank seeking capital infusion from the government this year or next as the ministry is pushing for $1 trillion merchandise trade?We are well-capitalised now and so not looking for capital infusion from the government. In fact, for the next few years we don't need extra capital to fund our business. Currently, our equity capital is Rs 20,000 crore and the capital adequacy ratio is 26. We have more than enough growth capital with us. Normally we borrow $3 billion annually, of which 70% are from overseas markets, mostly in dollars, and the rest from domestic sources. But since the pandemic our project export finance, which is around 40% of our assets, has been slowing. Thankfully it has started a marginal revival. This fiscal we've raised only $1 billion in debt and there is no need for funds now. We have an outstanding dollar debt of $3 billion now.What is your target for exports this fiscal and the next?Our export forecast for this fiscal is around $446.5 billion. Of this we have reached already $397 billion as of January. February data is not out yet. For the next fiscal, assessment will be done next month.

Pressing need to restore dignity of Delhi assembly

NEW DELHI. Democracy blossoms if the legislative wing is firm on its footing; democracy flounders of the legislative wing totters. During the discussion on the Motion of Thanks to the address made by the Lieutenant Governor VK Saxena, Delhi Minister Ashish Sood had an interesting fact to share. He pointed out that during the past five years of the rule of the Aam Aadmi Party in the national capital, Delhi Assembly remained if not non-functional, it was dysfunctional.Sood was referring to a data released by a research agency which mentioned, that in the past five years just 74 sitting of Delhi assembly took place. In these sitting deliberations were made for just 215 hours which is just above 11 minutes per day in the past five years. More interestingly just 180 questions were allowed during these five years, and which only 55 were answered on the floor of the house.These figures indicate that the Arvind Kejriwal government completely demolished the sanctity of the Vidhan Sabha. He kept the assembly floor reserved only for verbal fusillade against his political rivals and the government at the Centre. This he did as the privileges of the house protected him from inviting any contempt from the people he targeted.The general practise of the functioning of the legislative houses is that the government of the day sends a Cabinet note to the head of the state, President at the Centre, Governor in the states and the Lieutenant Governor in the case of a Union Territory like Delhi, to summon the house to deliberate legislative business.

The head of the state on examining the legislative agenda permits the summoning of the house, thereafter the Speaker of the House manages the sittings of the session. At the end of the session, the cabinet again send a note to prorogue the house. Proroguing of the house means end of the session and not the dissolution of the House.For the next session, again a Cabinet note would have to be sent and process followed. This process in a way monitors the agenda which the government of the day seeks to bring before the House.

The account of legislative business reflects on the ability of the government to initiate new programmes and policies.Arvind Kejriwal misused this provision to his

advantage. His government would never recommend the prorogation of the house. This allowed his to call 'special sessions' at his whims and fancies and use it to berate his rivals. This he could do as did not need to go to the head of the state to summon the house as it was Speaker's prerogative to resume 'adjourned' house.

So the majority of the hours spent in the sitting of the 7th Delhi Assembly (2020-25) was used in shooting acerbic missives at the political rivals as a helpless head of the state watched the misuse of the House. That the House transacted no quality business is evident from the fact that in these five years only 15 bills were passed.

Of these bills passed, five Bills amended laws to increase the salaries and allowances of MLAs, Ministers, the Leader of Opposition, the Chief Whip, the Speaker, and the Deputy Speaker. There was no substantial discussion on these bills or forthat matter other bills as the majority of the bills were passed by the House on the very day it was introduced. Even important Budget bill on an average got passed just after two days of discussion.One of the major challenges before the current assembly (the 8th Vidhan Sabha) is to uphold the dignity of the House and reintroduce the culture of debate. The Aam Aadmi Party must realise that their rabble rousing acts, in which they indulged in the first session of the current assembly, would not take them very far.They as opposition must participate in the debate and deliberations of the House. The best way for the opposition to lay a siege of the government is to waylay it on the floor of the House through articulate debates.Given the live streaming of the debates, it would also give them the opportunity to take their views to the people.

ED raids Bhupesh Baghel's son in Chhattisgarh liquor scam

Chaitanya Baghel's name came up during the Enforcement Directorate's ongoing investigation into a money laundering case connected to the alleged liquor scam. Raids are currently underway at 14 locations across Chhattisgarh.

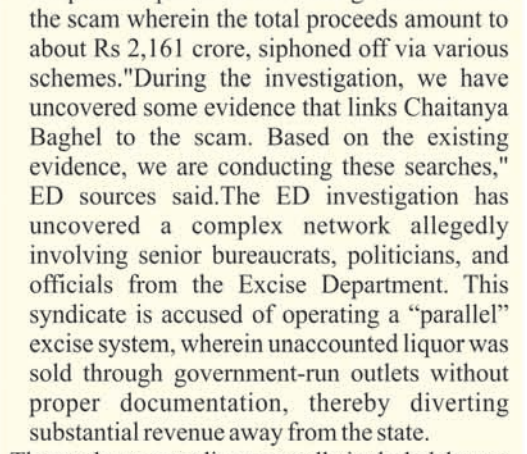

New Delhi. The Enforcement Directorate (ED) on Monday conducted raids at multiple locations linked to Chaitanya Baghel, the son of former Chhattisgarh Chief Minister and Congress leader Bhupesh Baghel, in connection with the state's alleged liquor scam. During the searches, the probe agency seized some electronic gadgets and documents.Chaitanya Baghel's name came up during the ED's ongoing investigation into a money laundering case connected to the scam. Raids are currently underway at 14 locations across Chhattisgarh at premises linked to the former Chief Minister's son and some other individuals connected to the case as well.

Sources told India Today TV that Chaitanya Baghel could be summoned by the Enforcement Directorate for a first round of questioning today.

According to a probe agency official, the ED has found that Chaitanya Baghel is also the recipient of proceeds of crime generated from the scam wherein the total proceeds amount to about Rs 2,161 crore, siphoned off via various schemes."During the investigation, we have uncovered some evidence that links Chaitanya Baghel to the scam. Based on the existing evidence, we are conducting these searches," ED sources said.The ED investigation has uncovered a complex network allegedly involving senior bureaucrats, politicians, and officials from the Excise Department. This syndicate is accused of operating a "parallel" excise system, wherein unaccounted liquor was sold through government-run outlets without proper documentation, thereby diverting substantial revenue away from the state.

The modus operandi purportedly included the use of duplicate holograms and bottles to facilitate the sale of illicit liquor.

In July 2023, the ED filed a prosecution complaint, naming key individuals such as Anwar Dhebar, brother of Raipur Mayor Aijaz Dhebar; former IAS officer Anil Tuteja; and Arunpati Tripathi, Managing Director of the Chhattisgarh State Marketing Corporation Limited (CSMCL).The agency alleged that these individuals played pivotal roles in orchestrating the scam, which involved manipulating procurement processes and accepting commissions from select liquor manufacturers.The ED's investigation revealed that the alleged corruption led to a loss of Rs 2,161 crore to the state exchequer. In response, the agency has attached properties worth approximately Rs 205.49 crore linked to various accused individuals, including businessmen and former bureaucrats.Bhupesh Baghel has previously denied allegations related to the scam, labelling the ED's actions as politically motivated.

After AI, IndiGo faces flak over failure to provide wheelchair aid to 83-year-old passenger

NEW DELHI. Days after an 82-year-old woman was reportedly injured at the Delhi Airport due to Air India's failure to provide a pre-booked wheelchair, another similar incident has surfaced – now involving IndiGo Airlines.

IndiGo is facing backlash over its alleged failure to assist an 83-year-old passenger, Susama Rath, upon her arrival at the Delhi Airport. Rath, who was travelling from Bhubaneswar on IndiGo's 6E 5061 flight on March 5,

was allegedly left to navigate the airport by foot despite having pre-requested wheelchair assistance.Dr Bishnu Prasad Panigrahi, Group Head Medical Strategy & Operations at Fortis Healthcare and Rath's son-in-law, took to social media to express his outrage. He accused the airlines of negligence and insensitivity, flagging 'lack of concern for elderly passengers'.

In response, IndiGo claimed that wheelchairs must be pre-booked at least 48 hours before departure. The airlines claimed no such request was reflected in Rath's booking but extended an apology for the inconvenience. "Dr Panigrahi, we'd like to extend our deepest gratitude for allowing us to address this on the call," it posted on X.

Massive jam in Ghazipur as protesters block National Highway after man shot dead

NEW DELHI. A massive traffic jam unfolded on National Highway 24 in East Delhi's Ghazipur area as protests erupted following the shooting death of a 32-year-old man on Monday.According to the Delhi Police, they received a medico-legal case (MLC) report from Lal Bahadur Shastri Hospital, stating that a man had suffered a gunshot wound on Sunday and was declared dead on arrival. The man, identified as Rohit Chawda was a resident of Ghazipur village.

Deputy Commissioner of Police (East) Abhishek

Dhania, stated that further details are being verified and that efforts are underway to bring all culprits to justice.

According to news agency ANI, the police have registered a case under the Arms Act and for murder. CCTV footage from near the crime scene is being reviewed to identify the attacker. Authorities are also working to determine the route the assailants used to arrive at the location and how they fled after committing the crime.Following the murder, local residents and supporters gathered in large numbers, blocking NH-24 to demand immediate justice. The highway remained jammed for hours, severely impacting traffic movement.According to the police, the murder was the result of an internal dispute related to money between Rohit and the accused. They confirmed that two individuals have been arrested in connection with the case and that multiple teams are actively investigating the matter.

Unused Covid-era medical equipment at Delhi's GTB hospital to be given to other states

NEW DELHI. Medical equipment purchased during the Covid-19 pandemic, including ventilators, oxygen concentrators, masks, and PPE kits that have remained unused for years in GTB Hospital's warehouse will now be distributed to hospitals across Delhi and other states. The Health Department has issued advisory outlining guidelines for their use and redistribution to central hospitals, city-run health institutes, and other states' hospitals.The decision comes after Chief Minister Rekha Gupta's surprise visit to GTB Hospital, where she expressed concern over the stockpiled yet unutilised medical equipment. During her inspection, she discovered that several

critical and expensive medical devices were lying unattended in hospital warehouses without proper supervision. Expressing displeasure over the negligence, the CM directed hospital authorities to immediately ensure better utilization of these resources. Following her orders, the Health Department has issued corrective measures and instructed all government hospitals to properly store equipment per safety norms. Technical experts will inspect the machines, assess their condition, and make them functional for future use.Hospitals have also been directed to redistribute surplus equipment to other state and central hospitals in Delhi, while reaching out to other states that might require such resources. Hospitals must prioritise using existing stock before purchasing new equipment to prevent unnecessary expenditure.

Weather may dampen Holi celebrations in Delhi as rain predicted on March 14

NEW DELHI. A shift in weather patterns is expected to add an unpredictable twist to this year's Holi celebrations, with the India Meteorological Department (IMD) predicting light rainfall in Delhi and other parts of the country on March 14.According to weather department forecast, the country has experienced dry weather over the past few days, but significant changes are anticipated, beginning with the arrival of a western disturbance over the Himalayas on Sunday.Typically active during winter, the western disturbance has remained influential into March this year. A strong system at the end of February and early March brought heavy snowfall to the mountains and widespread rainfall in the plains. Another such system is set to become active over the upper Himalayan region on Sunday, triggering fresh snowfall.

IMD has also predicted that the impact of the western disturbance will not be

limited to mountainous regions. Between March 9 and 14, Jammu and Kashmir, Himachal Pradesh, and Uttarakhand are expected to experience snowfall in various areas. Rainfall is predicted in Punjab from March 12 to 14, while Haryana and Delhi could see showers on March 13 and 14. Western Uttar Pradesh may also receive rainfall on March 14, coinciding with Holi celebrations.

Delhi's maximum temperature settled 4.4 notches above normal at 32.8 degrees Celsius on Sunday. For Monday, the weather office has forecast misty conditions, with the maximum and minimum temperatures expected to settle at 32 degrees and 15 degrees Celsius.

Strong winds are also expected to sweep through Delhi and its neighbouring areas on March 11 and 12, reaching speeds of up to 30 km per hour across the Indo-Gangetic plains. Meanwhile, heatwave conditions are likely in parts of Gujarat, including Saurashtra and Kutch, in the days leading up to Holi.Gujarat usually sees a rise in temperature after Holi, but this year, the Meteorological Department has issued a pre-Holi yellow alert. The alert, covering 13 districts, is in effect for four days starting today, with intense heat expected over the next 48 hours.Rising temperatures are also expected to affect Goa and the Konkan region, intensifying heat stress in these areas.

Vanuatu moves to cancel fugitive Lalit Modi's passport: Bid to avoid extradition

Vanuatu Prime Minister Jotham Napat accused the fugitive businessman and ex-IPL chief Lalit Modi of using the island nation's citizenship to evade extradition.

New Delhi. Fugitive businessman and Indian Premier League (IPL) founder Lalit Modi has lost the citizenship of the island nation Vanautu, which he had reportedly acquirred before recently applying to surrender his Indian passport at the Indian High Commission in London. Vanuatu Prime Minister Jotham Napat on Monday ordered the Citizenship Commission to cancel Modi's Vanuatu passport, accusing the fugitive businessman of using the South Pacific Island nation's citizenship to evade extradition.Lalit Modi, who is believed to be living in London, is wanted by Indian law enforcement agencies in connection with allegations that he was involved in embezzlement of crores of rupees during his stint as the boss of the IPL."I have instructed the Citizenship Commission to immediately begin proceedings to cancel Lalit Modi's Vanuatu passport," Vanuatu's PM Napat said in an official statement.The prime minister also explained that Modi's citizenship application had undergone standard background checks, it was only in the past 24 hours that the country came across information that Interpol had twice rejected India's requests to issue an alert

notice against him due to insufficient judicial evidence.Such an alert, if approved, would have automatically led to the rejection of the businessman's citizenship application.

"I have been made aware in the past 24 hours that Interpol twice rejected Indian authorities' requests to issue an alert notice on Mr Lalit Modi due to lack of substantive judicial evidence. Any such alert would have triggered an automatic rejection of Mr Modi's citizenship application," the statement read.

Furthermore, PM Napat also pointed out that Vanuatu citizenship is a privilege, not a right, and applicants must seek it for legitimate reasons. "None of those legitimate reasons include attempting to avoid extradition, which the recent facts brought to light clearly indicate was Lalit Modi's intention," he stated.

The fugitive businessman submitted an application to surrender his Indian passport on March 7, a move later confirmed by the Ministry of External Affairs (MEA)."He has made an application for surrendering his passport in the high commission of India, London. The same will be examined in light of extant rules and procedures. We are also given to understand that he has acquired citizenship of Vanuatu. We continue to pursue the case against him as required under law" MEA spokesperson Randhir Jaiswal had said.

NEWS BOX

Trump says US in talks with four groups over TikTok sale: All options good

world. US President Donald Trump said on Sunday that his administration was in touch with four different groups about the sale of Chinese-owned social media platform TikTok, and that all options were good.

TikTok's fate has been up in the air since a law requiring its owner ByteDance to either sell it on national security grounds or face a ban took effect on January 19. Trump, after taking office on January 20, signed an executive order seeking to delay by 75 days the enforcement of the law.Asked if there was going to soon be a deal on TikTok, Trump told reporters aboard the Air Force One, "it could.""We're dealing with four different groups, and a lot of people want it ... all four are good," he added.

TikTok and ByteDance did not immediately respond to Reuters' requests for comment outside of normal business hours.The turmoil at TikTok has attracted several potential buyers, including former Los Angeles Dodgers owner Frank McCourt, who have expressed interest in the fast-growing business analysts estimate could be worth as much as $50 billion.

Donald Trump declines to rule out 2025 US recession

WASHINGTON. President Donald Trump declined Sunday to rule out the possibility that the United States might enter a recession this year.

"I hate to predict things like that," he told a Fox News interviewer when asked directly about a possible recession in 2025."There is a period of transition, because what we're doing is very big -- we're bringing wealth back to America," he said, adding, "It takes a little time."Trump's commerce secretary, Howard Lutnick, was more definitive when asked Sunday about the possibility of a recession."Absolutely not," he told NBC's "Meet the Press" when asked whether Americans should brace for a downturn.

Trump's on-again, off-again tariff threats against Canada, Mexico, China and others have left the US financial markets in turmoil and consumers unsure what the year might bring.Stock markets just ended their worst week since the November election.

Measures of consumer confidence are down, as shoppers -- already battered by years of inflation -- brace for the higher prices that tariffs can bring.

And widespread government layoffs being engineered by Trump's billionaire advisor Elon Musk add further concern.When asked later Sunday to clarify his remarks on whether there could be a recession, Trump told reports on Air Force One "Who knows?"

Overall, the signs are mixed.

A widely watched Atlanta Federal Reserve index now predicts a 2.4 percent contraction of real GDP growth in the year's first quarter, which would be the worst result since the height of the Covid-19 pandemic.

Much of the uncertainty stems from Trump's shifting tariff policy -- effective dates have changed, as have the sectors being targeted -- as businesses and investors try to puzzle out what will come next.

Kevin Hassett, Trump's chief economic advisor, was asked on ABC whether tariffs were primarily temporary or might become permanent.Hassett said that depended on the behavior of the countries targeted. If they failed to respond positively, he said, the result could be a "new equilibrium" of continuing tariffs.

First Solar Eclipse Of 2025 This Month, Will It Be Visible From India

world. The first solar eclipse of the year is set to occur on March 29. The celestial event takes place when the Moon is closer to Earth and passes directly between the Earth and the Sun, blocking sunlight and casting a shadow on Earth's surface. It will be a partial solar eclipse, covering only a portion of the Sun.

On March 29, the solar eclipse will begin at 2:20 pm (IST) and end at 6:13 pm, lasting approximately four hours. The eclipse will be at its peak at 04:17 pm, reported NASA.

The solar eclipse will be visible from Asia, Africa, Europe, the Atlantic Ocean, the Arctic Ocean, North America, and South America. Unfortunately, it will not be visible from India.Unlike a lunar eclipse, which can be safely observed with the naked eye, a solar eclipse should not be watched directly. It can result in retinal burns and irreversible eye damage. Wearing

appropriate eye protection is always advised when observing a solar eclipse.NASA has predicted two solar eclipses for 2025. The first is scheduled for March 29, while the second is likely to take place on September 21.

This year, there will also be two lunar eclipses. The first one will occur on March 14, coinciding with the festival of Holi. It will begin at 09:29 am and end at 03:39 pm. The event will last for an hour and four minutes. The eclipse will reach its peak at 12:29 PM. The celestial event will not be visible from India.

It will be a "Blood Moon", which occurs when the Earth passes directly in front of the Sun and Moon, giving the moon a red appearance. This happens when the Earth's atmosphere bends some sunlight towards the Moon, absorbing all the other colours.

Israel cuts Gaza's power, hitting water supply; Hamas calls it starvation policy

UN criticises Israel for suspending supplies to Gaza
Hamas calls it part of Israel's 'starvation policy'
US confirms direct talks with Hamas for potential truce

Tel Aviv. Israel cut off the electricity supply to Gaza, officials said Sunday, affecting a desalination plant producing drinking water for part of the arid territory. Hamas called it part of Israel's "starvation policy."

Israel last week suspended supplies of goods to the territory of more than 2 million Palestinians, an echo of the siege it imposed in the earliest days of the war.Israel is pressing the militant group to accept an extension of the first phase of their ceasefire. That phase ended last weekend. Israel wants Hamas to release half of the remaining hostages in return for a promise to negotiate a lasting truce.Hamas instead wants to start negotiations on the ceasefire's more difficult second phase, which would see the release of remaining hostages from Gaza, the withdrawal of Israeli forces and a lasting peace. Hamas is believed to have 24 living hostages and the bodies of 35 others.

The militant group which has warned that discontinuing supplies would affect the hostages said Sunday that it wrapped up the latest round of ceasefire talks with Egyptian mediators without changes to its position.Israel has said it would send a delegation to Qatar on Monday in an effort to "advance" the negotiations.Israel had warned when it stopped all supplies that water and electricity could be next. The letter from Israel's energy minister to the Israel Electric Corporation tells it to stop selling power to Gaza.The territory and its infrastructure have been largely devastated, and most facilities, including hospitals, now use generators. Hamas spokesman Hazem Qassam said that Israel has "practically" cut off electricity since the war began and called the latest decision part of Israel's "starvation policy, in clear disregard for all intenational laws and norms."

The desalination plant was providing 18,000 cubic meters of water per day for central Gaza's Deir al-Balah area, according to Gisha, an Israeli organization dedicated to protecting Palestinians' right to freedom of movement. Executive director Tania Hary said that it's expected to run on generators and produce around 2,500 cubic meters per day, about the amount in an Olympic swimming pool.Israel's restrictions on fuel entering Gaza have a larger impact, Hary said, and water shortages are a looming issue, because fuel is needed for distribution trucks.Israel has faced sharp criticism over suspending supplies.

"Any denial of the entry of the necessities of life for civilians may amount to collective punishment," the UN human rights office said Friday.The International Criminal Court said there was reason to believe Israel had used "starvation as a method of warfare" when it issued an arrest warrant for Prime Minister Benjamin Netanyahu last year.

US authorities arrest Palestinian student protester at Columbia University

New York. Agents from US President Donald Trump's administration arrested a Palestinian graduate student who played a prominent role in last year's pro-Palestinian protests at New York's Columbia University, four fellow students said on Sunday.

The student, Mahmoud Khalil at the university's School of International and Public Affairs, was arrested by US Department of Homeland Security agents at his university residence on Saturday, said undergraduate student Maryam Alwan and three other students who asked not to be identified, citing fears of reprisals.Khalil has been one of the negotiators with school administrators on behalf of the pro-Palestinian student protesters, who set up a tent encampment on a Columbia lawn last year.Khalil's detention appears to be one of the first efforts by Trump, a Republican who returned to the White House in January, to fulfill his promise to seek the deportation of some foreign students involved in the pro-Palestinian protest movement. The October 7, 2023, Hamas attack on

Israel and subsequent Israeli assault on Gaza led to months of pro-Palestinian protests that roiled US college campuses.A spokesperson for Columbia said the school was barred by law from sharing information about individual students.Spokespeople for the Department of Homeland Security and the Department of State, which oversees the country's visa system, did not respond to questions.In an interview with Reuters a few hours before his arrest on Saturday, Khalil said he was concerned that he was being targeted by the government and some conservative pro-Israel groups for speaking to the media.

The Trump administration on Friday said it had cancelled government contracts and grants awarded to Columbia University worth about $400 million. The government said the cuts and the student deportation efforts are because of antisemitic harassment at and near Columbia's Manhattan campus."What more can Columbia do to appease Congress or the government now?" Khalil said before his arrest, noting that Columbia had twice called in police to arrest protesters and had disciplined many pro-Palestinian students and staff, suspending some.

"They basically silenced anyone supporting Palestine on campus and this was not enough. Clearly Trump is using the protesters as a scapegoat for his wider agenda fighting and attacking higher education and the Ivy League education system."Alwan, a Columbia senior who has protested alongside Khalil, said the Trump administration was dehumanising Palestinians."I am horrified for my dear friend Mahmoud, who is a legal resident, and I am horrified that this is only the beginning," she said.

Europe's Dependence On US Arms Rose In Last 5 Years: Report

Stockholm, Sweden.NATO countries in Europe more than doubled their arms imports in the past five years, more than 60 percent of which were purchases of US weaponry, researchers on Monday.

The findings by the Stockholm International Peace Research Institute (SIPRI) coincide with an announcement by European Union states that they intend to strengthen the continent's defence capabilities in response to a US foreign policy shift under President Donald Trump.

In the period 2020 to 2024, Ukraine became the world's largest arms importer.The United States consolidated its position as the world's top weapons exporter -- accounting for 43 percent of global exports -- far ahead of the second largest, France, which accounted for 9.6 percent.Over that same period, arms imports by European NATO members rose by 105 percent compared to the previous five years.That reflects "the rearmament taking place among states in Europe in response to the threat from Russia", said Mathew George, the head of the SIPRI Arms Transfers Programme.

The United States provided 64 percent of these weapons, compared to 52 percent in the period from 2015 to 2019.

"With an increasingly belligerent Russia and transatlantic relations under stress during the first Trump presidency, European NATO states have taken steps to reduce their dependence on arms imports and to strengthen the European arms industry," senior researcher Pieter Wezeman said.

"But the transatlantic arms supply relationship has deep roots.

"Imports from the USA have risen and European NATO states have almost 500 combat aircraft and many other weapons still on order from the USA," he added.Countries including Italy and the United Kingdom have also bought US-made F35 fighter jets and Patriot anti-air defence systems, which are complex systems that are difficult to quickly substitute, Wezeman told AFP."The F-35 is, of course, an American product but as part of (F-35) sales to European states ... the industry in those states has also been involved in the production of key components," the researcher said.Countries like Belgium, the Netherlands and Denmark -- which is currently embroiled in diplomatic tensions with the United States over Greenland's future -- are even more dependent on US weaponry, he explained.

Changing that "would require an enormous financial and political investment", Wezeman said.

Mark Carney wins big, slams Trump: Canada will never be America's 51st state

world. After securing a landslide victory in the Liberal Party's leadership race, Mark Carney made a bold declaration on Canada's sovereignty, vowing never to let Ottawa become "part of America in any way".

The 59-year-old political newcomer, who previously led both the Bank of Canada and the Bank of England, clinched the leadership from Justin Trudeau with an overwhelming 86 per cent of the vote, defeating former Finance Minister Chrystia Freeland.

Addressing US President Donald Trump's repeated calls to make Canada the 51st state, Carney (59) said, "America is not Canada. Canada will never ever be part of the US in any way, shape, or form".A vocal critic of Trump, Carney doubled down on his stance during his victory speech, warning that US ambitions for Canadian resources, water, and land posed a direct threat. "If they succeeded, they would destroy our way of life," he said."The Americans want our resources, our water, our land our country," Carney told a roaring crowd in Ottawa after the announcement of the general

election results.Mark Carney's statement came as trade tensions between Ottawa and Washington remain high.In December, then-US President-elect Donald Trump referred to Canadian Prime Minister Justin Trudeau as the 'Governor' of the "Great State of Canada" while threatening to impose tariffs on Canadian products.On February 3, after taking office as US President, Trump suggested that Canada should become the 51st US state to avoid tariffs and receive military protection. Reports indicate that Canadian officials took his remarks seriously.Mark Carney also declared that Canada's countermeasures against Trump's tariff threats would persist until the US demonstrates a genuine commitment to free and fair trade."We cannot and will not let him succeed," Carney asserted. "We are Canada strong".Justin Trudeau's decision to step down in January after more than nine years in power, amid plummeting approval ratings, forced the ruling Liberal Party into a swift leadership race.

Mark Carney's victory marks a historic shift, making him the first political outsider to become Canada's Prime Minister.

North Korea unveils its first nuclear-powered submarine, with 'help' from Russia

Moon, the submarine expert, said that North Korea may have received Russian technological assistance to build a nuclear reactor to be used in the submarine in return for supplying conventional weapons and troops to support Russia's war efforts against Ukraine.

Seoul. North Korea unveiled for the first time a nuclear-powered submarine under construction, a weapons system that can pose a major security threat to South Korea and the US.The state media agency on Saturday released photos showing what it called "a nuclear-powered strategic guided missile submarine," as it reported leader Kim Jong Un's visits to major shipyards where warships are built.The Korean Central News Agency, or KCNA, didn't provide details on the submarine, but said that Kim was briefed on its construction.The naval vessel appears to be a 6,000-ton-class or 7,000-ton-class one which can carry about 10 missiles, said Moon Keun-sik, a South Korean submarine expert who teaches at Seoul's Hanyang University. He said that the use of the term "the strategic guided missiles" meant it would carry nuclear-capable weapons."It would be absolutely threatening to us and the US," Moon said.US National Security Council spokesman Brian Hughes said that "we're aware of these claims and do not have additional information to provide at this time."The US is committed to the complete denuclearization of North Korea," Hughes said.A nuclear-powered submarine was among a long wish list of sophisticated weaponry that Kim vowed to introduce during a major political conference in 2021 to cope with what he called escalating US-led military threats. Other weapons were solid-fueled intercontinental ballistic missiles, hypersonic weapons, spy satellites and multi-warhead missiles. North Korea has since performed a run of testing activities to acquire themNorth Korea obtaining a

greater ability to fire missiles from underwater is a worrying development, because it's difficult for its rivals to detect such launches in advance.Questions about how North Korea, a heavily sanctioned and impoverished country, could get resources and technology to build nuclear-powered submarines have surfaced.Moon, the submarine expert, said that North Korea may have received Russian technological assistance to build a nuclear reactor to be used in the submarine in return for supplying conventional weapons and troops to support Russia's war efforts against Ukraine.He also said that North Korea could launch the submarine in one or two years to test its capability before its actual deployment.North Korea has an estimated 70-90 diesel-powered submarines in one of the world's largest fleets. However, they are mostly aging ones capable of launching only torpedoes and mines, not missiles..In 2023, North Korea said that it had launched what it called its first " tactical nuclear attack submarine," but foreign experts doubted the North's announcement and speculated that it was likely a diesel-powered submarine disclosed in 2019. Moon said that there has been no confirmation that it has been deployed.

NEWS BOX

Champions Trophy victory proves why Gautam Gambhir is right man for white-ball job

New Delhi.India head coach Gautam Gambhir watched on as his team celebrated winning the Champions Trophy on Sunday, March 9. Gambhir observed the whole thing from a distance, with a grin on his face. The outspoken coach had decided to take a step back, perhaps for the first time during his tenure with the Indian team, revelling in the success of his own making.

After all, this was Gambhir's firs title as the head coach of any team. Earlier, he had been with the coaching staff of Indian Premier League teams Lucknow Super Giants and Kolkata Knight Riders, but none of them were in the direct capacity of head coach. Gambhir was successful there, making it to two playoffs with LSG, and then winning the title with KKR in 2024. But, as everyone knows, when you have skin in the game, things are vastly different.The former India

opener has been vociferously defensive of his team. One might mistake it for arrogance or a bully-like attitude when Gambhir speaks with a 'tone' in press conferences. In fact, ahead of the knockouts of the Champions Trophy 2025, Gambhir called the critics of the Dubai pitch 'perpetual cribbers,' shutting down criticism about India's perceived advantage in the tournament.For someone that outspoken, it was a little odd that the celebration was this mutedone that did not involve him jumping around the Dubai International Stadium. Heck, Gambhir celebrated India saving their follow-on in a Test match vs Australia more than winning the ICC title.Perhaps that is the case. Perhaps Gambhir feels more secure in the white-ball format than he does in the red-ball format. For him, a white-ball title may just have been one step away. Gambhir's words after the team's Champions Trophy win point in the same direction.The clarity of thought with which Gambhir spoke to the broadcaster after the match made it feel like the Champions Trophy win had been 9 months in the making. Gambhir spoke about one simple formula that helped India win the tournament: using 6 bowlers rather than 5. Gambhir revealed that his template was set last year before joining the Indian team, and he simply stuck to his plan, whether in wins or losses.

Serie A: Napoli win refreshes title hopes as Atalanta thrash Juventus

Antonio Conte's Napoli climbed back to within a point of leaders Inter Milan and Atalanta stay within three points of Inter after snapping Juventus' five-game winning streak.

ROME. Napoli breathed fresh life into their Serie A title hopes on Sunday with a 2-1 victory over Fiorentina that ended a five-match winless run, while Atalanta routed Juventus 4-0 to stay in the hunt.

Romelu Lukaku gave Napoli the lead on 26 minutes and Giacomo Raspadori doubled that on the hour before Albert Gudmundsson pulled a goal back for Fiorentina.

Antonio Conte's Napoli climbed back to within a point of leaders Inter Milan, who came from two goals down to beat bottom side Monza 3-2 on Saturday."We deserved the victory," said Conte."We could have been a bit more efficient with our chances and managed the final part of the game with less anxiety because let's not forget that we dropped many points around the 90th minute in the last five games."Napoli, who won the title two years ago, were top at the end of January but have been playing catch-up with Inter after picking up just four points in five matches before beating Fiorentina at the Stadio Diego Armando Maradona.

Atalanta hammered Juventus 4-0 in Turin to stay within three points of Inter and snap the hosts' five-game winning streak. It was just a second defeat of the season for Thiago Motta's side.Mateo Retegui notched his league-leading 22nd goal of the season from the penalty spot after a handball in the first half and Marten de Roon added a second right after the break for Atalanta.

Davide Zappacosta steered in a third for Gian Piero Gasperini's rampant side before Ademola Lookman's deflected strike completed a thumping victory."It was an unimaginable result for many, but it was the perfect performance from us," Gasperini told DAZN, suggesting an unlikely tilt at the Scudetto for the traditionally small, provincial club was not beyond them."People need to dream. We must never stop them dreaming. We may say it's impossible, but if you believe enough, things can become possible."Fourth-placed Juventus are now nine points adrift of Inter and could be overtaken by Lazio, who host Udinese on Monday.

Motta said the defeat signalled the end of any outside title chances for his team.

"We are sad, we are disappointed, but at the same time this talk of the Scudetto that you dragged us into will no longer be talked about," he said.Roma continued their resurgence under Claudio Ranieri as Matias Soule's goal after only 22 seconds was enough to secure a 1-0 win at Empoli for their fifth successive league victory.The 73-year-old Ranieri has brought stability to a club that sacked Daniele De Rossi in September and then moved on from his successor Ivan Juric less than two months later.Roma are unbeaten in 12 games in Serie A since mid-December, rising from just above the relegation places into contention for Europe next season.They are four points behind Bologna in sixth, which offers a spot in the UEFA Conference League.

Controversy erupts over PCB officials' absence at CT presentation ceremony

KARACHI. A controversy erupted on Sunday over the failure of the ICC to invite a Pakistan Cricket Board (PCB) official on stage for the closing ceremony of the Champions Trophy in Dubai.

A source said that the PCB's chief executive officer Sumair Ahmed, who is also the director of the tournament, was present at the venue but was not invited for the ceremony."PCB chairman Mohsin Naqvi didn't go to Dubai because of prior commitments as federal minister for interior but the PCB CEO was sent to represent Pakistan at the final and closing presentation," the source said.

He said for some reason or misunderstanding, the PCB official was not called on the podium, from where ICC chairman Jay Shah, BCCI president Roger Binny and secretary Devajit Saikia gave away the medals, trophies, and jackets to the players.

The source added that perhaps the CEO might not have been able to communicate properly to the ICC people responsible for organising the final ceremony and was left out.

Pakistan as hosts of the Champions Trophy, thus, didn't have any representative on the podium.The PCB is expected to take up the matter with the ICC as to why its CEO was not invited on stage for the closing ceremony.Meanwhile, former fast bowler Shoaib Akhtar also questioned the absence of PCB officials from the post-match presentation ceremony after the final of the tournament."India has won the Champions Trophy but I noticed there was no representative from the PCB after the final. Pakistan was hosting the Champions Trophy. I do not understand it," Akhtar said in a video posted on social 'X'.

"Why was nobody (from PCB) there to present the trophy? It is beyond me. It is something to think about. This is the world stage, you should have been here. Feeling very down to see that," Akhtar added.

BCCI president Binny presented the white jackets to India and the medals to match officials, while ICC chairman Shah handed the trophy to Rohit Sharma and gave the medals to the Indian players.India had refused to play their matches in Pakistan citing security concerns.The PCB agreed to a hybrid model, allowing India to play their games in Dubai.

I remember 2017 very closely, couldn't finish that time: Hardik after 2025 triumph

DUBAI. As his teammates basked in the glory of India's success in the Champions Trophy here on Sunday, star all-rounder Hardik Pandya remembered the heartbreak in the 2017 edition of the tournament.

Back then India had lost to traditional rivals Pakistan in the final in England, where Hardik was part of the team."Always amazing to win an ICC event. I remember 2017 very closely, couldn't finish that time. Very pleased to have done it here," Hardik, who contributed significantly to India's title triumph on Sunday, told the official broadcaster.

Hardik was the lone ranger for India in the 2017 final as he smashed a 43-ball 76, but the knock could not prevent his team from suffering a heavy defeat.Set a target of 252 by New Zealand, India completed the task with four wickets and six balls to spare to win their third Champions Trophy title, after 2002 and 2013.

The all-rounder was also full of praise for KL Rahul, another contributor to the team's triumphal march and who made an unbeaten 34 in the final."KL was calm, he took his chances at the right time. He has immense talent, no one can time it as well as him."

Rahul anchored the chase after India lost a couple of wickets to find themselves at 203/5 in the 42nd over.The Karnataka cricketer said he was always confident of getting the job done."As confident as I could be that I could get over the line. Keeping composure is all that matters, happy to have done it this time. I've batted in times like this in three out of the five games," Rahul said.

"Hard to put in words, but the team has pure skill. The way we've all had to play cricket growing up, we faced pressure from the time we became professional cricketers. The BCCI have groomed all of them and we've challenging ourselves to get better," the soft-spoken batter said.Mystery spinner Varun Chakaravarthy, Rohit's trump card in the tournament with nine wickets in three matches, called it a dream-come-true moment for him.

Arsenal held by Manchester United in latest blow to Premier League title bid

MANCHESTER. Declan Rice's equaliser denied Manchester United boss Ruben Amorim a much-needed win but Arsenal's faltering Premier League title challenge suffered another damaging blow in a 1-1 draw at Old Trafford on Sunday.

The Gunners sit 15 points behind runaway leaders Liverpool, now with just one game in hand, with their focus beginning to turn to holding off the chasing pack for a place in next season's Champions League.

Bruno Fernandes' stunning free-kick put United ahead in first-half stoppage time.

The Red Devils, though, could not hold on for just a sixth Premier League win in 16 games under Amorim as Rice swept home on 74 minutes.United missed a string of late chances to win the game, with a point leaving them down in 14th."How we conceded chances in certain moments was not acceptable," said Arsenal boss Mikel Arteta."They have so much quality and they pick the right player and normally that would end in a goal."We opened the gate to lose the game. there was no chance to lose the game and we opened it

ourselves. I will defend my players all the time but in those moments we have to do better."United have had three permanent managers and an interim during Arteta's five years in charge of Arsenal.Amorim said he knows he will not get the time Arteta did to turn around a sinking ship at Old Trafford.The discontent among the home support could be seen around the stands with many taking part in a protest by wearing black over what they perceive as "the death" of their club.

"This club will never die, that is clear," said Amorim. "You feel it in the streets. This is a big business and maybe all the fans in this league sometimes feel it is harder to go to the games and pay for tickets."Arsenal had failed to score in either of their previous two league games to realistically wave goodbye to their hopes of a first title in 21 years.

Despite still missing the attacking quartet of Kai Havertz, Gabriel Jesus, Bukayo Saka and Gabriel Martinelli, the Gunners hit back in stunning fashion to thrash PSV Eindhoven 7-1 in the Champions League on Tuesday.

India clinch Champions Trophy with narrow four-wicket win over New Zealand

New Delhi. India have been crowned Champions Trophy winners!India defeated New Zealand by 4 wickets in the 2025 Champions Trophy final to claim a record third title. Chasing 252, India successfully reached the target in 49 overs at the Dubai International Cricket Stadium.Ravindra Jadeja finished it off by driving the last ball of the 49th over for a four through fine leg, leading India to victory with four wickets in hand.

After the win, the Indian players rushed onto the pitch. Rohit Sharma embraced KL Rahul and Ravindra Jadeja in celebration.

Bowling first after Rohit lost his 12th straight toss, India's spinners restricted New Zealand to 251 for seven in the allotted 50 overs, with Kuldeep Yadav (2/40) and Varun Chakaravarthy (2/45) making significant contributions with the ball.India completed the chase of 252 with six balls to spare after Rohit (76 off 83 balls) and Shreyas Iyer (48 off 62 balls) shone with the bat.For New Zealand, Daryl Mitchell (63 off 101 balls), Michael Bracewell (53 not out off 40 balls),

and Rachin Ravindra (37 off 29 balls) were the main contributors with the willow.

While chasing, India faced some anxious moments when they lost two wickets after being well paced at 183 for three after 38 overs, but KL Rahul (34 not out off 33 balls) showed great composure to see his team through after Hardik Pandya's breezy 18-run knock.India won the trophy without losing a match, reflecting their dominance.

India's previous title triumphs in the tournament came in 2002 and 2013.

No other team has won the event thrice.

Brief scores: New Zealand: 251/7 in 50 overs (Daryl Mitchell 63, Michael Bracewell 53 not out, Rachin Ravindra 37; Kuldeep Yadav 2/40, Varun Chakaravarthy 2/45.

India: 254/6 in 49 overs (Rohit Sharma 76, Shreyas Iyer 48; Mitchell Santner 2/46, Michael Bracewell 2/28).

When you leave, you want to leave the team in better place: Virat Kohli

Kohli explained that as one of the senior-most players in the team, he also has to focus on grooming the Gen-Next.

DUBAI. The peerless Virat Kohli on Sunday said his job is not just to win ICC trophies but also ensure that Indian cricket is at a better place when he walks into the sunset, as the team won a third Champions Trophy title with a four-wicket victory over New Zealand here.

India completed a chase of 252 with six balls to spare."When you leave, you want to leave the team in a better place, I feel we've a squad that's ready to take on the world for the next eight years," an ecstatic Kohli said after the end of the final.While Kohli was out for 1 in the final, his match-winning hundred against Pakistan and a composed half-century against Australia in the semi-final went a long way in India's title triumph."It's been amazing, we wanted to bounce back after a tough Australian tour, and wanted to win a big tournament, so to win the Champions Trophy is amazing," Kohli told broadcasters 'JioHotstar' with Shubman Gill by his side.

He then explained that as one of the senior-most players in the team, he also has to focus on grooming the Gen-Next.

"So much talent in the dressing room, they're trying to take their game further and we're just happy to be of help (role of the seniors), sharing our experience and that's what makes this Indian team so strong." He loved that the final went the distance."These are the things you want to play (for titles), playing under pressure and putting your hand up." He was happy that the title win was a fantastic team effort.

"The whole team, everyone has put their hands up sometimes or other (during the course of the tournament), everyone has put up impactful performances, we've been part of an amazing team, the amount of work we've done in the practice sessions, it feels great (to win).""Shubman has been outstanding, Shreyas has played some top knocks, KL has finished games and Hardik has been superb with the bat." Graceful in triumph, Kohli didn't forget to praise the New Zealand side for the fight that they have put up.

"We've always been in awe with what they can do, the limited number of players in the talent pool, but they just execute plans so well, they keep playing the kind of cricket that keeps them very much in the game."

"They're always been attacking and supportive of the bowlers, Credit to them, easily the best fielding unit, sad to see a very good friend of mine to be on the losing side (on Kane Wiliamson). But they're always so good and they keep doing the basics well. That's what makes them such a competitive unit," Kohli concluded.

Shahid Kapoor Reacts To Reuniting With Ex-Girlfriend Kareena Kapoor At IIFA: 'Totally Normal'

Shahid Kapoor and Kareena Kapoor reunited at the IIFA 2025 press conference, sharing a warm hug and smiles. Fans were thrilled, but Shahid downplayed it, saying their meetings are normal.

Recently, we got a blast from the past, and the internet is eating it up! Shahid Kapoor and Kareena Kapoor, once the It couple of B-town, had a sweet little reunion at the IIFA 2025 press conference, and let's just say—our nostalgia levels simply shot up. The ex-lovebirds were spotted sharing a warm hug, exchanging smiles, and having a quick chat while the paparazzi freezed the moment for all of us to obsess over. And obsess we did! The rare sight of the former couple left fans in a frenzy.

But before we could all get carried away, Shahid Kapoor reacted to it. Speaking on the green carpet of the IIFA Digital Awards, the Kabir Singh star was asked about the much-hyped reunion. His response was a casual shrug.

"For us, it's nothing new… aaj stage pe mile aur hum log idhar udhar milte rehte hai (today we met on stage, but we keep running into each other here and there). It's totally normal for us… if people felt nice, it's nice."

Once upon a time in the 2000s, Shahid Kapoor and Kareena Kapoor were Bollywood's beloved real-and-reel-life couple, setting screens on fire with their chemistry in films like Fida, Chup Chup Ke, and the cult classic Jab We Met. But just before Jab We Met wrapped, their love story took a different turn, and they decided to go their separate ways.

Fast forward to today, both stars have built beautiful lives of their own. Kareena found her happily ever after with Saif Ali Khan, and the duo is now proud parents to two adorable boys. Meanwhile, Shahid, too, found love outside the film industry, marrying Mira Rajput, with whom he shares a son and a daughter. The 25th edition of IIFA is being held in Jaipur, Rajasthan.

Sikandar: Director Murugadoss confirms Salman Khan's film 'isn't a remake'

Sikandar director AR Murugadoss revealed how the film 'isn't a remake' and offers a unique story. The movie stars Salman Khan and Rashmika Mandanna in the lead.

Salman Khan's Sikandar is one of the highly anticipated films of 2025. Starring Salman Khan and Rashmika Mandanna alongside Salman, the film offers something entirely new to the audience. Director AR Murugadoss shared how the film is a 'completely original story' and not a remake.

Director A.R. Murugadoss shared how the story is not a remake of any film and offers a fresh perspective.

"This is a completely original story. Every scene and every frame of Sikandar has been designed and executed with authenticity, offering a fresh narrative and experience. It's not a remake or adaptation of any existing film An essential part of the film's originality is its stunning background score, crafted by the immensely talented Santosh Narayanan. His music perfectly complements the film's energetic tone and vibrant visuals, adding an emotional depth that enhances every scene," he said.

The film also reunites Salman with producer Sajid Nadiadwala, known for delivering blockbusters like Kick and Mujhse Shaadi Karogi. Sikandar releases in cinemas on Eid, March 28, 2025.

Salman Khan last appeared in Tiger 3 alongside Katrina Kaif and Emraan Hashmi. He also has Siddharth Anand's Tiger vs Pathaan, where he will be once again sharing screen space with superstar and close friend Shah Rukh Khan.

Kiran Rao On Parents' Reaction To Her Marriage With Aamir Khan: "They Thought I Might Be Overshadowed By Him"

Kiran Rao, an Indian film producer and director, was married to Bollywood superstar Aamir Khan for over 15 years

Filmmaker Kiran Rao recently opened up about her marriage to Aamir Khan. When asked about her parents' reaction to her decision to marry the actor, Kiran told ANI, "It was a shocker for them.

"They were taken aback. In their eyes, I had a lot of promise. I was someone who wanted to do a lot of things, and they were worried that I might be overshadowed by Aamir's larger-than-life persona," she added.

Given Aamir's immense fame, Kiran did feel the pressure of living in his shadow. However, what brought her comfort was Aamir's unwavering support for her individuality. "Aamir has never expected me to be a certain way. He has always been happy for me to be myself, and that's one of the greatest things about him," she shared.

"Aamir and I will always be there for each other," she concluded.

Kiran Rao, an Indian film producer and director, was married to Bollywood superstar Aamir Khan for over 15 years. They married in 2005 and welcomed their son, Azad Rao Khan, in 2011. However, in July 2021, they announced their separation.

Radhika Apte to make her directorial debut with action-fantasy film Kotya

Acclaimed actor Radhika Apte will soon be making her directorial debut with the action-fantasy film, Kotya. The announcement was made as a part of the CineV-CHD Market lineup.

Actor Radhika Apte is all set to make her directorial debut with the action-fantasy film, Kotya. The announcement was disclosed during the CineV-CHD Market lineup. The said lineup also features at least 22 projects by a diverse group of filmmakers.

Variety reported that Kotya is a "Hindi/Marathi action-fantasy following a young migrant sugarcane cutter who gains superpowers after a forced medical procedure and uses them to free her family from debt." It will reportedly be bankrolled by filmmaker Vikramaditya Motwane.

Radhika Apte is known for her work in films such as PadMan, Andhadhun , Vikram Vedha, A Call to Spy, Kabali, and Lust Stories, among others. She was last seen in the BAFTA-nominated film, Sister Midnight.

Sister Midnight had earlier premiered at the Cannes Film Festival and bagged a BAFTA nomination in the Outstanding Debut by a British Writer, Director or Producer category. Besides her many professional achievements, Apte has much to celebrate on the personal front. The actor recently welcomed a baby with husband Benedict Taylor. The actor had shared the happy news on her social media handle, where she was seen breastfeeding the child.